- असम में हिंसा, मौके पर आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद - 12

- बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चार माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर - 12

- ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल - 13

- न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत - 14

आज का मौसम
22.0⁰ अधिकतम तापमान
8.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष तृतीया 02:47 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 21 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 58, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मेरे भी बॉस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। मोदी ने इस मौके पर कहा- अब नितिन नबीन मेरे भी बॉस हैं। ● एजेंसी

पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन नबीन से मिलकर उन्हें बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा, नितिन नबीन का कुशल नेतृत्व, गहरा संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच पार्टी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगी।

ट्रंप की धमकियों से सहमे बाजार में 9.86 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

- चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 353 अंकों की भारी गिरावट

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को आक्रामक हथियार बनाने और लगातार धमकियां देने का बड़ा असर मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट के साथ धड़ाम हो गया और निफ्टी भी 353 अंक टूट गया। इस भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

ट्रंप की धमकियों से वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ने के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई। इससे सेंसेक्स में भारी गिरावट आई और वह 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 353 अंक यानी 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों ने इस भारी गिरावट का कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी रहने को भी बताया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस संकट को और गहरा कर दिया। बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 2.74 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 2.52 प्रतिशत लुढ़क गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपये घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपये यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अपरिवर्तित रहे।

> अमेरिकी प्रशासन की ओर से टैरिफ को विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में आक्रामक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ी है जो वित्तीय बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर रही है। - **पोनमुडी आर,** सीईओ एनरिच मनी

चीन, जापान, कोरिया में भी भारी गिरावट यूरोप के बाजारों में भी मचा हाहाकार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे।

- शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,262.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,234.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप- 4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियां हटा लीं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया, ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदियां हटा ली गई हैं। लोगों से अनुरोध है कि वे ग्रैप के पहले, दूसरे और चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियों का सख्ती से पालन करें ताकि एक्यूआई और खराब न हो।

बेंगलुरु में 5.15 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को अपराध नियंत्रण ब्यूरो (सीसीबी) की स्वापक रोधी शाखा ने 2.5 किलोग्राम एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट जब्त की। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5.15 करोड़ रुपये है। पुलिस के मुताबिक, मराठाहल्ली थाना क्षेत्र के मुन्नेकोलाला इलाके में किराए के एक मकान से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि वह इस मकान से ही मादक पदार्थों का व्यापार कर रहा था। आरोपी के खिलाफ हेन्नूर और कडुगोडी थानों में पहले से ही मादक पदार्थों की तस्करी के दो मामले दर्ज हैं।

चुनाव से ऐन पहले केरल-तमिलनाडु में राज्यपाल और सरकारों में बढ़ा टकराव

तमिलनाडु में अभिभाषण पढ़े बगैर चले गए रवि, केरल में राज्यपाल ने छोड़े कई अंश

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को यह कहकर राज्य विधानसभा के इस साल के पहले सत्र में सदन में अभिभाषण पढ़े बिना बाहर चले गए कि द्रमुक सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण में बहुत सी गलतियां हैं। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित भाषण के कई हिस्सों को नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में इसी साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह नियमों, परंपराओं का उल्लंघन करते हुए एक बार फिर सदन से बाहर चले गए हैं। उनका व्यवहार उनके उच्च पद के अनुकूल नहीं है और सदन और उसकी गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार परंपरागत संबोधन राज्य सरकार तैयार करती है और इसे राज्यपाल द्वारा पूरी तरह से पढ़ा जाना चाहिए।

चेन्नई में राज्यपाल के सदन से जाने के बाद एआईएडीएमके के विधायकों ने भी वाकआउट कर गए।

मेरा माइक बंद किया, राष्ट्रगान का हुआ अपमान: रवि

चेन्नई। विधानसभा में हुए घटनाक्रम के बाद लोकभवन ने बयान जारी कर दावा किया कि राज्यपाल आरएन रवि ने परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही, जनता को परेशान करने वाले कई मुद्दों को अनदेखा किया गया। राज्यपाल रवि परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज़्थु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। लोकभवन की ओर से जारी 13 बिंदुओं वाले एक विवरण में यह भी आरोप लगाया गया कि राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

अभिभाषण की अनिवार्यता हटे : मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन के माध्यम से उन प्रावधानों को हटाने का प्रयास करेगी, जिनमें वर्ष की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव भी पेश किया जिसमें कहा गया कि सदन राज्यपाल के परंपरागत संबोधन न पढ़ने के व्यवहार को स्वीकार नहीं करता है।

राज्यपाल ने केंद्र की आलोचना वाले अहम हिस्से नहीं पढ़े: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को तब अभूतपूर्व स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सदन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। विजयन ने कहा कि छोड़े गए अंशों में भाजपा-शासित केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले हिस्से और राजभवन में लंबित विधेयकों से संबंधित संदर्भ शामिल थे। विजयन के अनुसार, राज्यपाल ने दस्तावेज के 12वें पैरा का शुरुआती हिस्सा और 15वें पैरा के अंतिम हिस्से को नहीं पढ़ा। इसके अलावा, 157 पैरा और 72 पृष्ठों वाले नीतिगत भाषण के 16वें पैरा में राज्यपाल ने एक पंक्ति जोड़ी। विजयन ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर नीतिगत संबोधन को ही आधिकारिक संस्करण के तौर पर स्वीकार किया जाए।

अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद कर्नाटक डीजीपी निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी

- सरकार ने जांच पूरी होने तक मुख्यालय छोड़ने पर भी लगाई रोक

कर्नाटक सरकार ने डीजीपी के. रामचंद्र राव के महिलाओं के साथ अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोमवार को कई समाचार चैनलों ने भी यह वीडियो प्रसारित किया जिसमें राव महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे। सरकार ने राव की कहीं आवाजाही पर भी रोक लगा दी है और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने का आदेश दिया है।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) की ओर से जारी एक आधिकारिक आदेश में सरकार ने कहा कि टेलीविजन चैनल और डिजिटल मीडिया मंचों पर प्रसारित वीडियो और समाचार में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अश्लील तरीके स व्यवहार करते हुए दिखाया गया है। इस कारण उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया है।

आदेश में कहा गया कि राज्य सरकार ने मामले की जांच की, जिसमें पाया गया कि अधिकारी का आचरण अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम-3 का उल्लंघन है। सरकार प्रथमदृष्टया इससे संतुष्ट है कि जांच होने तक राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया जाए। उधर, राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बताया है।

सोने की तस्करी में पकड़ी गई रान्या के सौतेले पिता हैं राव

राव कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव के सौतेले पिता हैं, जिस पर व्यवसायी तरुण राजू और आभूषण व्यापारी साहिल जैन से मिलकर 12.56 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना अवैध तरीके से दुबई से भारत लाने की साजिश रचने का आरोप है। रान्या को तीन मार्च 2025 को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था और उसके पास से 14.8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था जो दुबई से तस्करी करके लाया गया था। रान्या फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में है।

जांच में आरोपों की पुष्टि हुई तो बर्खास्त करेगी सरकार

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो वायरल होने के मामले की जांच के बाद डीजीपी के. रामचंद्र राव को बर्खास्त भी किया जा सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निलंबन एक तात्कालिक कदम था। अब जांच होगी और जांच के बाद अन्य पहलुओं का भी पता चलेगा और उसके अनुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

जनवरी के लिए पंचायतों को 900 करोड़ की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायतों को धनावंटन
- कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी के लिए किस्त स्वीकृत

अमृत विचार : योगी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी के लिए 900 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत जनरल ग्रांट के रूप में जिला पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों और ग्राम पंचायतों को दी जाएगी। इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है।

विशेष सचिव आलोक दीक्षित की ओर से पंचायती राज निदेशक को भेजे गए शासनादेश के अनुसार यह धनराशि स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति एवं समनुदेशन से जारी की जाएगी। कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी माह के लिए यह किस्त स्वीकृत की गई है। धनराशि निदेशक, पंचायती राज के निवर्तन पर रखी जाएगी, जिसे तय शर्तों के अनुसार संबंधित पंचायतों के खातों में सीधे अंतरित किया जाएगा। यह वितरण पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार किया जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश की पंचायतों को विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों के पूरा होने की उम्मीद है। पंचायतें इस धनराशि का उपयोग स्वच्छता, रखरखाव, स्थानीय अधोसंरचना और अन्य जनहित कार्यों में कर सकेंगी।

पंचायतों में वितरण

- जिला परिषद/जिला स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये
- ब्लॉक पंचायत/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये
- ग्राम पंचायतें: 630 करोड़ रुपये

पारदर्शिता व सख्त शर्तें

शासन ने निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि को निदेशक पंचायती राज किसी भी दशा में बैंक खाते में नहीं रखेंगे। कोषागार से धन आहरित कर सीधे पंचायती राज संस्थाओं के खातों में भेजी जाएगी। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी खातों के आईएफएससी कोड सही हों। आहरण के एक सप्ताह के भीतर उससे संबंधित पूरी सूचना, बाउचर संख्या और तिथि सहित ब्योरा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यह भी कहा गया है कि धन का उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है।

घर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव मिले

सहारनपुर, एजेंसी

- सभी के सिर पर लगी थी गोली, मौके पर 3 लोडेड पिस्टल भी बरामद

सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से मंगलवार सुबह एक दंपती समेत परिवार के पांच लोगों के शव पुलिस ने बरामद किए हैं।

सहारनपुर के एसएसपी आशीष तिवारी के मुताबिक सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि सरसावा की कौशिक विहार कॉलोनी में एक अमीन समेत परिवार के पांच सदस्यों के शव उन्हीं के मकान के एक कमरे में मिले हैं। मृतकों में अमीन के पद पर कार्यरत अशोक राठी (40), उसकी पत्नी अजिंता (37), मां विद्यावती (70), पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अशोक राठी के शव की बगल में तीन लोडेड पिस्टल भी मिलीं। अशोक राठी सहित सभी के सिर पर गोली लगी थी जो बहुत पास से मारी गई थी। एसएसपी के मुताबिक पूरे क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ मामले की छानबीन की जा रही है। मौके से बरामद तीनों पिस्टल देसी हैं। वह लाइसेंसी हैं या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि अशोक राठी को पिता की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में अमीन की नौकरी मिली थी और वह नकुड़ तहसील में कार्यरत था। उसके दोनों बेटे दसवीं और 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस ने अशोक राठी के घर को सील कर दिया है ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो पाए।

इजराइल ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पर चलाया बुलडोजर

यरुशलम, एजेंसी

- कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर इमारत से जबरन बाहर निकाला
- संरा ने बताया अभूतपूर्व हमला अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

इजराइल के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय को बुलडोजर से गिराना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने कहा कि इजराइली सेना ने कार्यालय के कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर लिए और उन्हें शेख जर्राह इलाके में स्थित इमारत से जबरन बाहर निकाल दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने 'एक्स' पर कहा, यह न केवल यूएनआरडब्ल्यूए और उसके परिसर पर अभूतपूर्व हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है। इजराइल लंबे समय से यह कहकर यूएनआरडब्ल्यूए पर निशाना साधता रहा है कि वह फिलिस्तीन समर्थक है। उस पर हमास से संबंध रखने का भी आरोप लगाया है जिसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने पूरी तरह नकार दिया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई उस नए कानून के तहत की गई है जिसके तहत आतंकवादी समूहों और हमास से संबंध रखने के आरोप में संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का हवाला देते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस जारी कर 24 घंटे में ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा है। जवाब में उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य वह है जिसे बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मान्यता देते हैं।

उन्होंने दावा किया है कि बाकी दो पीठ द्वारका पीठ और शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य उन्हें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में उनके साथ स्नान भी कर चुके हैं। जब दोनों शंकराचार्य यह कह रहे हैं कि वह शंकराचार्य हैं तो और किस प्रमाण की आवश्यकता है कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं। उन्होंने कहा, क्या अब प्रशासन तय करेगा कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं।

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केस दर्ज कर आरोपपत्र भी कर सकती है दाखिल, सीबीआई की पूर्वानुमति की भी जरूरत नहीं

केंद्रीय कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर सकती है राज्य पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में व्यवस्था दी कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के अपराधों के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य पुलिस के अधिकारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि राज्य पुलिस को केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच राज्य एजेंसी, केंद्रीय एजेंसी या कोई भी पुलिस एजेंसी इस शर्त के साथ कर सकती है कि पुलिस अधिकारी विशेष रैंक का हो। पीठ ने अधिनियम की धारा 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा राज्य पुलिस या राज्य की किसी विशेष एजेंसी को केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधी मामलों को दर्ज करने या जांच करने से नहीं रोकती है। पीठ ने कहा, सुविधा और काम के दोहराव से बचने के लिए सीबीआई को केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने जिम्मेदारी है।

आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी का बयान अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने आदेशों की आलोचना करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि उदारता के कारण वह पूर्व मंत्री के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति मेहता ने मेनका के वकील से पूछा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों की समस्या को खत्म करने के लिए बजट में आवंटन कराने में क्या मदद की। पीठ ने कहा कि कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराने के संबंध में उसकी टिप्पणी व्यंग्य नहीं, बल्कि गंभीर थी। अदालत ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों को कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी मुआवजा देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

समाचारपत्रों को नहीं रोक सकते निर्बाध चलेंगी पंजाब केसरी की प्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए कि ''समाचारपत्रों को रोका नहीं जा सकता'' पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई कदम न उठाए। कोर्ट ने मौखिक उल्लेख के बाद समाचारपत्र समूह की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि हिंदी दैनिक के प्रिंटिंग प्रेस निर्बाध रूप से काम करते रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि समाचार पत्र समूह की याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद भी उसका अंतरिम आदेश एक सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले समाचार पत्र समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इसे असाधारण मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के खिलाफ समाचारों के बाद राज्य ने उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

किसान को सांप ने डसा, हालत गंभीर

अमरिया, अमृत विचार : क्षेत्र में पशुओं के लिए चारा काट रहे किसान को सांप ने डस लिया। उनकी हालत बिगड़ गई। मामला ग्राम बल्लिया का है। यहां के हसीब अहमद पुत्र इकरार अहमद मंगलवार को पशुओं के लिए चारा काट रहे थे। इसी दौरान सांप ने उन्हें डस लिया। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

नौ माह का बकाया मानदेय दिलाने की मांग

बीसलपुर, अमृत विचार : विकासखंड बीसलपुर के रोजगार सेवकों ने क्षेत्रीय विधायक विवेक कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि अप्रैल 2025 से बकाया नौ माह का मानदेय दिलाने की मांग की। साथ मनरेगा के तहत ग्राम पंचायतों में काम के साथ-साथ अन्य सरकारी योजनाओं को भी सुचारू रूप से लागू कर रहे हैं। सेवकों ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए तत्काल भुगतान की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में ओम प्रकाश, सर्वेश कुमार, ओमपाल, उमेश कुमार और हरि ओम प्रमुख रहे।

अनुमति दिखाने पर छोड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली

घुंघचिहाई, अमृत विचार : गोवंशीय पशुओं से भरी एक ट्राली पिपरिया मझारा के रहने वाले गोरक्षकों ने मंगलवार दोपहर लुधियाना फॉर्म बाजारगंज के पास रोक ली। ट्रैक्टर चालक से इसे लेकर सवाल किए। चालक ने बताया कि वह ग्राम दिलावरपुर से पशु लेकर आया आया है। अनुमति से आठ गोवंशीय पशुओं को लेकर सिहुरा गौशाला ले जा रहा है। अनुमति के बाद वाहन को जाने दिया गया। इस मौके पर गगन मिश्रा, मोना नाथ, नीरज, रंजीत, करन, विक्रम, अरविंद सक्सेना, सहित आदि मौजूद रहे।

141 वाहनों का किया गया चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : एसपी के निर्देश पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत चलाया जा रहा यातायात पुलिस का अभियान जारी रहा। डग्गामार वाहन, अवैध रूप से संचालित व नियतन से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले वाहनों को रोक कार्रवाई की गई। कुछ दुकानों के आगे से अस्थायी अतिक्रमण भी हटवाया। नियम उल्लंघन पर 141 वाहनों का चालान कर 142500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 36 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

नो-मैपिंग मतदाताओं की नोटिस सुनवाई प्रक्रिया शुरू, 7 दिन का मिला समय

एसआईआर: सुनवाई के लिए 48 एईआरओ नियुक्त, जिले में 67634 मतदाता नो-मैपिंग की श्रेणी में चिह्नित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत नो-मैपिंग श्रेणी में आए मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही अब संबंधित नोटिस पर अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा सुनवाई भी शुरू कर दी गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर यह कदम मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्र में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान 67,634 मतदाता नो-मैपिंग की श्रेणी में चिह्नित किए गए हैं। नो-मैपिंग में वे मतदाता शामिल हैं, जिनका विवरण वर्ष 2003 की मतदाता सूची के माध्यम से भरे गए फॉर्म से मेल नहीं खा रहा है। कई मामलों में नाम, उम्र, पता या पारिवारिक विवरण में अंतर पाया गया है। इस वजह से उन्हें नो-मैपिंग की श्रेणी में रखा गया है। इन सभी नो-मैपिंग वाले मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस भेजे रहे हैं। मतदाताओं को सुधारने के लिए सात दिन का समय दिया गया है।

इधर. नोटिस जारी करने के साथ के साथ अब चारों विधानसभाओं में संबंधित अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा सुनवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से 48 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सुनवाई के दौरान संबंधित बीएलओ के साथ अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) मौजूद रहेंगे और मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे।

जिला निर्वाचन कार्यालय। ● अमृत विचार

12 विकल्पों में एक करना होगा प्रस्तुत

यदि किसी मतदाता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तो भी उसे परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इन सभी को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। ऐसे मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए निर्वाचन आयोग ने 12 वैकल्पिक दस्तावेजों का प्रावधान किया है। इन दस्तावेजों में आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, पासपोर्ट, शैक्षिक प्रमाण पत्र सहित अन्य वैध सरकारी दस्तावेज शामिल हैं। नो-मैपिंग वाले मतदाता इन विकल्पों में से किसी एक दस्तावेज को प्रस्तुत कर मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकता है।

विधानसभा वार मतदाता

विधानसभा क्षेत्र	नो-मैपिंग मतदाताओं की संख्या
पीलीभीत	18647
बरखेड़ा	11824
पूरनपुर	18796
बीसलपुर	18367

"नो-मैपिंग के मतदाताओं को जारी करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जारी नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि वैकल्पिक दस्तावेज कहां, किस दिन और किस अधिकारी के पास जमा करने हैं। जारी नोटिस पर सुनवाई का कार्य भी शुरू किया जा चुका है। पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में अपडेट किया जाएगा। -**प्रसून द्विवेदी**, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त।

छह फरवरी तक चलेगा अभियान

नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई और दस्तावेजों के सत्यापन एवं दावे-आपत्तियों के निस्तारण के लिए 06 फरवरी तक का समय निर्धारित किया गया है। इस अवधि में जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को संबंधित बीएलओ के साथ तैनात किया गया है। अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नोटिस पर सुनवाई कर मौके पर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे।

फरवरी में शुरू होंगे आरटीई के तहत बच्चों के एडमिशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- तीन चरणों में कराई जा रही पूरी प्रक्रिया, पहला राउंड दो फरवरी से होगा शुरू

अमृत विचार : जिले में आरटीई के तहत स्कूलों में बच्चों के एडमिशन की प्रक्रिया फरवरी से शुरू हो रही है। हर बार की तरह एडमिशन पूरी पारदर्शी बनाने के लिए तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला राउंड दो फरवरी से शुरू होगा। पिछले वर्ष दिसंबर में यह प्रक्रिया शुरू हुई थी। लेकिन इस शैक्षणिक सत्र में पोर्टल अपडेट के कारण अटक गई थी, जिसे देखते हुए इस बार सभी तकनीकी व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है ताकि माता-पिता और बच्चों को किसी तरह की दिक्कत न हो। इसको लेकर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से तैयारी कर ली गई है।

निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए दो से 16 फरवरी तक पहले चरण में आवेदन लिए जाएंगे। आवेदन सत्यापन के बाद 18 फरवरी को लॉटरी निकाली जाएगी और 20 फरवरी को विद्यालयों में नामांकन के आदेश जारी होंगे। दूसरा चरण 21 फरवरी से सात मार्च तक चलेगा, जिसकी लॉटरी नौ मार्च को निकलेगी। तृतीय चरण 12 से 25 मार्च तक होगा और 27 मार्च को लॉटरी आयोजित की जाएगी। आरटीई आवेदन से पहले जिले के सभी गैर सहायतित निजी स्कूलों की प्रारंभिक कक्षाओं की कुल क्षमता का 25 प्रतिशत निर्धारित कर शत-प्रतिशत मैपिंग कराई जाएगी। इसके बाद ही पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होगी।

आवेदन की प्रक्रिया, सत्यापन और विद्यालय आवंटन के लिए ब्लॉकवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। बच्चों के प्रमाण पत्र जमा कराने और किसी भी समस्या के समाधान के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित की जाएगी। हालांकि पिछले साल यह प्रक्रिया दिसंबर में शुरू हुई थी और चार चरणों में कराई गई थी। बीएसए रोशनी सिंह ने बताया कि आवेदन की समय-सारणी बीईओ कार्यालय को भेज दी है। राज्य परियोजना निदेशक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही इस बार आवेदन कराए जाएंगे, ताकि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित हो। इस बार तकनीकी खामियों के चलते प्रक्रिया लेट शुरू हुई है।

नागरिक सुरक्षा कोर के चीफ वार्डन बने अमृतलाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- निशक्तजन सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं समाजसेवी हैं

अमृत विचार: निशक्तजन सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अमृत लाल को नागरिक सुरक्षा कोर के चीफ वार्डन बनाया है। लंबे समय से वह समाजसेवा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

जनपद में सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से प्रशासन की ओर से कदम उठाया गया है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के दिशा-निर्देशन में नागरिक सुरक्षा कोर (सिविल डिफेंस) का विधिवत गठन किया गया है। सक्रिय कार्यशैली और समाजसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए अमृतलाल को नागरिक सुरक्षा कोर का चीफ वार्डन नियुक्त किया गया है। वहीं, अशोक खंडेलवाल को डिप्टी चीफ वार्डन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को बुके भेंट करते समाजसेवी अमृत लाल। ● अमृत विचार

सिविल डिफेंस की महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नवनियुक्त स्वयंसेवकों ने एक दिन पूर्व शिरकत की थी। जिसमें अनिल कमल, डॉ. प्रेम सागर शर्मा, कविता वंशवाल, मोहम्मद असलम, मोहम्मद कामिल, अभिनय गुप्ता, संजीव पाराशरी, परवेज हनीफ, बबिता सक्सेना, श्रीश सक्सेना, राजेंद्र गुप्ता, राजेंद्र सक्सेना, नीरज रस्तोगी, अनिल गुप्ता, अनिल वंशवाल, बिंदु सिंह, संतोषी खरे, सुखवीर सिंह भदौरिया शामिल हुए थे। समस्त सदस्यों ने एक स्वर में प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे जनपद की सुरक्षा और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बता दें कि 23 जनवरी को ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में मॉक ड्रिल होनी है। इसे लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

चीफ वार्डन अमृतलाल ने समस्त सदस्यों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश के 25 जिलों में सिविल डिफेंस का कार्य शुरू हुआ है, और हमारा साझा प्रयास रहेगा कि प्रदर्शन और सेवा के मामले में पीलीभीत प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए ड्रमंड कॉलेज में बनेगा हाई-टेक कंट्रोल रूम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिले के 67 परीक्षा केंद्र सीधे कंट्रोल रूम से रहेंगे जुड़े
- सीसीटीवी और वेबकास्टिंग से परीक्षा कक्ष पर रहेगी नजर

अमृत विचार : यूपी बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाओं को निष्पक्ष और नकल मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षाओं की सख्त निगरानी के लिए शहर के राजकीय ड्रमंड इंटर कॉलेज में अत्याधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है, जिससे जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर सीधी नजर रखी जाएगी। यह कंट्रोल रुम भी शासन से संबद्ध रहेगा। ताकि वहां बैठे अफसर भी निगरानी कर सके।

यूपी बोर्ड की परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होनी है। यह परीक्षा मार्च तक चलेंगी। जिले से कुल 41,821 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 23,241 और इंटरमीडिएट के 18,580 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इसको लेकर अभी एक माह पहले डीआईओएस की ओर से केंद्रों का निर्धारण करते हुए शुरुआत में 67 केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही इस बार परीक्षा को लेकर तमाम संशोधन भी किए गए हैं।

परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी लगवाने के बाद अब इन सभी केंद्रों को जोड़ते हुए परीक्षाओं की निगरानी के लिए राजकीय ड्रमंड इंटर कॉलेज में हाई-टेक कंट्रोल रूम तैयार किया जा रहा है, जिसे 10 हाई-स्पीड कंप्यूटरों और आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस बार कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रत्येक परीक्षा केंद्र के परीक्षा कक्षों और स्ट्रांग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की वेबकास्टिंग की जाएगी। यहां तैनात तकनीकी कर्मचारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी लाइव मॉनिटरिंग कर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्टों में लगाई जाएगी, ताकि परीक्षा अवधि के दौरान हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा सके। इससे परीक्षा की शुचिता बनी रहेगी और नकल पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सकेगा।

सहकारी ग्राम विकास बैंक के प्रतिनिधि पद पर नामांकन किया दाखिल

बरखेड़ा, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के शाखा प्रतिनिधि पद के चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी बच्चू लाल वर्मा ने मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल किया।

निर्वाचन अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड शाखा बरखेड़ा के लिए प्रतिनिधि के पद के लिए बच्चू लाल वर्मा के द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया है। शाखा प्रतिनिधि के पद के लिए केवल एक ही उनका नामांकन पत्र जमा हुआ है। अगर जांच में नामांकन पत्र सही पाया जाता है तो उनका शाखा प्रतिनिधि के पद पर निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, निवर्तमान शाखा प्रतिनिधि लाखन सिंह वर्मा, निरंजन लाल वर्मा, पूर्व प्रधान महेंद्र पाल वर्मा, रामपाल वर्मा, राधेश्याम भोजवाल, सुम्मेर लाल भारती, जवाहरलाल वर्मा, हरिपाल वर्मा, राजपाल वर्मा, सुंदरलाल आदि मौजूद रहे।

नामांकन दाखिल करते प्रत्याशी। ● अमृत विचार

उधार दिए रुपये मांगने पर महिला को पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 की रहने वाली समीम पत्नी शहाबुद्दीन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 19 जनवरी को शाम करीब पांच बजे अपने उधार के पैसे मांगने के लिए मोहल्ले के निवासी मोहम्मद कमर व उसके भाई मोहम्मद यामीन पुत्र मोहम्मद फारूख और रानी पुत्री मोहम्मद फारूख के पास गई। तभी यह लोग गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसे लाठी डंडों से पीटा। जब उसकी पुत्री शबनम उसे बचाने आई तो उसके साथ भी मारपीट की गई। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

प्रशासन की ओर से व्यापारियों को राहत की उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम ने चीफ इंजीनियर से वार्ता कर दिया आश्वासन
- एक दिन पहले स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर हुई थी नोकझोंक

अमृत विचार : स्मार्ट मीटर को अनिवार्य किए जाने को लेकर पैदा हुई स्थिति को लेकर जिला प्रशासन ने सकारात्मक पहल की है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए विधिक प्रस्तुतीकरण के बाद डीएम ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि इस विषय में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। व्यापारियों को उम्मीद है कि इससे स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रम और बढ़े हुए बिलों की समस्या का निपटारा हो सकेगा।

एक दिन पूर्व जेपी रोड पर स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद मंगलवार को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर यूपीईआरसी और सीडीबी उपबंधों के लिखित प्रस्तुतीकरण डीएम को सौंपे। इस पर जिलाधिकारी ने इस विषय को संज्ञान में लेते हुए कहा कि वे चीफ इंजीनियर और एमवीवीएनएल चेयरमैन से वार्ता कर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास करेंगे। साथ ही व्यापार मंडल के साथ बैठक आयोजित कर तथ्यात्मक चर्चा भी की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़े हैं, उनसे संबंधित डेटा उपलब्ध कराया जाए।

डीएम से वार्ता करते भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल व अन्य।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी की पहल को जनता और प्रशासन के बीच सकारात्मक संवाद का माध्यम बताया और आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि बैठक के बाद ही किसी आगे की कार्यवाही पर विचार किया जाएगा। इस मौके पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष माधव गुप्ता, कोषाध्यक्ष अतुल अग्रवाल, नगर अध्यक्ष शिवेश अग्रवाल, नगर कोषाध्यक्ष शुभम गुप्ता, नौगांव अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, नौगांव महामंत्री ज्ञानेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

हिंदू समाज हो जागरूक, बच्चों को बनाएं संस्कारवान

संवाददाता, बीसलपुर

- श्री बालाजी हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित किया गया विराट हिंदू सम्मेलन

अमृत विचार : नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज प्रांगण में श्रीबालाजी हिंदू सम्मेलन समिति की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान सनातन संस्कृति और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील हिंदू समाज से की गई। संगठित होने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक यज्ञ, आहुति और वंदेमातरम से की गई। दीप प्रज्वलन और बालिकाओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने इसे और आकर्षक बनाया। आर्य समाज की भजनोंपदेशिका शशि आर्य ने कहा कि हिंदू समाज को समय रहते जागरूक होना चाहिए और बच्चों को संस्कारवान बनाना होगा। उन्होंने कहा कि रामराज्य की स्थापना के लिए सनातन संस्कृति से जुड़ना आवश्यक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ब्रज प्रांत के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सुरेश ने समाज में पंच परिवर्तन नियमों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। योगी हनुमान दास ने कहा कि संघ हिंदू समाज को सुदृढ़ करने के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम का संचालन सोमेश मिश्रा ने किया। सरस्वती शिशु मंदिर की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अंत में भारत माता की आरती की गई। अध्यक्ष अमरनाथ ने समिति सदस्यों और समाज की उपस्थिति के लिए आभार जताया।

इस मौके पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रबंधक विष्णु कुमार गोयल, प्रधानाचार्य वीरेंद्र मिश्र, बालाजी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य अर्चना सिंह चौहान, आरबीएल इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या परमजीत कौर, पूर्व मंत्री रामशरण वर्मा, स्वच्छ गंगा मिशन के राष्ट्रीय आयाम प्रमुख डॉ. रवि शरणसिंह चौहान, चेयरमैन प्रतिनिधि अमन जायसवाल उर्फ निक्की, जिला संघ चालक रामवीर, जिला प्रचारक अशोक, नगर प्रचारक सर्वेश, तिलक राम, मुनीश, शशि सौरभ, पूरन लाल, शिवेंद्र शुक्ला, शिवतीर्थ उपाध्याय, सुशील शर्मा, अंकुर गुप्ता, प्रवीण गोयल, एकांक, प्रमोद कुमार गुप्ता, दीपक अग्रवाल, अजीत, मुकेश अवस्थी, अशोक पाण्डे, मृत्युंजय, लक्खा सिंह, मुकेश, अवनीश शुक्ला, शेर सिंह, रितिक, लखन वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

बीसलपुर में हुए विराट सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

सम्मेलन में बोलती शशि आर्या।

बुआ के घर रह रही उत्तराखंड की युवती लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : उत्तराखंड के जिला ऊधम सिंह नगर के सितारगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने पीलीभीत की सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने रिपोर्ट में बताया है कि उसकी 19 वर्षीय पुत्री आठ जनवरी 2026 से अपनी बुआ के घर सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नावकूड़ में रह रही है। उसकी पुत्री 15 जनवरी को शाम लगभग पांच बजे अपनी बुआ के घर से बिना बताए ही कहीं चली गई है। उसने अपनी पुत्री की काफी जगहों पर तलाश की, लेकिन पुत्री के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उसकी बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्ट्रीट फूड वेंडर्स के स्टॉलों पर कूड़ेदान जरूरी

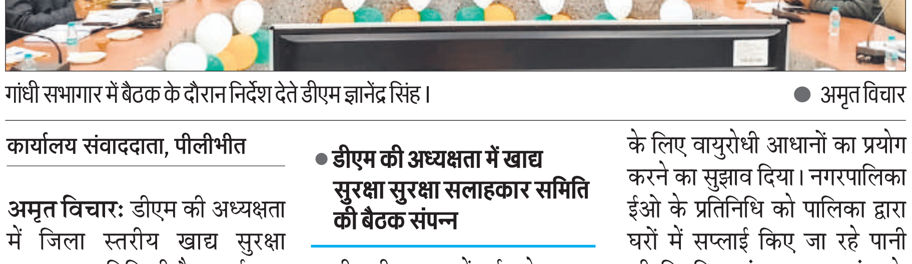

गांधी सभागार में बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

अमृत विचार: डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक हुई। इस दौरान पालिका क्षेत्रों में सप्लाई किए जा रहे पानी की नियमित अंतराल पर जांच कराने के निर्देश दिए गए। वहीं स्ट्रीट फूड वेंडर्स के स्टॉलों के पास कूड़ेदान रखने के निर्देश दिए गए।

गांधी सभागार में मंगलवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में प्रभारी सहायक आयुक्त खाद्य द्वारा वित्तीय वर्ष में दिसंबर तक विभाग द्वारा की गई छापामार कार्रवाई, संग्रहित नमूने, न्यायालय में दायर वाद एवं अन्य प्रवर्तन कार्यवाही की जानकारी दी गई। इस दौरान डीएम ने जनपद के सभी स्ट्रीट फूड वेंडर्स को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने एवं उनके स्टॉल के पास ढक्कनदार कूड़ेदान अनिवार्य रुप से स्थापित कराने के निर्देश दिए।

सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने सुझाव दिया कि कोई भी खाद्य प्रतिष्ठान खुले में मांस से तैयार व्यंजन का प्रदर्शन न करें और न ही खुले में पकायें। इस पर डीएम द्वारा सुझाव के संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए। व्यापार मंडल प्रतिनिधि अभिषेक अग्रवाल ने जनपद के आवासीय विद्यालयों में आपूर्ति हुए खाद्य पदार्थ के भंडारण की व्यवस्था के लिए वायुरोधी आधानों का प्रयोग करने का सुझाव दिया। नगरपालिका ईओ के प्रतिनिधि को पालिका द्वारा घरों में सप्लाई किए जा रहे पानी की नियमित अंतराल पर जांच के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि जनपद में 239 एल्कोहोलिक बैवरेज की दुकानों द्वारा खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस प्राप्त कर लिया गया है। डीएम ने जिला आबकारी अधिकारी को अल्कोहॉलिक बेवरेजेज की शेष दुकानों को लाइसेंस से देने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, प्रभारी सहायक आयुक्त खाद्य स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव, जिला आबकारी अधिकारी कल्पनाथ रजक आदि मौजूद रहे।

शहर में आज

- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- स्मार्ट मीटर के संबंध में पावर कॉरपोरेशन के एक्सईएन संग व्यापारियों की बैठक शाम 04 बजे।
- यूपी बोर्ड हाईस्कूल इंटरमीडिएट की प्री-बोर्ड परीक्षा सुबह 10 बजे से।
- निर्मल होटल में शहर के मेधावी द्वारा लिखी गई पुस्तक का विमोचन दोपहर 02 बजे।
- सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा मुहिम के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के शिविर सुबह 10 बजे से।

नकली कफ सिरप की फैक्ट्री चलाने वाला युवक गिरफ्तार

स्थानीय लोगों की सूचना पर सोमवार रात युवक को घर से किया था गिरफ्तार, 375 शीशियां और तैयार करने का पूरा सामान बरामद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : थाना घुंघचाई पुलिस ने नकली कफ सिरप तैयार कर जिले में युवाओं को बेचने वाले झोलाछाप कंपाउंडर सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर 375 शीशियां और तैयार करने का पूरा सामान बरामद किया। आरोपी दो साल से फर्जी क्लीनिक की आड़ में यह धंधा चला रहा था और टोपेक्स गोल्ड व क्योरेक्स-टी जैसे ब्रांड के नाम से बिक्री कर रहा था। जबकि पूर्णतया फर्जी है। पुलिस ने पूछताछ करने के बाद आरोपी का चालान कर उसे जेल भेज दिया है।

नकली कफ सिरप बनाने वाले आरोपी की जानकारी देते एएसपी विक्रम दहिया।

- **दो साल से कर रहा था कारोबार, मेडिकल और नशा करने वालों को करता सप्लाई**

पूरनपुर क्षेत्र में एक युवक नशे के सिरप बनाने की सूचना पुलिस को मिली थी। बताया गया था कि युवक शाहजहांपुर जिले के थाना खुटार के मुरगांव गांव में नकली कफ सिरप बनाकर मेडिकल और नशा करने वाले युवकों को बेचता था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सोमवार रात सीओ पूरनपुर प्रतीक दहिया, घुंघचाई इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह ने पुलिस टीम के साथ पूरनपुर थाना क्षेत्र के लाहा गांव निवासी आरोपी सुरेश कुमार को उसके घर से गिरफ्तार किया। जब उसे कोडीन युक्त सिरप को लेकर पूछताछ की गई। तो उसने पुलिस की पूछताछ में नकली कफ सिरप बनाने की बात स्वीकार की।

आरोपी के कब्जे से 340 बोतल टोपेक्स गोल्ड और 35 बोतल क्योरेक्स-टी समेत सिरप की कुल 375 शीशियां बरामद की। कफ सिरप बनाने से संबंधित सामग्री, पांच पैकेट में 488 नई खाली शीशियां (बिना ढक्कन), 110 रैपर, 1939 ढक्कन, 03 स्प्रिट से भरी शीशियां, ऑरेंज फ्लेवर नंबर-एक, एक छोटा गैस सिलिंडर और एक बाइक बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सुरेश कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई। मंगलवार को एएसपी विक्रम दाहिया ने प्रेसवार्ता कर घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुनाफे के लालच में उसने दो साल पहले खुटार के मुरगांव गांव में फर्जी

> युवक के द्वारा नकली कफ सीरप बनाकर बाजार में बेचा जा रहा था। युवक के पास बड़ी मात्रा में नकली कफ सिरप बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। साथ ही इस धंधे में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। - **विक्रम दाहिया**, एएसपी।

यूट्यूब बना नकली कफ सिरप का गुरु

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **कंपाउंडर से नशे का सौदागर बना गया सुरेश**

अमृत विचार : यूट्यूब से सीखी गई तकनीक, घर में लगी फैक्ट्री और बाजार में खपाया गया नशे का जहरथाना घुंघचाई पुलिस की कार्रवाई ने ऐसे खतरनाक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जो युवाओं की जिंदगी से खेल रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप से मौतों के बाद औषधि विभाग की कथित सख्ती के बावजूद यह अवैध धंधा खुलेआम चलता रहा। मगर विभागीय जिम्मेदार बेखबर रहे।

जिले में नकली और नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर पुलिस ने बड़ी चोट की है। थाना घुंघचाई पुलिस ने घर में चल रही नकली कफ सिरप फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए सुरेश कुमार (41) निवासी लाह, थाना पूरनपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में नकली कफ सीरप बरामद हुए हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने वर्ष 2003 में सिटी अस्पताल पीलीभीत में कंपाउडर के रूप में काम किया था।

अस्पताल का अनुभव मिलने के बाद उसने गांव लौटकर छोटा क्लीनिक खोला और बाद में शाहजहांपुर जिले तक अपना दायरा बढ़ा। करीब दो साल पहले उसने यूट्यूब पर वीडियो देखकर नकली कफ सिरप बनाने की तकनीक सीखी और अपने घर को ही मिनी फैक्ट्री में बदल दिया। कोडीन युक्त कफ सिरप की बिक्री बंद होने के बाद आरोपी ने टॉप्स गोल्ड और क्यूरेक्स टी जैसे ब्रांडों के नकली रैपर छपवाए। स्प्रिट, ऑरेंज फ्लेवर, सिरप और चीनी के घोल से ऐसा नकली सिरप तैयार किया जाता था, जिसका स्वाद असली जैसा लगे। बरेली से खाली शीशियां और ढक्कन लगाकर लेमिनेशन पैकिंग की जाती थी, ताकि शक की गुंजाइश न रहे। कम लागत, मोटा मुनाफा- यही धंधे की असली ताकत थी। 10 शीशियां बनाने में जहां 75 से 80 रुपये खर्च होते थे, वहीं माल 600 से 800 रुपये में बिकता था। आरोपी एक बार में करीब 350 शीशियां तैयार करता और गांव-कस्बों में नशेड़ियों को 80 से 100 रुपये प्रति शीशी के हिसाब से बेचता था।

क्लीनिक की आड़ में नकली कफ सिरप बनाना शुरू किया।

कोडीन युक्त सिरप की बिक्री बंद होने के बाद उसने ब्रांडेड नामों से नकली सिरप तैयार करना शुरू किया। ऑरेंज फ्लेवर और थोड़ी मात्रा में असली सिरप मिलाकर यह कफ सिरप तैयार किया जाता था। आरोपी ने बताया कि एक 200 एमएल शीशी तैयार करने में 75 से 80 रुपये खर्च आते थे, जबकि बाजार में इसे महंगे दामों पर बेचा जाता था। पुलिस ने कहा कि इस धंधे में शामिल अन्य सहयोगियों को भी जल्द चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

औषधि विभाग की सख्ती सिर्फ कागजों में?

यह मामला औषधि विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप से हुई मौतों के बाद विभाग ने व्यापक छापेमारी और कार्रवाई के दावे किए थे, लेकिन इसके बावजूद पीलीभीत में एक घर के भीतर नकली कफ सिरप की फैक्ट्री लंबे समय तक चलती रही। न लाइसेंस की जांच हुई, न सप्लाई चेन पर निगरानी-नतीजा, नशे का जहर बेरोकटोक फैलता रहा। जबकि औषधि विभाग बरेली में हुई छापेमारी के आधार पर बरखेड़ा के सिर्फ एक मेडिकल कारोबारी पर कार्रवाई तक की सीमित रह गई। जबकि अन्य जगह धंधा चलता रहा। मगर विभाग में निरीक्षण की रिपोर्ट में बनाकर भेजता रहा। मगर इस खुलासे ने औषधि विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी। उधर, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी द्वारा बताए गए मेडिकल स्टोरों, सप्लायरों और नशेड़ियों के नेटवर्क की जांच की जा रही है। ताकि इसकी परतें खोल सकें।

न्यूज ब्रीफ

गायत्री महायज्ञ में दूसरे दिन भी हुआ पूजन

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बे के वार्ड नंबर चार मोहल्ला कुंदनपुर में गायत्री परिवार के तत्वाधान में चल रहे पांच दिवसीय पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को सुबह नौ बजे से गायत्री महायज्ञ एवं देव शक्तियों का पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके उपरांत गायत्री परिवार के टोली नायक श्रीराम आचार्य ने प्रज्ञा पुराण कथा सुनाई। उन्होंने कथा में कहा कि सत्संग सुनने से न जाने कितने लोगों का कल्याण हो सकता है। सत्संग महामानव से मानव बना सकता है। इससे संत तुलसीदास सहित न जाने कितने लोगों का जीवन धन्य हो गया। इस दौरान गायत्री परिवार की टोली सहायक रविंद्र, नाल वादक पुष्पेंद्र, झाझनलाल, बुद्धसेन आदि रहे।

रंजिश में युवक पर धारदार हथियार से हमला

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो लोगों ने धारदार हथियार से प्रहार कर युवक को घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौसर हरदोपट्टी निवासी कादिर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के ही दो युवकों ने उस समय घेर लिया जब वह पेट्रोल पंप के सामने से जा रहा था। दोनों युवकों ने उसके साथ मारपीट की और धारदार हथियार से प्रहार कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। घायल ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बिना अनुमति चर्च का निर्माण कराने पर तीन लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अमरिया पुलिस ने सूचना मिलने पर की कार्रवाई**

अमृत विचार: नवदिया जिठनिया गांव में कुछ लोगों द्वारा बिना अनुमति चर्च का निर्माण कराया जा रहा था। शिकायत मिलनेपर पुलिस ने पूर्व में काम रुकवाया, लेकिन आरोपियों ने दोबारा काम शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

17 जनवरी को अमरिया पुलिस को ग्राम तिरकुनिया नसीर के निवासी सरजीत सिंह पुत्र हरवंश सिंह ने तहरीर देकर बताया कि ग्राम नवदिया जिठनिया में भूड़ा इसाई कॉलोनी निवासी मुन्ना मसीह, नवदिया जिठनिया निवासी जमुना प्रसाद, उधमसिंह नगर उत्तराखंड के थाना खटीमा क्षेत्र के ग्राम उलधन निवासी अर्जुन सिंह द्वारा अवैध रूप से चर्च का निर्माण कराया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की। विवेचना के दौरान गांव में कराए जा रहे निर्माण कार्य को रोका। इसके लिए नोटिस भी दिए गए। मगर, आरोपियों ने दोबारा से काम शुरू करा दिया। पुलिस ने आरोपियों से अनुमति दिखाने को कहा ति कुछ नहीं दे सके। सिर्फ ट्रस्ट के नाम से भूमि के कागजात दे सके। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। चालान कर कोर्ट में पेश कर दिया है।

दरोगा पर हमला करने वाले प्रधानपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **महिला प्रधान बोली- वसूली करते हुए वीडियो बनाने पर गुस्साए दरोगा और हो गई मारपीट**

अमृत विचार : दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र में दरोगा पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने प्रधानपति विमल मिश्रा को दूसरे दिन चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है। पति के जेल भेजे जाने के बाद महिला ग्राम प्रधान ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। प्रधान ने झगड़े के पीछे सुविधा शुल्क वसूलने के दौरान बनाए गए वीडियो से नाराज होने का तर्क दिया। पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव मुडिया भगवंतपुर में सरकारी कार्य से पहुंचे दरोगा अखिलेश चौहान, शंकरलाल पर प्रधानपति विमल मिश्रा ने अपने साथियों संग मिलकर हमला कर दिया था। जिसमें दरोगा घायल हो गए थे। इस मामले में दरोगा शंकरलाल की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

पुलिस ने तीन नामजद और सात अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दबिशें दी। सोमवार रात प्रधानपति को तकिया मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है। इधर, पति को जेल भेजे जाने के बाद प्रधान सोनी मिश्रा ने संबंधित पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके पास दरोगा द्वारा वसूली करते हुए बनाए गए वीडियो और ऑडियो प्रमाण मौजूद थे। इसी साक्ष्य को हटवाने या डिलीट कराने के प्रयास करने के लिए दरोगा उनके घर आए थे। दरोगा ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और धमकाया। उनके पति विमल मिश्रा मौके पर पहुंचे तो उनके साथ मारपीट की गई थी। इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग अधिकारियों से की है। एसओ दियोरियाकलां गौतम सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पीएम श्री विद्यालयों को 30 लाख से मिलेंगी नई बेंच-डेस्क

संवाददाता, पीलीभीत

- **16 पीएम श्री विद्यालयों से हटाया जाएगा पुराना फर्नीचर**

अमृत विचार : जिले के 16 पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। इन विद्यालयों में बच्चों के बैठने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई थ्री-सीटर बेंच और डेस्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इस योजना के लिए शासन की ओर से 30 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने बताया कि राज्य परियोजना निदेशक एवं महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश पर फर्नीचर खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के तहत चयनित विद्यालयों में पुराने और जर्जर फर्नीचर को हटाकर उच्च गुणवत्ता वाला नया फर्नीचर लगाया जाएगा। इससे बच्चों को बैठने में सहूलियत मिलेगी और पढ़ाई के माहौल में भी सुधार होगा।

उन्होंने बताया कि फर्नीचर की खरीद पूरी तरह पारदर्शी तरीके से की जाएगी। इसके लिए ई-टेंडरिंग अथवा निर्धारित पोर्टल के माध्यम से सभी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द फर्नीचर उपलब्ध कराकर बच्चों को इसका लाभ दिया जा सके।

मुकदमा वापस नहीं लेने की रंजिश में की मारपीट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने का भी लगाया आरोप**
- **थाना गजरौला में तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार : मुकदमे की तारीख लेने आ रहे बाइक सवार को दूसरे पक्ष के लोगों ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह गिर गया। इसके बाद आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए मुकदमा वापसी लेने के लिए उसकी पिटाई कर दी। इस मामले में गजरौला पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम कनपुरी निवासी रामबाबू पुत्र राम भरोसे लाल ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि19 जनवरी को वह अपने घर से तारीख लेने के लिए कोर्ट में आ रहे थे। तभी रास्ते में थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम कैच के समीप गांव के ही सर्वेश कुमार, नेमचंद और सर्वेश का साला निवासी ग्राम महदिया थाना गजरौला ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गया। इसके बाद आरोपियों ने बाइक से उतरकर उसके साथ गाली गलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग आ गए। जिन्होंने उसको बचाया। आरोपियों ने मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी और दो लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंदर से बचने में सीढ़ी से गिरी महिला

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना जहानाबाद के गांव उझैनिया रम्पुरा निवासी हीराकाली 40 वर्षीय पत्नी नन्हेंलाल मंगलवार को छत पर कपड़े सुखाने के लिए डालने गई थी। विवाहिता छत पर कपड़े फैला रही थी। उसी दौरान बंदर उसके ऊपर दौड़ पड़ा। महिला बंदर से बचने के लिए छत से लकड़ी की सीढ़ी से नीचे तेजी से उतरने लगी। उसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नीचे जा गिरी। जिससे वह घायल हो गई। शोर होने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे बरखेड़ा सीएचसी लाए। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इसके अलावा थाना क्षेत्र के गांव कल्यानपुर निवासी 72 वर्षीय द्वारिका प्रसाद पुत्र चेतराम मंगलवार को दोपहर के समय घर में बैठकर खाना खा रहे थे। उसी दौरान अचानक बंदर ने आकर उन पर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गए। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

110 वन अफसरों और कर्मियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में लगे ग्रीन सोल्जर्स की सेहत का ख्याल रखने के उद्देश्य से पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय पर वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ से आई विशेषज्ञों की टीम ने टाइगर रिजर्व समेत वन एवं वन्यजीव प्रभाग के अफसरों एवं वनकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श दिया।

पीटीआर मुख्यालय में शिविर में वनकर्मियों को स्वास्थ्य परीक्षण करतीं मेदांता की टीम।

स्वास्थ्य शिविर के दौरान जांच कराते मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह। ● अमृत विचार

- **पीटीआर में लगे स्वास्थ्य शिविर में मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ से आई डाक्टरों ने टीम**

पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय पर मंगलवार को मेदांता ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स लखनऊ के सहयोग से आयोजित हुए स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ मुख्य वन संरक्षक पिनाकी प्रसाद सिंह ने फीता काटकर किया।

इस दौरान उन्होंने अफसरों व कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता का संदेश देते हुए स्वयं का भी बीएमडी टेस्ट करवाया। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में काम करने वाले वन कर्मियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है।

शिविर में पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं वन एवं वन्यजीव प्रभाग के वन अफसरों एवं वनकर्मियों ने पहुंचकर डाक्टरों की टीम से स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जांच के दौरान फील्ड में सक्रिय रहने वाले अधिकांश वन कर्मी ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी बीमारियों से ग्रसित पाए गए।

डॉक्टरों ने उन्हें खानपान में सुधार और तनाव प्रबंधन के टिप्स दिए। शिविर में वनकर्मियों के परिजनों ने भी भाग लिया।

शाम तक चले इस शिविर में डॉक्टरों की टीम द्वारा दोनों प्रभागों के करीब 110 अफसरों एवं वनकर्मियों का परीक्षण किया गया। मेदांता लखनऊ की विशेषज्ञ मेडिकल टीम में डॉ. हिमांशु शेखर पांडेय, कुमार सौरभ, तेजस्व दीक्षित, अलका सिंह और नम्रता शुक्ल आदि शामिल रहे।

शिविर के दौरान वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, क्षेत्रीय वनाधिकारी महोफ सहेंद्र कुमार यादव, बराही से अरुण मोहन श्रीवास्तव, माला रेंज से रॉबिन सिंह समेत अन्य वन अफसर एवं वनकर्मी मौजूद रहे।

गोशाला में मृत गोवंश देख भड़की योगी सेना

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : विकासखंड के राजूपुर कुंडरी स्थित गौशाला में मरे और बीमार पड़े गोवंश को देखकर राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि गोशाला में गोवंश की देखभाल के नाम पर खानापूरी की जा रही है। संगठन ने ग्राम प्रधान और केयरटेकर पर कार्रवाई की मांग की। गोशाला के हालात देखकर एसडीएम ने प्रधान और केयरटेकर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।साथ ही एसडीएम ने जिलाधिकारी को गोशाला सचिव और पशु चिकित्सक के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने की संस्तुति भी भेजी।

मौके पर जानकारी करते एसडीएम नागेंद्र पांडे व अन्य। ● अमृत विचार

विकास खंड क्षेत्र के ग्राम राजूपुर कुंडरी स्थित गौशाला में गोवंशों की मृत्यु और घायल पशुओं की स्थिति सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद राष्ट्रीय योगी सेना के दर्जनभर से अधिक कार्यकर्ता मंगलवार को मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि गौशाला में 10 से अधिक गोवंश मृत पड़े थे और करीब एक दर्जन घायल पशु थे, जिन पर पक्षी और कुत्ते मंडरा रहे थे। यह देखकर योगी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हंगामा करते हुए कार्यकर्ताओं ने गौशाला गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पाकर एसडीएम नागेंद्र पांडे, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला और कार्यवाहक पशु चिकित्सक डॉ. अमित कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया तो स्थिति दयनीय मिली। इस पर टीम लगाकर मृत पशुओं के शव को दफन कराया जा रहा है।

इधर, गोशाला में चल रही लापरवाही और धांधली को लेकर योगी सेना ने केयरटेकर और ग्राम प्रधान पर कार्रवाई की मांग की। इस पर एसडीएम नागेंद्र पांडे ने केयरटेकर और ग्राम प्रधान पति शमशुल हसन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए। लापरवाही को लेकर एसडीएम ने संबंधित गोशाला सचिव और पशु चिकित्सक के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की संस्तुति भी जिलाधिकारी से की है। इस दौरान योगी सेना के गौरव राजपूत, हिमांशु मिश्रा, आदित्य मिश्रा, मुकुल कुमार, गौरव वर्मा, मनोज कुमार, पंकज, अजय श्रीवास्तव, आकाश राजपूत, देव जायसवाल मौजूद रहे। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि उच्चाधिकारियों ने रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। प्रधान पति शमशुल हसन को हिरासत में ले लिया गया है। जल्द ही रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

- **एसडीएम ने प्रधान और केयरटेकर पर रिपोर्ट दर्ज करने के दिए निर्देश**

वन विभाग को नहीं मिल रही तेंदुआ की लोकेशन

संवाददाता, पीलीभीत/बरखेड़ा

- **ग्रामीण बोले-गांव के नजदीक ही डेरा जमाए है**
- **दो दिन पूर्व सिंचाई करने गए दंपती को दिखा था**

अमृत विचार: बर्रा मऊ गांव में डेरा जमाए तेंदुआ सवा महीना बीतने के बाद भी वन महकमे की पकड़ से बाहर हैं। वन महकमे द्वारा करीब सप्ताह भर से तेंदुआ की कोई लोकेशन न मिलने की बात कहीं जा रही है। वहीं ग्रामीण तेंदुआ के लगातार गांव के आसपास ही मंडराने का दावा कर रहे हैं। दो दिन पूर्व खेत में सिंचाई करने गए दंपत्ति ने भी तेंदुआ देखे जाने की जानकारी ग्रामीणों को दी थी। फिलहाल वन महकमा अभी भी क्षेत्र में पिंजड़े का सक्रिय रखने के साथ निगरानी में जुटा हुआ है।

बर्रा मऊ गांव के नजदीक तेंदुआ को पकड़ने के लिए लगा पिंजड़ा। ● अमृत विचार

बीसलपुर रेंज के अंतर्गत बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बर्रा मऊ में बीते माह एक तेंदुआ आ पहुंचा था। तब से तेंदुआ गांव के नजदीक ही एक युकेलिप्टिस के बाग और उससे सटे गन्ने के खेतों में डेरा जमाए था। तेंदुआ की बढ़ी सक्रियता को देखते हुए शासन के निर्देशानुसार उसे पकड़ने के लिए वन एवं वन्यजीव प्रभाग की स्थानीय रेंज द्वारा पिंजरा लगाया गया। लगातार 24 घंटे निगरानी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया। इस दौरान तेंदुआ ने गांव में घुसकर कुत्तों के बच्चों को भी निवाला बनाया।

बताते हैं कि इस बीच तेंदुआ करीब तीन बार पिंजड़े के ईदर्गिद भी पहुंचा, मगर वापस चला गया। पिछले दिनों खेतों की रखवाली करने गए किसानों ने खेत में घूमते तेंदुआ को देखा था। हालांकि निगरानी टीम को इस दौरान एक बार भी तेंदुआ नहीं दिखा। ग्रामीणों द्वारा लगातार तेंदुआ दिखाई दिए जाने की सूचनाओं के बाद प्रभाग की ओर से यूकेलिप्टस के बाग में खड़ी जंगल-झाड़ियों की सफाई भी करवाई गई। दो दिन पूर्व गांव निवासी एक दंपत्ति खेत में सिंचाई करने गए थे। उन्होंने भी खेत में तेंदुआ देखे जाने की बात ग्रामीणों को बताई थी। इधर सोमवार देर रात भी खेतों में तेंदुआ के गुर्राने का शोर मचा था।

हालांकि वन महकमा पिछले करीब सप्ताह भर से तेंदुआ की कोई लोकेशन न मिलने की बात कह रहा है। फिलहाल महकमा लोकेशन न मिलने के बावजूद अभी तक पिंजड़े को सक्रिय रखने के साथ लगातार निगरानी में जुटा हुआ है। इस संबंध में क्षेत्रीय वनाधिकारी रोहित जोशी ने बताया कि तेंदुआ की पिछले करीब सप्ताह भर से कोई लोकेशन नहीं मिली है। सुरक्षा की दृष्टि से टीमों को निगरानी करने को कहा गया है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

मिनी बस-ट्रक टकराए, एक की मौत, 9 घायल

असम हाईवे पर थाना गजरौला क्षेत्र में गढ़ा जंगल के पास ओवरटेक करते समय हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

हादसे में क्षतिग्रस्त मिनी बस।

जिला अस्पताल में भर्ती मिनी बस में सवार घायल। ● अमृत विचार

चालक चित्राओली।

- हिमाचल से मजदूरों के लिए लेकर नेपाल जा रही थी मिनी बस

हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस टीम ने घायलों को निकाल कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक युवक की मौत हुई है। जोकि नेपाल का नागरिक है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। -ब्रजवीर सिंह एसओ गजरौला।

अमृत विचार : असम हाईवे पर थाना गजरौला क्षेत्र के गढ़ा जंगल के पास मंगलवार सुबह ओवरटेक के दौरान मिनी बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बस सवार एक नेपाली मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक सहित नौ लोग घायल हो गए। मिनी बस हिमाचल प्रदेश से नेपाली मजदूरों को लेकर नेपाल जा रही थी। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई और यातायात प्रभावित हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। इधर, शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

हादसा मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे के आसपास हुआ। थाना गजरौला कला क्षेत्र के गढ़ा जंगल स्थित बिजली घर मोड़ के पास पीलीभीत की ओर से आ रही मिनी बस ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे धान से भरे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस अनियंत्रित होकर पलटने से बाल-बाल बची। हादसे में बस में सवार नेपाली नागरिक पदम बहादुर खत्री (40) की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पत्नी गौरी खत्री भी बस में सवार थी। जो घायल हो गई। इनके अलावा घायलों में ड्राइवर (निवासी चित्राओली, हिमाचल प्रदेश), निर्मल शाही पत्नी देवकी शाही, गौरी खत्री पत्नी पदम बहादुर खत्री, सीता पत्नी वीर बहादुर, राधिका पत्नी बादल और बच्ची सोनिक पुत्री बादल शामिल हैं। हादसे में एक बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि पति-पत्नी और एक बच्चा सुरक्षित बताए गए हैं।सभी नेपाल के जाजरकोट (थाना सिलिंगी) के निवासी है। सभी हिमाचल से मजदूरी कर वापस आ रहे थे। सूचना मिलने पर थाना गजरौला कला पुलिस मौके पर पहुंची।

थाना प्रभारी बृजवीर सिंह ने पुलिस व लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां सभी का इलाज किया जा रहा है।

मिनी बस का चालक खो बैठा संतुलन

हादसे में मरने वाला युवक नेपाल का रहने वाला है। इस मिनी बस में करीब 12 से अधिक लोग सवार थे। यह सभी नेपाल के जाजरकोट थाना सिलिंगी के रहने वाले हैं। यह हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। जहां से अवकाश पर सब एकत्र होकर घर जा रहे थे। मिनी बस का चालक चित्राओली हिमाचल प्रदेश का रहने वाला है। सभी हंसी खुशी घर की ओर से बढ़ रहे थे। धान से लदे ट्रक को ओवरटेक करने के चलते चालक संतुलन खो बैठा था। जिस वजह से बस टकरा गई। बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने इस मामले में चालक से जानकारी जुटाई है।

हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को हटाकर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सुचारू कराया। ट्रक चालक को हिरासत में लिया है।

छात्र-छात्राओं ने किया शैक्षिक भ्रमण

बिलसंडा, अमृत विचार : पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बमरौली के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें डॉ. गंगाराम मेमोरियल इंटर कॉलेज बिलसंडा भेजा गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत सेवानिवृत प्रधानाध्यापक राजेश सिंह ने बच्चों की बस को हरी झंडी दिखाकर की।

इंटर कॉलेज पहुंचने पर प्रबंधक सीताराम राठौर ने बच्चों और स्टाफ का स्वागत किया। बच्चों ने मॉर्निंग असेंबली, कक्षा शिक्षण और स्मार्ट क्लास सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और शिक्षक-छात्र संवाद में भाग लिया। शिक्षक रंजीत राठौर ने रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में अम्ल-क्षार, पीएच स्केल आदि प्रयोग कराए। शिक्षक विकास शर्मा ने भौतिक विज्ञान से संबंधित प्रयोग कराते हुए बच्चों से सवाल-जवाब भी किए। शिक्षक विपुल गुप्ता ने छात्रों को स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब का भ्रमण कराया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधक ने सभी छात्रों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया।

समूहों को योजनाओं से लाभान्वित कराने के निर्देश

संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम ने ग्रामीण आजीविका मिशन के सफल क्रियान्वयन को लेकर की समीक्षा

अमृत विचारः डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला आजीविका मिशन-क्रियान्वयन/अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। मंगलवार को गांधी सभागार में हुई बैठक में डीएम ने उत्पादक समूह की प्रगति, लखपति महिला कार्यक्रम में आजीविका रजिस्टर पर फीडिंग, प्रपोजल रिवॉल्विंग फंड रिपोर्ट, जीरो पावर्टी के अंतर्गत चिन्हित परिवारों समूहों में जोड़ने एवं ग्राम संगठन में समूहों के मैपिंग की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने उपायुक्त स्वतः रोजगार को लखपति दीदियों को योजनाओं का लाभ दिलाने एवं विभिन्न विभागों से अभिसरण के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कहा कि समूहों को पशुपालन विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण सहित अन्य विभागों में संचालित योजनाओं का लाभ दिया जाये। सभी नगर पालिकाओं एवं तहसीलों में मॉडल प्रेरणा कैंटीन के लिए स्थल का चयन किया जाये। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मवेशियों को खुरपका-मुंहपका से बचाने को होगा टीकाकरण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद में 22 से शुरू होगा टीकाकरण अभियान
- 3 लाख दुधारू पशुओं का कराया जाएगा टीकाकरण

शासन के निर्देशानुसार जनपद में 22 जनवरी से खुरपका एवं मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान को लेकर सभी पशु चिकित्सालयों में वैक्सीन पहुंचा दी गई है। गुरुवार से टीमें घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेगी। -डॉ. पीके त्यागी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

अमृत विचारः सर्दी और मौसम परिवर्तन के समय दुधारू पशुओं में खुरपका और मुंहपका बीमारी फैलना शुरू होती है। विषाणु जनित यह रोग आसानी से एक पशु से दूसरे में पहुंच जाता है। उपचार न मिलने पर पशु की मौत भी हो जाती है। ऐसे में अब पशुपालन विभाग दुधारू पशुओं को खुरपका मुंहपका रोग से बचाने के लिए 22 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू करने जा रहा है। इसको लेकर वैक्सीन भी जनपद को मिल चुकी है। अभियान को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

जनपद में खुरपका और मुंहपका बीमारी पशुओं में फैलना शुरू हो गई है। इस बीमारी को मुंहपका, खुरपका, चपका, खुरपा आदि नाम से भी जाना जाता हैं। यह रोग विशेष रूप से गोवंश एवं भैंस वंशी पशुओं को प्रभावित करता है। जिससे उनके खुरों और मुंह में घाव हो जाते हैं, दुग्ध उत्पादन में भारी गिरावट आती है और कई बार पशु की मृत्यु तक हो जाती है।

इधर खुरपका और मुंहपका रोग से बचाव के लिए पशुपालन विभाग की ओर से जनपद में 22 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। 10 मार्च तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जनपद में करीब 03 लाख दुधारू पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। पशुओं को बीमारी से बचाने के लिए जनपद को वैक्सीन भी उपलब्ध करा दी गई है। जो मुख्यालय स्तर से सभी 16 पशु चिकित्सालयों को भेजी जा चुकी है। टीकाकरण को पूरा करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक पर टीमें बना दी गई है। जो घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेगी।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पीके त्यागी के मुताबिक खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। उन्होंने पशु पालकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय अथवा पशु सेवा केंद्र से संपर्क बनाए रखें। प्रत्येक गांव में तैनात टीकाकरण कर्मियों का नाम, मोबाइल नंबर और टीकाकरण की तिथि की जानकारी समय रहते प्राप्त कर लें। यदि किसी कारणवश किसी पशु का टीकाकरण नहीं हो पाता है, तो संबंधित पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर अपने गांव में टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें।

मुख्य लक्षण

- प्रभावित होने वाले पैर को झाड़ना (पटकना)
- पैरो में सूजन (खुर के आस-पास)
- अल्प अवधि का बुखार
- खुर में घाव होना एवं घावों में कीड़ा हो जाना
- मुँह से लार गिरना
- जीभ, मसूड़े, ओष्ट आदि पर छाले पड़ जाना।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल •CARE FOR SURE•
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

सड़क हादसे में मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के गुप्ता कॉलोनी निवासी सीमा राय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति 27 दिसंबर को बरेली से ड्यूटी करके अपने घर स्कूटी से वापस आ रहे थे। जैसे ही वह शाम सात बजे पीलीभीत टनकपुर मार्ग पर ग्राम पिपरिया आगरु के समीप पहुंचे। तभी मझोला की ओर से आए अज्ञात वाहन के चालक ने तेजी और लापरवाही से चलाकर उसके पति की स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे उसके पति घायल हो गए। उसके पति की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आयुष्मान में संविदा कर्मी की सेवा समाप्त करने का आदेश जारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सीएमओ ने डीएम को भेजी थी फाइल, संस्तुति पर कार्रवाई
- नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का था आरोप

संविदा कर्मी अरुण की तमाम शिकायत मिलने के पर जिलाधिकारी और पुलिस को पत्र लिखा गया। इसमें डीएम ने अरुण की सेवा समाप्त करने के लिए संस्तुति कर दी गई है। पत्र लिख दिया गया है। यदि कोई भी कर्मचारी लोगों से किसी भी प्रकार की ठगी या अन्य कोई शिकायत आती है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। -डॉ. आलोक कुमार, सीएमओ।

अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय में आयुष्मान पटल संभाले रहे एक संविदा कर्मी ने लोगों को नौकरी दिलाने और दवाओं की सप्लाई काम दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले कर्मचारी की डीएम की संस्तुति पर सेवा समाप्त कर दी गई है। साथ विभाग में दी गई सप्लाई की जांच चल रही है। अगर गड़बड़ी पाई गई। तो विभाग की ओर से एक और कार्रवाई उसके खिलाफ तय है।

सीएमओ कार्यालय में कार्यरत संविदा कर्मचारी अरुण कुमार मौर्या के खिलाफ निरंजन कुंज कॉलोनी में रहने वाले सुमित सक्सेना के अलावा कई अन्य कर्मचारी और लोगों ने पुलिस और विभागीय अफसरों को अपनी शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें कहा गया है कि अरुण कुमार मौर्या ने उनसे घरेलू परेशानी का हवाला देते हुए 3.29 लाख रुपये लिए थे। जो आज तक वापस नहीं कर रहा है। इतना ही नहीं सीएमओ कार्यालय के एक लिपिक, अन्य कर्मचारी, बेसिक शिक्षा, टीबी अस्पताल समेत विभिन्न लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका है।

इसके अलावा बरेली जिले के गांव सुंदरनगर निवासी रामगौरव से भी कंप्यूटर ऑपरेटर से भी 35 हजार रुपये की ठगी करने का आरोप है। जिसकी शिकायतें पुलिस अफसरों से लेकर शासन तक शिकायतें हो चुकी है। सीएमओ कार्यालय के कई कर्मचारियों से ठगी का मामला सामने आने के बाद सीएमओ डॉ. आलोक कुमार की ओर से उनकी संविदा समाप्त करने के लिए डीएम को पत्र भेजा था। इस प्रकरण में अवलोकन करने के बाद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने आरोपी अरुण कुमार मौर्या की सेवा समाप्त की संस्तुति कर दी है। जिसके बाद सीएमओ डा. आलोक कुमार ने पत्र लिखकर सेवा समाप्त कर दी है।

प्रशिक्षण में किसानों दी कई जानकारियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को जानकारी देते अधिकारी व कृषि वैज्ञानिक।

- डीएचई ने किसानों को विभिन्न योजनाओं और अनुदान के बारे में बताया

अमृत विचारः उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला उद्यान अधिकारी द्वारा विभिन्न योजनाओं और उन पर मिलने वाले अनुदान के संबंध में जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों में होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के बारे में बताया गया।

जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय परिसर में मंगलवार से हुए कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह ने विभाग में संचालित योजनाओं एवं मसाला के अंतर्गत हल्दी, मिर्च, लहसुन की खेती से संबंधित सरकार द्वारा अनुमन्य अनुदान के बारे में जानकारी दी। पाली हाउस एवं नेट हाउस में हाई वॉल्यूम कलर्ड शिमला मिर्च, जरवेरा, कारनेशन की खेती के लिए नवयुवक बेरोजगारों आदि के आर्थिक दृष्टिकोण से प्रमुख व्यवसाय के रूप में जानकारी दी गई। फसलों में सिंचाई के लिए ड्रिप एवं फव्वारा का सहयोग प्राप्त कर कम व्यय में अधिक लाभ प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।

बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजनान्तर्गत लघु उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इकाई लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख धनराशि बैंक के माध्यम से लोन की व्यवस्था है। इस कार्य के सहयोग के लिए डिस्ट्रिक रिसोर्स परसन को तैनात किया है। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका ने किसानों को शाकभाजी फसलों में होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी जानकारी साझा की गई।

डॉ. सौरभ तोमर ने आम, अमरूद आदि फलों की बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण में 40 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. दीपक कुमार, एडीओ दुर्गपाल मौर्य, एससीडीआई रामभद्र द्विवेदी, उद्यान निरीक्षक फूल कुमार, सहायक उद्यान निरीक्षक रामेश्वर दयाल, मार्कण्डेय सिंह, हरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

यातायात नियम पालन को जागरूक हों युवा

पीलीभीत, अमृत विचारः डिवाइन कॉलेज में सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी डॉ. हरचरन लाल के निर्देशन में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मध्य सड़क सुरक्षा के लिए जागरुकता उत्पन्न करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुरक्षित वाहन चलाने में युवाओं की भूमिका विषय पर भाषण, सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित रील बनाना और लघु नाटिका प्रस्तुतीकरण आदि प्रतियोगिताएं कराई गईं। प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार जायसवाल ने बताया कि दुर्घटनाएं गम्भीर समस्या बन चुकी हैं, हर साल हजारों लोग लापरवाही से वाहन चलाने के कारण प्राण गंवा देते हैं जिनमें अधिक संख्या युवाओं की होती है। यह कहना गलत न होगा कि यदि युवा जागरूक हो जाएं, तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। युवावर्ग सबसे ऊर्जावान शक्ति है।

मिट्टी की दीवार गिरने से युवक की मौत, मां घायल

अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही घायल मां, 25 फरवरी को तिलक और 26 को होनी थी सरजीत की शादी

संवाददाता, बिजुआ

अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र में के गांव पकरिया सलिहा के मजरा सलिहा में मंगलवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर ढहने से उसके मलबे के नीचे दबकर एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई और उसका एक पैर भी टूट गया। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सरजीत गौतम।

हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। गांव सलिहा निवासी मीना पत्नी बनवारी गौतम देवी मंगलवार की सुबह मिट्टी से बनी कच्ची दीवार के किनारे अपने पुत्र सरजीत गौतम (22) के साथ बैठी थी। वहीं पति बनवारी किसी काम से पड़रिया तुला कस्बा की बाजार गए हुए थे। तभी अचानक से कच्ची दीवार मां-बेटे के ऊपर भरभरा कर गिर गई, जिससे मीना देवी व सरजीत दोनों दीवार के मलबे के नीचे दब गए। हो हल्ला सुनकर आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचते और मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकालते। इससे पहले ही सरजीत गौतम की मौत हो गई। वहीं मीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। 108 एम्बुलेंस से मीना देवी को बिजुआ सीएचसी ले जाया गया। जहां पैर टूटा होने की वजह से डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। मौके पर पहुंचे भीरा एसओ रोहित दुबे, बिजुआ चौकी इंचार्ज रमेश सिंह सेंगर ने घटना की जानकारी ली और मौका मुआयना किया। परिजनों ने बताया कि मृतक सरजीत गौतम की शादी बड़ागांव थाना फूलबेहड़ से तय थी। फरवरी में उसकी शादी थी। जिसको लेकर घर में साफ सफाई सहित अन्य तैयारियां शुरू हो गई थीं। इस घटना से घर में खुशियां आने से पहले ही मातम छा गया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दीवार का पड़ा मलबा व लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

मृतक के घर पर लगी महिलाओं की भीड़। ● अमृत विचार

विवाह की शहनाई बजने से पहले ही बुझ गया घर का चिराग

सुशील गुप्ता, बिजुआ

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र के गांव पकरिया सलिया में रविवार को ऐसा हादसा हुआ, जिसने न केवल एक परिवार की खुशियों को छीन लिया, बल्कि पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। जिस घर में कुछ ही दिनों बाद बेटे की शादी की तैयारियों को लेकर चहल-पहल थी, वहीं अब सन्नाटा पसरा है। मकान की दीवार गिरने से 22 वर्षीय सरजीत गौतम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां मीना देवी गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरजीत गौतम अपनी मां के साथ घर के पास ही मौजूद था। अचानक जर्जर दीवार तेज आवाज के साथ भरभराकर गिर पड़ी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, सरजीत मलबे में दब गया। परिजन और ग्रामीण दौड़कर

भाई की मौत से बदहवास हालत में बैठी मृतक की बहन। ● अमृत विचार

पहुंचे, मलबा हटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सरजीत की सांसें थम चुकी थीं।

हादसे में उसकी मां मीना देवी भी दीवार की चपेट में आ गईं। उनका पैर बुरी तरह टूट गया। दर्द से कराहती मीना देवी को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुआ ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद से परिजनों की आंखों में आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। हर कोई इस हादसे से दुखी है। सरजीत के पिता बनवारी ने भर्राई आवाज में बताया कि बेटे का तिलक 25 फरवरी और विवाह 26 फरवरी को तय था। घर में शादी की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थीं। कपड़े सिल चुके थे, सामान जुटाया जा चुका था और रिश्तेदारों को न्योते भेजे जा चुके थे। मां अपने बेटे के लिए बहू लाने के सपने देख रही थीं। पिता बेटे को नई जिंदगी की शुरुआत करते देखने को उत्सुक थे, लेकिन एक हादसे ने सब कुछ छीन लिया।

आंगन में पसरा मातम

जहां कुछ दिन पहले तक मेहंदी, गीत और शादी की बातें हो रही थीं, आज वहीं आंगन में चीत्कार गूंज रही है। महिलाओं की आंखें रो-रोकर सूज गई हैं। गांव की महिलाएं सांत्वना देने पहुंच रही हैं, लेकिन किसी के पास ऐसा शब्द नहीं जो इस दुख को कम कर सके।

परिवार की रीढ़ था सरजीत

सरजीत अपने माता-पिता का सहारा था। परिवार में दो भाई, एक बहन और माता-पिता हैं। शादी के बाद परिवार की जिम्मेदारियों को संभालने का सपना देख रहा सरजीत अब यादों में सिमट गया है। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जर्जर मकान बने मौत का कारण

हादसे ने ग्रामीण इलाकों में जर्जर मकानों की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। गरीबी और मजबूरी में लोग असुरक्षित मकानों में रहने को मजबूर हैं, जहां हर दीवार एक खतरा बन चुकी है। एक दीवार गिरने से सिर्फ एक जान नहीं गई, बल्कि एक परिवार का भविष्य भी मलबे में दब गया। गांव पकरिया सलिया में आज हर आंख नम है। हर कोई यही कह रहा है कि काश, यह हादसा टल गया होता।

न्यूज ब्रीफ

संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शामिल हुए 595 विद्यार्थी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलरायां के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने बताया कि मंगलवार को विद्यालय में संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कक्षा षष्ठ से लेकर द्वादश तक 595 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, परंपराओं और संस्कारों के प्रति जागरूकता एवं समझ विकसित करना है। संस्कृति ज्ञान जैसी परीक्षाएं केवल ज्ञानवर्धन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गाली देने के विरोध पर महिला से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र के गांव सुंदर नगर टांगियां निवासी माया देवी ने बताया कि गांव के ही प्रमोद, अनोध व अमोध बिना किसी कारण गालियां देने लगे। विरोध किया तो लात-घूंसे से मारपीट कर दी, जिससे उनके दाहिने हाथ में चोट आ गई। जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म का आरोपी किया गिरफ्तार

मझगईं, अमृत विचार : पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी गांव दौलतापुर निवासी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि आरोपी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा था। कोर्ट ने उसके खिलाफ वारंट जारी किए थे। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

बांसगांव में लोक जन संघर्ष पार्टी ने शुरू किया सत्याग्रह

केशवापुर, अमृत विचारः ब्लाक कुम्भी की ग्राम पंचायत बांसगांव में वार्ड संख्या 7 में पंचायत द्वारा आधे अधूरे कार्यों, रास्तों एवं विद्यालय के सेमल के पेंड़ों के अवैध कटान आदि कार्य को लेकर लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल ने सत्याग्रह शुरू कर दिया है।

लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल ने 14 जनवरी के ज्ञापन के अनुसार सत्याग्रह धरना प्रदर्शन शुरू किया है। धरने पर बैठे रामनिवास शुक्ल ने एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी से धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था तथा मौके के विकास कार्यों की जांच करवाने की मांग की है। धरना स्थल पर रामपाल यादव, सज्जन कुमार, योगेंद्र तिवारी, शोभित शुक्ला, विजय शुक्ल, राजेश कुमार, आनंद किशोर, रीता देवी, पंचायत सदस्य सियाराम शुक्ल का समर्थन मिला है।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत

निघासन, अमृत विचारः थाना पढुआ क्षेत्र के गांव पचासा सुजानपुर निवासी बाबूराम का 32 वर्षीय बेटा नीरज सोमवार की शाम बाइक से काम कर घर वापस लौट रहा था। मृतक के चाचा पुत्तू लाल ने बताया कि पास के ही गांव का एक बाइक सवार युवक और नीरज की बाइक आपस में भिड़ गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। जहां नीरज की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल युवक का इलाज जारी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

प्रदीप ने भरा कस्ता भूमि विकास बैंक के चेयरमैन पद का पर्चा

भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल करते प्रदीप शुक्ला।

संवाददाता, मितौली

अमृत विचारः विकास खंड मितौली स्थित ब्लॉक सभागार में गुरुवार को भूमि विकास बैंक कस्ता के चेयरमैन पद के लिए चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई। भाजपा नेता प्रदीप शुक्ला ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में विधिवत अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस पद के लिए केवल एक ही नामांकन आने के कारण प्रदीप शुक्ला का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य व पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर के साथ ही तमाम समर्थक मौजूद रहे।

नो मैंस लैंड से अतिक्रमण हटाने पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर नो मेन्स लैंड, जीरो लाइन से भारत की तरफ 05 किमी और जीरो लाइन से भारत की तरफ 15 किमी के अन्तर्गत सरकारी भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने को लेकर शुक्रवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने अफसरों संग बैठक की। एसएसबी, उप जिलाधिकारियों, वन विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारियों से अनधिकृत कब्जे को लेकर विस्तृत चर्चा और मंथन हुआ।

डीएम-एसपी ने अफसरों संग सशस्त्र सीमा बल 39वीं बटालियन गदनिया पलिया, 49वीं बटालियन एसएसबी जनपद पीलीभीत, 70वीं बटालियन एसएसबी मझरा फार्म के कार्यक्षेत्र में भारत-नेपाल

बैठक में मौजूद डीएम, एसपी और एसएसबी के अधिकारी। ● अमृत विचार

- **डीएम-एसपी की बैठक में 15 किमी भारत की तरफ अतिक्रमण हटाने की बनी रणनीति**
- **एसएसबी व प्रशासन की संयुक्त टीमें निरीक्षण और सत्यापन कर हटवाएगी अतिक्रमण**

अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर नो मेन्स लैंड और जीरो लाइन से भारत की तरफ 05 किमी एवं जीरो लाइन से भारत की तरफ 15 किमी के तहत सरकारी भूमि पर किये गये अतिक्रमण को सशस्त्र सीमा बल व राज्य सरकार की संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण, सत्यापन एवं अतिक्रमण को हटवाने पर रणनीति तय की। बैठक में तय हुआ कि नो मैंस लैंड पर अतिक्रमण के हटाने संबंध में दोनों देशों के संबंधित सीमावर्ती जिलों/अंचल के प्राधिकृत अधिकारियों के मध्य संवाद, समन्वय एवं संयुक्त सर्वेक्षण के उपरांत दोनों ओर के अतिक्रमण हटाने पर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंडो-नेपाल बार्डर के भारत की ओर पांच किलोमीटर के दायरे में जो खेती के लिए अतिक्रमित भूमि है उसे चिन्हित करें। राजस्व कागजात से मिलान कराये।

गड़बड़ी पर लोगों पर कार्रवाई करें। अधिकारियों को नो मैन्स लैंड पर अनाधिकृत खेती योग्य भूमि और झोपड़ी या फिर मकान हो उसकी सूची तैयार कर सक्षम स्तर को प्रेषित करते हुए नियमानुसार जरूरी कार्यवाही करें। डीएम ने एक माह के भीतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पुनः अतिक्रमण न हो, इसका भी ख्याल रखने का निर्देश दिया। बैठक में दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसएसबी कमांडेंट/डिप्टी कमांडेंट आदि मौजूद रहे।

यूरिया लेने को अलीगंज समिति पर उमड़े किसान

अलीगंज की सहकारी समिति पर लगी किसानों की भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः खाद केंद्रों पर खाद की किल्लत से उपभोक्ताओं को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को काफी दिक्कत के बाद खाद मिल रही, जबकि खेतों को इस समय भरपूर मात्रा में खाद चाहिए है।

खरीफ के सीजन में किसानों को यूरिया के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। रबी के सीजन में किसानों को यूरिया के लिए लाइन में लगना पड़ रहा है। इन दिनों गेहूं और सरसों की फसल को पोषण देने का समय है लेकिन क्षेत्र की अधिकांश समितियों पर यूरिया उपलब्ध नहीं है। किसानों को घंटों लाइन में खड़े होकर यूरिया लेनी पड़ रही है वह भी पर्याप्त उपलब्ध नहीं हो पाती है। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं और लाही की फसलों को उर्वरक की जरूरत है तब खाद की किल्लत है।

पोस्टर स्पर्धा में आयशा व क्विज में धानी प्रथम

पलिया कलां, अमृत विचारः श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज राजकीय महाविद्यालय पलिया में यातायात नियमों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्राचार्य डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ल की अध्यक्षता व नोडल अधिकारी डॉ. वसीम खान के निर्देशन में पोस्टर एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पोस्टर प्रतियोगिता में बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा आयशा जहां प्रथम स्थान लाई, वहीं बी काम तृतीय की छात्रा धानी कर्नवाल द्वितीय व बीए थर्ड की छात्रा इरम नूरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्वीज में धानी कर्नवाल प्रथम, जाह्नवी द्वितीय तथा आयशा व तन्वी गुप्ता तृतीय रहीं। वरिष्ठ सहायक विश्राम, आकाश विश्वकर्मा, अजय यादव, अशोक, धोखे राम, परविंदर राना आदि रहे।

टीबी-एचआईवी दोनों ही गंभीर संक्रामक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सीएमओ कार्यालय सभागार में मंगलवार को टीबी-एचआईवी कोऑर्डिनेशन बैठक सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद रावत भी मौजूद रहे।

बैठक में टीबी और एचआईवी के बीच समन्वय को मजबूत करने से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि टीबी और एचआईवी दोनों ही गंभीर संक्रामक रोग हैं, जिनका समय पर पता लगाकर उपचार किया जाना आवश्यक है। एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में

बैठक को संबोधित करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

- **सीएमओ की अध्यक्षता में टीबी-एचआईवी को-ऑर्डिनेशन की बैठक संपन्न**

टीबी होने की संभावना अधिक रहती है, इसलिए दोनों कार्यक्रमों के बीच बेहतर तालमेल से रोगियों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर टीबी मरीजों की एचआईवी जांच तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की टीबी स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही काउंसलिंग, दवा वितरण और फॉलोअप की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को टीबी उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद रावत ने टीबी-एचआईवी कोऑर्डिनेशन की कार्ययोजना एवं जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। बैठक के माध्यम से जिले में टीबी मुक्त अभियान को गति देने और एचआईवी से प्रभावित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

प्रधान और पूर्व प्रधान गुट के बीच हुई थी मारपीट

रोशननगर, अमृत विचारः कुंभी ब्लॉक की ग्राम पंचायत जड़ौरा में मतदाता सूची में नाम कटवाने को लेकर प्रधान और पूर्व प्रधान कूट के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

हैदराबाद थाना अध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने बताया कि देवेश कुमार निवासी गांव जड़ौरा की तरफ से रिपोर्ट दी गई, जिसमे हैदराबाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी कृष्ण कुमार उर्फ छुट्टन पुत्र सुरेश चन्द, विवेक मिश्रा पुत्र बृजमोहन मिश्रा उर्फ अनुराग मिश्रा, उत्कर्ष पुत्र कृष्ण मोहन मिश्रा निवासी जड़ौरा को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है।

जुलूस निकालकर वकीलों ने सीओ कार्यालय पर किया प्रदर्शन

सीओ कार्यालय पर प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः तहसील में अधिवक्ताओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। थानाध्यक्ष पलिया को सोमवार को तहरीर दिए जाने के बावजूद अब तक केस दर्ज न किए जाने से नाराज अधिवक्ताओं ने मंगलवार को भी कार्य बहिष्कार किया। तहसील परिसर में बैठक की और जोरदार नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। इसके बाद अधिवक्ता जुलूस के रूप में तहसील से दुधवा तिराहे स्थित सीओ कार्यालय पहुंचे, जहां पुलिस क्षेत्राधिकारी की अनुपस्थिति में उनके कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपा।

पलिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो सहित अन्य अधिवक्ताओं के विरुद्ध लेखपाल रजनीश कुमार सिंह द्वारा पलिया थाने में सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने आदि की दर्ज कराई गई रिपोर्ट से अधिवक्ता गुस्से में हैं

- **कार्य बहिष्कार कर सौंपा ज्ञापन, एफआईआर दर्ज न होने से बढ़ा आक्रोश**

और उनमें तहसील प्रशासन एवं लेखपालों के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि लेखपाल की तहरीर पर पलिया थाने में बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं अन्य अज्ञात अधिवक्ताओं के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर ली, जबकि जबकि अधिवक्ताओं द्वारा सोमवार को थानाध्यक्ष पलिया को दी गई तहरीर पर अब तक कार्रवाई नहीं की गई है।

पक्षपातपूर्ण कार्रवाई से क्षुब्ध होकर अधिवक्ताओं ने मंगलवार को पुनः न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए तहसील परिसर में बैठक की। बैठक के दौरान अधिवक्ताओं ने प्रशासन के रवैये की आलोचना करते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इसके उपरांत अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सीओ कार्यालय तक मार्च किया। एसडीएम के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। सीओ कार्यालय पहुंचने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी के मौजूद न होने के कारण अधिवक्ताओं ने वहां मौजूद एसओ पंकज त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि थानाध्यक्ष पलिया को दी गई तहरीर के आधार पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस मौके पर बार एसोसिएशन पलिया के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो, मंत्री विष्णु कुमार शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष श्रीष द्विवेदी, रामप्रकाश पाल, जीवन प्रकाश मेनरो, राजीव कुमार शुक्ला, अमित महाजन, सुनील शुक्ला, जावेद अख्तर, दिनेश पांडे, फजल अहमद, रामू त्रिवेदी, विजय शर्मा, विकास गुप्ता, इम्तियाज अहमद खान, धर्मराज शाक्य आदि अधिवक्ता रहे। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

सहभोज से दिया सामाजिक समरसता का संदेश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर के नवीन बाईपास पर हिंदू युवा वाहिनी के विपिन मिश्रा ने अटल आवास पर सहभोज कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मंगलवार को दोपहर बाद नवीन बाईपास रोड पर हिंदू युवा वाहिनी के विपिन मिश्रा द्वारा आयोजित सहभोज में मुख्य अतिथि पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई भारतीय जनता पार्टी के जनक थे।

गोला के कार्यक्रम में बोलते पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी।

समाजिक समरसता का ताना बाना बुनकर समाज को जोड़ने का कार्य करते थे। उन्ही की प्रेरणा से समाजिक समरसता सम्मेलन किया जा रहा

- **पूर्व प्रधानमंत्री अटल ने बुना था सामाजिक समरसता का ताना बाना**

है, जो समाज को जोड़ने वाला है। अध्यक्षता कर अंजनी शरण महाराज ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों को आशीर्वाद एवं शुभकामनायें दीं। विपिन मिश्रा ने अतिथियों, जनसमूह का आभार व्यक्त किया। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी, ठाकुर प्रसाद गंगवार, मुन्नालाल अवस्थी, संजय मिश्रा आदि मौजूद रहे।-

खेत जोतने को लेकर हुए विवाद में मारपीट, रिपोर्ट

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा क्षेत्र गांव मैला मजरा कलुवापुर निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि उसने अवस्थीपुरवा निवासी विनोद से करीब आठ बीघा खेत बटाई पर लिया था।

सोमवार को दोपहर लगभग तीन बजे वह खेत जुतवाने पहुंचा। तभी मुराउनपुरवा निवासी पिंटू, रोहित व रिंकू ने अपने एक अज्ञात व्यक्ति के साथ खेत जुतवाने से रोक दिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसे और लाठी से मारपीट की। पीड़ित के मुताबिक बीच-बचाव करने पहुंचे दिनेश व छोटन्न के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की, जिससे सभी को चोटें आईं। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

बिल जमा होने के बावजूद काटे कनेक्शन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला राजेंद्र नगर में बिजली बिल जमा होने के बाद भी कनेक्शन काट दिये गये हैं। उपभोक्ताओं ने एसडीएम से शिकायत की है। राजेंद्र नगर कालोनी निवासी हनीफ, सगीर, उस्मान ने विद्युत वितरण खंड के जेई पर जांच के दौरान कनेक्शन धारकों से बिल जमा कराकर उनके कनेक्शन काट देने का आरोप लगाते हुए एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर प्रकरण की जांच कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

ट्रैक्टर से अलग हुए दो डनलप दुकान में घुसे

भानपुर, अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र के गुलरिया चौराहे पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ट्रैक्टर से अचानक दो डनलप अलग होकर अनियंत्रित हो गए और पास स्थित एक कबाड़ की दुकान में जा घुसे। गनीमत रही कि घटना के समय दुकान पर या आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर चालक तीन डनलप जोड़कर ले जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शतचंडी यज्ञ के लिए वेदी रचना, पूजन

रोशननगर, अमृत विचार : रोशननगर कस्बे मे मां दुर्गा मंदिर पर श्री शतचंडी महायज्ञ के दूसरे दिन यज्ञाचार्य पंडित चन्दन अवस्थी ने वेदी रचना पूजन कराया। मुख्य यजमान रामकिशोर वर्मा, परमेश्वदीन विश्वकर्मा, संतोष कुशवाहा, प्रकाश पाल, गोकरन लाल पाल आदि मुख्य यजमानो से वेदी रचना, कलश स्थापना कर पूजन कराया गया। यज्ञाचार्य ने बताया कि अग्नि प्रवेश 21 जनवरी को दोपहर बाद तीन बजे कराई जाएगी।

नवग्रह पूजन कर देवी पाठ व मंत्र जप शुरू

पलिया कलां, अमृत विचार : सोमवार से शुरू हुए गुप्त नवरात्रि के मौके पर श्रीकुल सेवा संस्थान में स्थित श्री दुर्गा देवी मंदिर व शारदा कल्पवास स्थल पर नवग्रह,षोडस मातृका आदि का पूजन कर दुर्गा सप्तशती पाठ व मंत्र जप आदि के कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं, जो नवमी तिथि को पूर्णाहुति व भंडारा के साथ समाप्त होंगे। कुलउपासक आचार्य गोविंद माधव मिश्र ने बताया कि कई यजमान इन दिनों यहां आचार्य सोमेश माधव मिश्र, आचार्य अतुलेंद्र शुक्ल, पं. राजेंद्र तिवारी, पंडित अभिषेक माधव मिश्रा आदि से पूजन-अर्चन, देवी पाठ, मंत्र जप आदि करा रहे हैं।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव विश्मासी निवासी सत्यपाल का 32 वर्षीय बेटा सूरज कुंभी चीनी मिल में काम करता था। मृतक के चाचा रामाधार ने बताया कि सूरज सोमवार की शाम करीब सात बजे मिल से अमीर नगर बैंक के पास बाइक से कुछ सामान लेने गया था। इसी बीच वह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जाम का झाम: प्रमुख सड़कों के फुटपाथ तक लगी निर्माण सामग्री

नगर में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से रोड पर खड़े होते हैं बेतरतीब वाहन, ई-रिक्शा चालकों की मनमानी एवं सड़कें संकीर्ण होने से परेशान होते हैं लोग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर में जाम की समस्या आम हो गई है। ऊपर से फुटपाथ के किनारे तक निर्माण सामग्री लगा दिए जाने से सड़क कम हो गई है, जिससे यातायात प्रभावित होता है। साथ ही नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने से रोड पर बेतरतीब वाहन खड़े कर देने, ई रिक्शा के चालकों के मनमानी रवैया के चलते नगर की प्रमुख सड़कों पर जाम की समस्या होती है, जिसमें फंसकर राहगीर, वाहन चालक, स्कूल बस और विद्यार्थी परेशान होते हैं।

नगर में कई प्रमुख स्थानों पर जाम लगने की समस्या गंभीर होती जा रही है, जिसमें स्कूल वाहनों के साथ गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस जैसी आपातकालीन वाहनों को भी निकलने में परेशानी होती है। नगर की प्रमुख सड़कों लखीमपुर रोड, मोहम्मदी रोड, अलीगंज रोड, खुटार रोड, सिनेमा रोड पर मौरंग, बजरी आदि निर्माण सामग्री लगी होने के चलते सड़क संकुचित हो गई हैं, जिससे आमने सामने से बड़े वाहन, रोडवेज बस, ट्रैक्टर ट्राली निकलने पर समस्या होती है साथ ही दुर्घटनाओं का भी भय बना रहता है।

नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने के चलते लोग अपने वाहन दुकानों के सामने सड़क तक खड़े कर देते हैं, जिससे भी जाम स्थिति बन जाती है। ई-रिक्शा चालकों के मनमाने रवैया से नगर के खुटार रोड स्थित विकास चौराहे, शिवम चौराहे, अशोक चौराहे और नानक पुलिस चौकी के निकट ई रिक्शा चालकों द्वारा बेतरतीब संचालन के कारण भी जाम लग रही है। जाम से निकलने के चक्कर में ई रिक्शा चालकों व बाइक सवारों ने हालत और ज्यादा खराब कर दी है। इससे लोगों को पैदल निकलने के लिए भी जगह नहीं मिलती है।

बढ़ती वाहनों की संख्या, सड़क किनारे फुटपाथ तक लगी दुकाने, पड़ी भवन निर्माण सामग्री भी जाम का कारण बनी हुई है, जिस पर जिम्मेदार उदासीन है।

नगर की सभी प्रमुख सड़कों पर फुटपाथ तक दुकान, दुकानों के काउंटर लगे होने के चलते ग्राहक, राहगीर अपनी साइकिल, बाइक, वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे भी जाम लगती है। शाम के समय अलीगंज रोड, लखीमपुर रोड और खुटार रोड पर फास्ट फूड दुकानों, होटल के सामने तमाम बाइक, ई रिक्शा, बेतरतीब खड़े हो जाते हैं, जिससे पैदल व अन्य लोगों का निकलना दूभर हो जाता है।

> इस संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए बैठक की जा चुकी है। उसमें बताया भी गया है कि फुटपाथ खाली रखे जाएं। एक बार फिर इन लोगों को सूचना दी जाएगी। इसके बावजूद भी अगर फुटपाथ खाली नहीं करते हैं तो जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। **-संजय कुमार**, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद गोला।

खुटार रोड पर भवन स्वामी ने डाल रखी है शटरिंग

नगर की खुटार रोड पर हो रहे नव निर्माण में भवन स्वामी ने सड़क तक शटरिंग डाल रखी है, मौरंग भी लगाई है। जबकि प्लाट के अंदर निर्माण सामग्री लगाने के लिये पर्याप्त जगह भी है। यहां दोनों ओर से वाहनों के आ जाने पर निकलना मुश्किल हो जाता है।

व्यापारी ने कर रखा है फुटपाथ तक कब्जा

नगर की अलीगंज रोड पर बालू, मौरंग, गिट्टी बेचने वाले ने आगे बढ़कर व्यापार करने के उद्देश्य से ग्राहक को दूर से ही निर्माण सामगी दिखाई पड़ने के लिये फुटपाथ से लेकर सड़क तक मौरंग और बजड़ी फैला रखी है।

निरंकारी भवन के पास फुटपाथ तक लगी है सामग्री

नगर की सिनेमा रोड पर निरंकारी भवन के पश्चिम दीवार की तरफ निर्माण कार्य कराए जाने के चलते सामग्री फुटपाथ पर पड़ी होने से लोगों को निकलने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रात और कोहरा पड़ने पर वाहन चालकों को निर्माण सामग्री दिखाई न देने से दुर्घटना का भय भी बना हुआ है।

पार्किंग व्यवस्था न होना भी जाम का कारण

नगर में पार्किंग की व्यवस्था न होना भी जाम लगने का कारण है। बढ़ती हुई वाहनों की संख्या और पार्किंग की कमी के चलते दुकानों पर खरीदारी करने आने वाले ग्राहक अपने वाहन दुकान के सामने सड़क तक खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो जाता है। प्रशासन ने लोगों को इस समस्या से छुटकारा दिलाने में अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की है। पार्किंग न होने के चलते वाहनों को खड़े करने की जगह न मिल पाने से वाहन चालक, ग्राहक कहीं भी अपने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे बाजारों में जाम की स्थिति बन जाती है। नगर में कई बड़े प्रतिष्ठानों के पास उनकी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है।

दुकानों के निर्माण के लिये सड़क तक फैलाई सामग्री

नानक चौकी के निकट कामर्शियल उद्देश्य से बनाई जा रही आधा दर्जन से अधिक दुकानों के निर्माण हेतु मंगाई गई भवन निर्माण सामग्री फुटपाथ से सड़क तक फैली रहने के चलते रोडवेज बसों के निकलने पर जाम की स्थिति बनती है। वहीं इस मार्ग से होकर निकलने वाले राहगीरों, स्कूली विद्यार्थियों, वाहन चालकों को भी दिक्कतें होती हैं।

श्रद्धा के साथ मनाया प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का अव्यक्त दिवस

गोला में राजयोग केंद्र पर कार्यक्रम में मौजूद अनुयायी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज राजयोग केंद्र पर संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पुण्यतिथि को अव्यक्त दिवस के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्रह्मावत्स, साधक एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत ब्रह्मा बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। साधकों ने उनके त्यागमय एवं मानव कल्याण को समर्पित जीवन को स्मरण करते हुए आत्मिक उन्नति और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। बीके रोली ने साधकों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। बीके राधेश्याम ने कहा कि ब्रह्मा बाबा का जीवन पवित्रता, सेवा और आत्मिक जागरण का प्रेरक उदाहरण है। ब्रह्माभोज में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अनुष्का, आकांक्षा, ज्योति, मिस्टी, प्रगति, आण्वी, रोली, सुनीता, आदेश, मनोज, रोहित, सतीश, रागिनी, राजेंद्र, प्रीति आदि मौजूद रहे।

लेखपाल की मिलीभगत से सीलिंग की जमीन पर कब्जा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **गलत सीमांकन व फर्जी आख्या देने का लेखपाल पर आरोप**
- **डीएम को शिकायती पत्र देकर की निष्पक्ष जांच की मांग**

सीलिंग की जमीन पर किया जा रहा अवैध निर्माण कार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः तहसील धौरहरा क्षेत्र के गांव ओझवा बरारी ननकार में सरकारी सीलिंग भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव निवासी शिवानंद झा ने डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोप लगाया है कि गांव की राजस्व अभिलेखों में दर्ज गाटा संख्या 1007, रकबा 0.4940 हेक्टेयर सरकारी सीलिंग भूमि पर कुछ लोग लेखपाल के इशारे पर अवैध कब्जा कर रहे हैं और उस पर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है।

गांव ओझवा बरारी ननकार निवासी शिवानंद झा ने बताया कि अवैध कब्जे को वैध दिखाने के लिए क्षेत्रीय लेखपाल संगम लाल ने जानबूझकर नियमों की अनदेखी की और गलत सीमांकन किया गया। आरोप है कि लेखपाल ने मौके की वास्तविक स्थिति छिपाकर भ्रामक व तथ्यहीन आख्या उच्चाधिकारियों को भेजी, जिससे सरकारी भूमि को निजी भूमि के रूप में दर्शाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों पर अवैध कब्जे का आरोप है, उनके पास पहले से ही पर्याप्त निजी कृषि भूमि उपलब्ध है। इसके बावजूद उन्होंने सरकारी सीलिंग भूमि पर कब्जा कर लिया है, जो सीधे तौर पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला है। शिकायतकर्ता का कहना है कि लेखपाल की मिलीभगत के बिना ऐसा संभव नहीं है। शिवानंद झा ने आरोप लगाया कि राजस्व अभिलेखों से छेड़छाड़ कर सरकारी भूमि को निजी लाभ के लिए उपयोग में लाया जा रहा है, जो न केवल भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है बल्कि सरकारी सेवक आचरण नियमावली का भी खुला उल्लंघन है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने डीएम से मांग की है कि गाटा संख्या 1007 का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पुनः सीमांकन किसी अन्य राजस्व अधिकारी से कराया जाए, मामले की निष्पक्ष जांच हेतु लेखपाल संगम लाल को तत्काल निलंबित किया जाए। दोष सिद्ध होने पर संबंधितों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। साथ ही सरकारी सीलिंग भूमि से अवैध कब्जों को तत्काल हटवाने की मांग की है। फिलहाल प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

> प्रकरण मेरे संज्ञान में नहीं है। फिलहाल मामले की जांच कराई जाएगी। यदि सिलिंग की जमीन पर कब्जा मिला तो उसे कब्जा मुक्त कराया जाएगा। **-शशिकांत मणि**, एसडीएम धौरहरा।

दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः थाना भीरा के गांव मेडईपुरवा निवासी मोहिनी पत्नी अनुज दीक्षित ने बताया कि उसकी शादी करीब पांच वर्ष पूर्व अनुज दीक्षित के साथ हुई थी। दांपत्य जीवन से एक पुत्र भी है, जिसकी उम्र लगभग एक वर्ष है। पीड़िता के अनुसार पुत्र के जन्म के दो माह बाद मायके चली गई और 30 मार्च 2025 को जब वह ससुराल लौटी तो पति, ससुर, सास व ननद ने दहेज में तीन लाख रुपये और एक बाइक की मांग करते हुए मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वर्तमान में वह अपने मायके थाना फूलबेहड़ के गांव बरौला में रह रही है। पति उसे अपने साथ रखने को तैयार नहीं है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति अनुज दीक्षित, ससुर महेश दीक्षित, सास लाली देवी व ननद रागिनी देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

हिंदू सम्मेलन में किया समाज को संगठित होने का आह्वान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

हिंदू सम्मेलन में बोलते मुख्य वक्ता राजकुमार।

कंजा देवस्थान पर हिंदू सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में सांस्कृतिक मूल्यों पर दिया जोर**

अमृत विचारः कंजा बाबा देवस्थान पर हुए हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सीतापुर विभाग ने समाज से एकजुट, जागरूक और संगठित होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करने का संकल्प दोहराया।

मोहम्मदी रोड स्थित कंजा बाबा देवस्थान पर हुए विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता राजकुमार ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है, जिसकी जड़ें हजारों वर्षों पुरानी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो हजार वर्षों में विश्व में अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक प्रयोग हुए, किंतु वे मानवता को स्थायी सुख और शांति नहीं दे सके। आज पूरी दुनिया आशा की दृष्टि से भारत की ओर देख रही है कि वह अपनी सनातन संस्कृति के मूल्यों के माध्यम से मानवता को नई दिशा दे सके। रामचरितमानस और अन्य ग्रंथों के उद्धरणों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समर्थ और संगठित समाज ही अपने मूल्यों की रक्षा कर सकता है।

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि अपने समय के महान वैज्ञानिक और विचारक थे। खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, गणित और भाषा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में भारत का योगदान विश्व को मार्गदर्शन देता रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सदियों तक वैश्विक ज्ञान का केंद्र रहा है।कार्यक्रम में पांच प्रमुख संकल्पों का एक मंदिर, एक श्मशान, एक जलाशय और एक पंगत, भाषा, भूषा, भोजन, भ्रमण और भवन में सांस्कृतिक चेतना का वास का आवाहन किया। पूरे परिवार के साथ रात्रि भोजन, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का त्याग, जल संरक्षण और वृक्षारोपण, प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन किए जाने, युवाओं की भूमिका के बारे में कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। उन्हें केवल भौतिक सफलता तक सीमित न रहकर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि केवल हर पांच वर्ष में मतदान करना पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज को निरंतर सक्रिय और सजग रहना होगा।

कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती एवं समरसता भोज के साथ हुआ। अध्यक्षता महंत आदित्येश्वरानंद ने की। उर्मिला शर्मा, संयोजक महेंद्र वर्मा, सह संयोजक अमित वर्मा सहित तमाम स्वयंसेवक मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह मनाने को बनाई कार्य योजना

बोर्ड बैठक में मौजूद चेयरमैन व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः नगर पालिका सभागार में मंगलवार को बोर्ड बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नगर पालिका परिषद चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। जिसमें रामलीला मैदान पूरनपुर में नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह को धूमधाम से मनाने की कार्य योजना बनाई गई।

बैठक में आगामी दिनों में होली पर नगर के होलिका स्थलों पर लकड़ी का प्रबंध नगर पालिका द्वारा किया जाना सुनिश्चित हुआ। बैठक में ईओ एजाज अहमद, लेखाकार दिनेश भारती, सभासद उर्मिला देवी, सूरज बाथम, उदित सिंह, राजो देवी, दिनेश कुमार, विकास गुप्ता, विनीता देवी, मोहम्मद शरीफ, सौरभ सक्सेना , शाहजहां बेग़म, राजेश कुमार, सुबेजहां बेग़म, गौरव जायसवाल, नेहा, नुसरत परवीन, मुन्नी बेगम, डॉ. रोहित मिश्रा, आसिम रज़ा, नादिर रज़ा, सुशील कुमार गुप्ता, शराफत अली, अनुज कुमार गुप्ता, दुर्वेश प्रजापति, सफाई नायक बालकराम, नरेश कुमार, अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

खिचड़ी भोज के लिए धर्मशाला न देने से भड़का आक्रोश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **समिति के अध्यक्ष पर मनमानी के गंभीर आरोप**

अमृत विचार : नगर के समाजसेवी आदित्य गुप्ता एवं अनूप गुप्ता ने बताया कि विगत माह संपन्न हुए श्री हरिद्वारी वैश्य समिति के चुनाव में हुई कथित अनियमितताओं के विरोध में पुनः चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर समाज में जनमत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक लगभग 1265 सजातीय बंधुओं ने लिखित सहमति देकर समर्थन व्यक्त किया है।

मकर संक्रांति पर आगामी 21 जनवरी को सजातीय बंधुओं के लिए खिचड़ी भोज का आयोजन प्रस्तावित किया गया था। आयोजन हेतु समाज के सहयोग से निर्मित धर्मशाला को उपयोग में लेने के लिए समिति से विधिवत अनुमति मांगी गई, किंतु समिति अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बिना कोई ठोस कारण बताए धर्मशाला देने से साफ इंकार कर दिया।आयोजकों का आरोप है कि अध्यक्ष समाज की सामूहिक संपत्ति को निजी जागीर की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं।

समाज के कई वरिष्ठ एवं प्रबुद्धजनों द्वारा समझाने के प्रयासों के बावजूद भी निर्णय में कोई बदलाव नहीं किया गया, जिससे समाज में आक्रोश और असंतोष गहरा गया है। आदित्य गुप्ता एवं अनूप गुप्ता ने यह भी कहा कि इससे पूर्व भी अनेक सजातीय बंधुओं को विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के लिए धर्मशाला उपलब्ध नहीं कराई गई और उनसे मनमाने धन की मांग की गई जो समाजहित के विरुद्ध है।

उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि समाज की संपत्ति पर किसी एक व्यक्ति का कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। जब तक धर्मशाला समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंदों के लिए सुलभ नहीं होती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही जनमत के माध्यम से समाज में मनमानी और भ्रष्टाचार करने वालों को समिति से बाहर करने का आंदोलन और तेज किया जाएगा

ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में पलटी, किशोर का पैर टूटा

सिंगाही, अमृत विचारः थाना क्षेत्र के गांव खैरीगढ़ निवासी ट्रैक्टर चालक संजय अपने 15 वर्षीय भतीजे शोभित के साथ बेलरायां चीनी मिल गन्ना लेकर गया था। मिल से वापस लौटते समय निघासन-बेलरायां मार्ग पर सिद्ध बाबा के पास अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली समेत खाई में पलट गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर आवागमन भी प्रभावित रहा। दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक तो बच गया, लेकिन ट्रैक्टर पर सवार 15 वर्षीय किशोर गंभीर घायल हो गया। यूपी 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किशोर को अपने वाहन से सीएचसी निघासन ले जाया गया। जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में किशोर का दाहिना पैर टूट गया है।

अध्यक्ष पद पर हरनाम का निर्विरोध निर्वाचति होना तय

संवाददाता, बेहजम

- **सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड का चुनाव**
- **निर्धारित समयावधि में दाखिल हुआ एक नामांकन**

भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ नामांकन दाखिल करते अध्यक्ष पद के प्रत्याशी हरनाम शंकर श्रीवास्तव।

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष पद के लिए हुए नामांकन में हरनाम शंकर श्रीवास्तव ने एकल नामांकन पत्र दाखिल किया है। निर्धारित समय सीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन न किए जाने से उनका निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय माना जा रहा है।

सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्र जमा किए गए। इस दौरान हरनाम शंकर श्रीवास्तव ने सुबह 11 बजे अपने समर्थकों के साथ बैंक परिसर पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्धारित समय समाप्त होने तक किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया, रिटर्निंग ऑफिसर मयंक सिंह, सहायक आयुक्त श्रम विभाग ने बताया कि निर्धारित समयावधि में केवल एक ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ है। ऐसे में अध्यक्ष पद पर हरनाम शंकर श्रीवास्तव का निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।

उसी दिन दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक वैध नामांकन पत्रों की सूची प्रकाशित की जाएगी। 22 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित है। शाम 3 बजे से 5 बजे तक चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। यदि किसी कारणवश मतदान की स्थिति बनती है तो 27 जनवरी को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। हालांकि, एकल नामांकन होने के कारण मतदान की संभावना नगण्य बताई जा रही है।

निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 27 जनवरी को ही विजेता को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। नामांकन के दौरान बैंक परिसर में भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर भी मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय दीक्षित, पूर्व प्रधान रवि प्रकाश गुप्ता, इंद्रप्रकाश श्रीवास्तव, बीडीसी सियाराम, प्रांशु शुक्ला, आदर्श मिश्रा, राजेश शुक्ला 'पिंटू', इंद्रेश शुक्ला, झल्लर पाण्डेय, प्रदीप श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, राम गोपाल श्रीवास्तव तमाम कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली तिकुनियां क्षेत्र के गांव सिसवारी निवासी 45 वर्षीय रामजती सोमवार की शाम करीब पांच बजे थाना पढ़ुआ क्षेत्र के गांव कोड़किया निवासी अपने मौसा के यहां बाइक से जा रहा था। मृतक के बेटे आकाश ने बताया कि निघासन-ढखेरवा मार्ग स्थित प्रीतमपुरवा के पास पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से उनके पिता की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन और तमाम रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बुजुर्ग से मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज

सिंधौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बवरा निवासी सद्दाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 जनवरी को उसके बुजुर्ग पिता मेहंदी हसन घर के सामने बैठे थे। तभी गांव के किशन पाल और विजय उर्फ चिंटू वहां पहुंच गए और गालियां देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लात-घूंसों से उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि आरोपी लाइसेंसी बंदूक निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगे, जिससे बुजुर्ग किसी तरह जान बचाकर भागे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत से सिंगाही में बवाल

प्रेम-प्रसंग और अवैध गर्भपात का आरोप, बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा, पुलिस के साथ हुई तीखी नोकझोंक

संवाददाता, सिंगाही

- दो समुदायों के बीच का मामला तीन थानों की फोर्स रही तैनात

शिव देवी।

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के ऐली गांव में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के पति ने गांव के ही दूसरे समुदाय के एक टेलर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला दो समुदायों के बीच होने से गांव में तनाव व्याप्त हो गया। सूचना पर पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। हालात बिगड़ते देख तीन थानों की पुलिस बुलानी पड़ी। किसी तरह से पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया।

ऐली गांव निवासी सूरज लोधी अपनी पत्नी शिव देवी (36) और पांच बच्चों के साथ रहते थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण सूरज लोधी मजदूरी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे। करीब 10 वर्ष पूर्व उन्होंने अपने घर के बगल में सिंगाही कस्बा निवासी जाबिर नामक टेलर को सिलाई की दुकान खोलने के लिए जगह किराए पर दी थी। सूरज लोधी ने बताया कि करीब 7 माह पहले वह पत्नी और बच्चों को घर पर छोड़कर दिल्ली मजदूरी करने चले गए थे। इस दौरान उनकी गैर मौजूदगी में पत्नी शिव देवी और टेलर जाबिर के बीच कथित रूप से प्रेम संबंध हो गए।

आरोप है कि इस दौरान शिव देवी ने पति से फोन पर बातचीत भी बंद कर दी थी और अपना मोबाइल सिम तक बदल लिया था। पति का आरोप है कि प्रेम-प्रसंग के चलते शिव देवी करीब पांच माह की गर्भवती हो गई थी। जब इस बात के उजागर होने का खतरा बढ़ा तो आरोपी टेलर ने कथित रूप से महिला को गर्भपात कराने की दवा खिला दी। दवा सेवन के कुछ ही समय बाद महिला की हालत अचानक बिगड़ गई। उसे पेट में तेज दर्द और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। हालात बिगड़ते देख मायके से आई महिला की मां शिव देवी को इलाज के लिए लखीमपुर निजी अस्पताल ले गईं, जहां उपचार के दौरान रविवार को महिला की मौत हो गई।

पत्नी की मौत की सूचना पर सूरज लोधी सोमवार को दिल्ली से गांव पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी सिंगाही पुलिस को दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिवार वालों को सौंप दिया।

शव गांव लाया गया तो तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इसी दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता भी गांव पहुंच गए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। हंगामे के दौरान बजरंग दल कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने अतिरिक्त बल बुलाया और ऐली गांव में तीन थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। पुलिस के रिपोर्ट दर्ज किए जाने व आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद स्थिति नियंत्रित हो सकी।

> मुकदमा दर्ज, गिरफ्तारी का भरोसा मृतका के पति की तहरीर पर आरोपी जाबिर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत का कारण शॉक और हेमरेज बताया गया है। मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।
> –मनीष कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक।

महिला के बच्चे। • अमृत विचार

प्रभारी निरीक्षक व बजरंग दल कार्यकर्ताओं के बीच होती नोकझोंक। • अमृत विचार

गांव में तैनात पुलिस बल। • अमृत विचार

परिजनों ने दफनाया शव

बताया गया कि पुलिस की मौजूदगी में ही परिजनों ने महिला का अंतिम संस्कार किया। हालांकि परिजनों ने हिंदू रीति-रिवाज से अलग महिला के शव को मिट्टी में दफन कर दिया, जिसे लेकर गांव में चर्चा का माहौल बना रहा। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अंतिम संस्कार के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

लोकतंत्र सेनानी धर्मपाल का निधन

बेहजम, अमृत विचारः थाना नीमगांव थाना क्षेत्र के गांव लोहटी निवासी मान्यता प्राप्त लोकतंत्र सेनानी धर्मपाल सिंह (55) का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन को लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। स्व. धर्मपाल सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनकी अंतिम यात्रा के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार में तहसीलदार मितौली एवं नीमगांव थाना प्रभारी प्रवीर कुमार गौतम सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों और ग्रामीणों ने स्व. धर्मपाल सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान को स्मरण किया। प्रशासन ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। बेहजम क्षेत्र में उन्हें पूरे सम्मान और गरिमा के साथ अंतिम सलामी दी गई।

तालाब में कटान से मार्ग क्षतिग्रस्त, हो रही परेशानी

तालाब के पानी से कटी सड़क। • अमृत विचार

संवाददाता, बरवर

अमृत विचार : विकास खंड पसगवां के संविलियन विद्यालय भौनापुर के सामने स्थित तालाब में जलस्तर बढ़ने के कारण उससे सटा मार्ग कटकर तालाब की ओर सिमटता जा रहा है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। इस मार्ग से प्रतिदिन संविलियन विद्यालय सहित दो निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन होता है।

तालाब के किनारे सड़क के लगातार कटने से स्कूली बच्चों के फिसलकर तालाब में गिरने का खतरा बढ़ गया है। सुरक्षा की दृष्टि से संविलियन विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद शुक्ल ने विद्यालय का सामने वाला मुख्य गेट बंद करवा दिया है, ताकि बच्चों को इस खतरनाक मार्ग से गुजरने से रोका जा सके। इसी तालाब में सोमवार को एक बकरी फिसलकर गिर गई थी, जिसे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तालाब से बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। इस घटना के बाद ग्रामीणों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर और भी चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही इस मार्ग की मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस बाबत एडीओ पंचायत सतीश चंद्र ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिल गई है और संबंधित मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाएगी।

स्कूटी सवार पर चाकुओं से किया जानलेवा हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः गांव मथना निवासी सुनील कुमार वर्मा (40) पुत्र लक्ष्मीनारायण सोमवार की रात करीब नौ बजे अपने साथियों सुरेंद्र और मायाराम के साथ लखीमपुर शहर से स्कूटी पर सवार होकर घर लौट रहे थे। मथना मोड़ पर नमकीन फैक्ट्री के पास लाल रंग की हीरो होंडा डीलक्स बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे और सुनील कुमार वर्मा पर चाकू व बांके से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए। जानलेवा हमले में सुनील कुमार के सिर, चेहरे और हाथों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को ओयल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया। उधर घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। मामले में घायल के चाचा दिनेश कुमार ने अज्ञात लोगों के खिलाफ सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड गन्ना वाहन

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर इन दिनों ओवरलोड गन्ना भरे ट्रकों की बेकाबू आवाजाही आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। क्षेत्र के विभिन्न गन्ना क्रय केंद्रों से बहिलि चीनी मिल, पलिया की ओर जा रहे ये वाहन न केवल यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं, बल्कि दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और छोटे वाहनों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

गन्ना लदे अधिकांश ट्रकों में क्षमता से कहीं अधिक ऊंचाई तक गन्ना भरा जा रहा है। परिणामस्वरूप चलते ट्रकों से गन्ना सड़क पर गिरता रहता है, जिससे पीछे आ रहे वाहन असंतुलित होकर दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। संकरे मार्गों और व्यस्त चौराहों पर ऐसे ट्रकों के गुजरने से आमजन में भय का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार दोपहिया वाहन चालकों को गिरते गन्ने से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाने या दिशा बदलने पर मजबूर होना पड़ता है, जिससे हादसों की आशंका और बढ़ जाती है। वहीं पैदल चलने वाले लोग भी इन ओवरलोड वाहनों से स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पलिया के प्रमुख मार्गों से गुजरते ओवरलोड गन्ना भरे ट्रक। • अमृत विचार

- गन्ना भरे ट्रकों की आवाजाही लोगों के लिए बनी खतरा

उल्लेखनीय है कि गत दिनों पलिया-निघासन रोड पर छोटी पलिया मोड़ से पहले रेलवे क्रॉसिंग के पास एक ओवरलोड गन्ना भरा ट्रक खराब हो गया था। ट्रक खराब होने के कारण उसे ठीक करने में काफी समय लग गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। बावजूद इसके, ट्रक चालकों और संबंधित एजेंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पलिया चीनी मिल, संबंधित गन्ना समिति और ट्रक ऑपरेटर्स की लापरवाही के चलते यह समस्या लगातार बनी हुई है। न तो गन्ना लोडिंग पर कोई नियंत्रण है और न ही ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड गन्ना परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए, क्षमता से अधिक लदे ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले ही स्थिति पर नियंत्रण किया जा सके।

पिकअप रोककर बदमाशों ने व्यापारी को लूटा

संवाददाता, बांकेगंज

- ढाई लाख रुपयों से भरा बैग ले गये बदमाश

अमृत विचारः गोला बांकेगंज मार्ग पर सोमवार रात व्यापारी से लूट की घटना सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारी भी चिंतित हो गए हैं। मैलानी थाना क्षेत्र के बांकेगंज निवासी राजेंद्र अग्रवाल गोला में दुकान चलाते हैं।

बीती रात 8.30 बजे वह अपनी दुकान बंद करके बांकेगंज घर वापस लौट रहे थे। सरकारपुर गांव के मोड़ से कुछ पहले कार में सवार कुछ बदमाशों ने उनकी पिकअप के सामने अपनी कार लगाकर उन्हें रोक दिया। राजेंद्र अग्रवाल के अनुसार कार दो सवार नीचे उतरकर पिकअप का गेट खोलने के लिए कहने लगे। गेट न खोलने पर वह लाठी डंडों से शीशा तोड़ने लगे। इस दौरान ड्राइवर के सिर में चोट भी लगी। बदमाश ढाई लाख नकदी से भरा बैग लेकर कार में बैठकर भाग निकले। सीओ रमेश कुमार तिवारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना मैलानी और हैदराबाद थाना क्षेत्र की सीमा पर हुई है। लोगों का कहना है कि गोला कुकरा मार्ग बंद होने से गोला बांकेगंज मार्ग पर यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में इस प्रकार की घटनाएं जनमानस को चिंतित करती हैं तथा नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह उठाती हैं। सीओ ने घटना का क्षेत्र हैदराबाद थाना बताया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि इस रूट पर पुलिस पिकेट तैनात की जाएगी तथा मामले का खुलासा जल्द ही किया जाएगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

बिना जांच ऑपरेशन के बाद महिला की मौत का आरोप

जैतीपुर, अमृत विचारः तिलहर थाना क्षेत्र के हरनोखा निवासी मंजू ने शिकायत में बताया कि नवंबर माह में उसकी मां ब्रजरानी के पेट में दर्द होने पर कटरा के अल्ट्रासाउंड सेंटर से जांच कराई। रिपोर्ट देखने के बाद जैतीपुर के अस्पताल में डॉक्टरों ने पित्त की थैली में पथरी बताकर 9 तारीख को ऑपरेशन कर दिया। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद संक्रमण फैल गया और बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराने पर पता चला कि पित्त की थैली में कैंसर है। आरोप है कि बिना जांच के ऑपरेशन किया गया। जिससे मंगलवार शाम को महिला की मौत हो गई। थाना प्रभारी प्रिंस शर्मा ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों के साथ गंगासागर तीर्थ यात्रा पर गई युवती लापता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- तीन दिन तलाश करने के बाद निराश होकर लौटे परिजन
- पत्र भेजकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

अमृत विचारः अलीगंज चौकी क्षेत्र के गांव सरांय रमुआपुर निवासी एक युवती अपने परिजनों संग तीर्थ यात्रा पर गंगासागर गई थी। कोलकाता में खरीदारी करने के दौरान एक दुकान पर पर्स भूल गई, जिसको वह लेने गई और लापता हो गई।

खोजबीन करने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो उन्होंने मैदान चौकी कोलकाता में सूचना दी और तीन दिनों तक रुककर उसकी तलाश की पर उसका पता नहीं चला। तब वह निराश होकर घर लौट आए हैं और प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर न्याय की गुहार लगाई है। सरांय रमुआपुर निवासी युवती के पिता ऊभन ने बताया कि वह 31 दिसंबर को अपनी पत्नी गीता देवी, पुत्री नैन्सी, बहन रामबेटी के साथ अपने गांव से गंगासागर तीर्थ यात्रा पर बस द्वारा निकले थे। 11 जनवरी को बाबू घाट बस पार्किंग थाना मैदान कोलकता में बेटी नैंसी (18) अपनी मां गीता देवी व बुआ रामबेटी के साथ कपड़ा खरीदने के लिए गई थी। वहां की न्यू मार्केट से खरीदारी कर वह लौट रही थी तब उसे ध्यान आया कि वह पर्स तो दुकान पर ही भूल गई है। वह अकेली ही पर्स लेने चली गई और नैंसी अचानक लापता हो गई।

लापता युवती नैंसी।

काफी तलाश करने के बाद भी पुत्री का कोई पता नहीं चला। पिता का आरोप है कि बेटी जाते हुए देखा और जैसे ही सामने से एक बस और एक काली गाड़ी निकली। फिर उनकी बेटी कहीं नजर नहीं आई। उन्होंने बेटी के अपहरण की आशंका जताई है। परिजन तीन दिन तक वहां रुककर तलाश करते रहे, पता न चलने पर निराश होकर घर लौट आए हैं। परेशान पिता ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर अपनी बेटी की तलाश करने की मांग की है।

साधु भेष में दो टप्पेबाज गिरफ्तार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- पुलिस निकलवा रही सीडीआर, चौथे दिन आरोपियों का भेजा चालान

अमृत विचारः शहर में शनिवार की देर शाम हीरालाल धर्मशाला के पास युवक की सोने की अंगूठी झांसा देकर ठगने के मामले में मौके से पकड़े गए दो साधु भेष धारियों का मंगलवार को चालान भेजा है। दोनों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। पुलिस अब उनके मोबाइल नंबरों की सीडीआर कॉल डिटेल निकलवा रही है। साथ ही उनका आपराधिक इतिहास भी खंगाल रही है।

शहर के मुहल्ला राजगढ़ निवासी आकाश गुप्ता शनिवार रात हीरालाल धर्मशाला के निकट खड़े थे। इस दौरान दो बाबा आए, जिन्होंने सिर पर हाथ फेरकर संकट हर लेने की बात कहकर उंगली में पहनी हुई अंगूठी निकल वाली और इसके अलावा राशन की मांग करने लगे। इस दौरान आकाश के एक मित्र आ गए। उन्होंने जब बातचीत शुरू की तो दोनों बाबाओं की ठगी का खुलासा हुआ। इस पर उन दोनों को पकड़कर कोतवाली पुलिस को सौंप दिया था।

सदर कोतवाली में मौजूद गिरफ्तार आरोपी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम संजय नाथ पुत्र बलविंदर सिंह निवासी पथौड़ और दीपक नाथ पुत्र राजविन्दर नाथ निवासी ठिकरीवाला थाना सदर जिला बरनाला पंजाब बताया।

शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पॉकेट पर्स, एक आधार कार्ड, एक एटीएम कार्ड, 04 विजिटिंग कार्ड व 4500 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस अब दोनों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर कॉल डिटेल निकलवा रही है। साथ ही दोनों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।

NOTICE

I solely informed that my Son Prashant Kumar Rana S/o Karan Singh Rana but in school record my name is Karan Singh and his mother's name is Savitri Devi instead of Savitri Devi Rana. please it is read as Prashant Kumar Rana S/o Karan Singh Rana and his mother's name is Savitri Devi. Karan Singh Rana S/o Sadhu Ram Rana resident & village and P/O Dhakhiya Tahsil paliya Kalan District Lakhimpur kheri, Uttar. Pradesh.

NOTICE

To be informed in my D L No. UP25 20160017379 my name & fathers name wrongly entered as Asiv S/o Mohd Yaseen but correet my name & father name is Mohd Asif Ali S/o Yaseen. For all futures purpose, Add, Kargaina Post. Kareli Dist. Bareilly (UP).

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हाईस्कूल अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र में ऋषि कुमार गुप्ता दर्ज हो गया है जबकि आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों में ऋषि गुप्ता है, जो सही है। भविष्य में मुझे ऋषि गुप्ता नाम से जाना व पहचाना जाए। **ऋषि गुप्ता पुत्र महेंद्र कुमार गुप्ता निवासी मोहल्ला रानीगंज शहर लखीमपुर खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपने सगे पुत्र मो. जाहिद व पुत्रवधू शमा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रसीतन पत्नी मरहूम शेर मोहम्मद निवासी- 283/4, एजाजनगर गौटिया, थाना बारादरी, जिला बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

जालसाजी : दूसरी महिला को खड़ा कर बिकवाई जमीन

संवाददाता, धौरहरा

- दो बार हुआ फर्जी बैनामा, कागजों से नाम गायब, खेत में खड़ा है गन्ना

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र में जालसाजों ने जमीन की मूल स्वामिनी की जगह दूसरी महिला को खड़ा कर फर्जी तरीके से बैनामा करवा दिया। यही नहीं, इसके बाद उसी जमीन का एक और बैनामा भी कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि दोनों ही मामलों में दाखिल-खारिज की प्रक्रिया भी पूरी कर दी गई, जबकि जमीन पर मूल स्वामिनी का ही कब्जा बना रहा और खेत में उसका बोया हुआ गन्ना आज भी खड़ा है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता खतौनी निकलवाने के लिए तहसील पहुंची। अभिलेख देखने पर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई, जब कागजों में उसका नाम पूरी तरह गायब मिला। इसके बाद से पीड़िता न्याय की आस में तहसील व अधिकारियों की चौखट पर चक्कर काटने को मजबूर है।

तहसील क्षेत्र के गांव बम्हौरी निवासी सावित्री देवी ने बताया कि उनके जेठ परमेश्वर ने वर्ष 2023 में दानपत्र के माध्यम से बसंतापुर-रेहुआ मुख्य मार्ग पर स्थित अपनी करीब नौ डिसमिल भूमि उनके नाम कर दी थी। दानपत्र के आधार पर विधिवत खतौनी में जमीन सावित्री देवी के नाम दर्ज हो गई थी और वह लगातार उस जमीन पर काबिज भी थीं। आरोप है कि 20 सितंबर 2023 को जालसाजों ने सावित्री देवी के स्थान पर किसी दूसरी महिला को रजिस्ट्री कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया और खुद को सावित्री देवी बताकर उक्त जमीन का बैनामा खानीपुर नकहा निवासी श्यामू के नाम करा दिया। इस फर्जी बैनामे में धौरहरा क्षेत्र के चिकनाजती निवासी पुष्पेंद्र कुमार तथा पीलीभीत जिले के कबीरगंज श्रीनगर निवासी अभय सिंह गवाह बने। फर्जी बैनामे के करीब नौ महीने बाद श्यामू ने उसी जमीन का दूसरा बैनामा बम्हौरी गांव निवासी मालती देवी के नाम कर दिया। इस बार बैनामे में गांव के ही राजाराम और उनके पुत्र विजय पाल गवाह बने। दोनों बार न केवल बैनामा हुआ, बल्कि राजस्व अभिलेखों में दाखिल-खारिज की कार्रवाई भी पूरी कर दी गई।

पीड़िता सावित्री देवी का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के बावजूद जमीन पर आज भी उन्हीं का कब्जा है और खेत में गन्ने की फसल लहलहा रही है। उन्हें न तो किसी ने कब्जा दिलाने का प्रयास किया और न ही कभी जमीन बिकने की कोई जानकारी दी गई। इसके बावजूद कागजों से उनका नाम पूरी तरह हटा दिया गया, जो राजस्व तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पीड़िता ने मामले की शिकायत उप जिलाधिकारी धौरहरा शशिकांत मणि सहित अन्य उच्च अधिकारियों को लिखित प्रार्थना पत्र देकर की है और फर्जी बैनामों को निरस्त कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

> मामला संज्ञान में है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
> –शशिकांत मीणा, एसडीएम।

जमीन की रंजिश के चलते बांका-तलवार से हमला

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के गांव मटेहिया में जमीन के विवाद को लेकर गन्ना भरने के दौरान हुए विवाद में चार हमलावरों ने दो भाइयों को बांका व तलवार से हमला कर घायल कर दिया। घटना में दोनों भाई घायल हो गए। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव मटेहिया निवासी ओम प्रकाश ने बताया कि सोमवार को वह अपने खेत में ट्राली में गन्ना भरने गया था। इसी दौरान गांव के रामप्रसाद, हरिओम, राहुल व पारुल ने जमीन की रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसे और लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोप है कि हरिओम ने बांका से ओम प्रकाश के सिर पर वार किया, जिससे सिर व दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे सगे भाई चंद्र प्रकाश पर राम प्रसाद ने तलवार से हमला कर दिया, जिससे उसका दाहिने हाथ जख्मी हो गया। आरोपी दबंग किस्म के लोग हैं और घटना के बाद जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

हेड कांस्टेबल के खाते से उड़ाए 98 हजार

बरेली, अमृत विचार : पुलिस लाइन के पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात हेड कांस्टेबल इदरीश खान ने बताया कि 11 नवंबर को उसके बैंक खाते से बिना किसी मैसेज और कॉल आए अचानक से रुपये कटने शुरू हो गए। इसके बाद पांच बार में उसके खाते से 98999 रुपये कट गए। पैसे कटने के बाद उसने तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद 25 हजार रुपये साइबर क्राइम टीम ने होल्ड करा दिए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंद मकान से नकदी समेत लाखों के सोने-चांदी के जेवर ले गए चोर

छत पर पड़ी टिन उखाड़कर घर में घुस गए, सीसीटीवी कैमरे भी किए क्षतिग्रस्त

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली सदर खीरी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शहर से सटे गांव उदयपुर महेवा में बंद मकान में छत पर पड़ी टिन उखाड़कर घर में घुसे चोर 40 हजार रुपये और लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

गांव उदयपुर महेवा निवासी अमित वर्मा ने बताया कि 14 जनवरी को वह अपने परिवार के साथ ससुराल बेचेपुरवा गए थे। जब वह परिवार समेत जब घर लौटे तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। मकान की छत पर लगी टिन की चादर उखड़ी हुई थी और अंदर अलमारी टूटी पड़ी थी। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी क्षतिग्रस्त थे।

पीड़ित के अनुसार चोरों ने अलमारी से 40 हजार रुपये, उनकी पत्नी के जेवरात चोरी कर लिए। चोरी गए आभूषणों में एक सोने की चेन, एक सोने का झाला, तीन जोड़ी पायल, दो बच्चों के सोने के पेंडल, एक जोड़ी कान के कुंडल, तीन नाखूनी और दो जोड़ी बिछिया शामिल हैं। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच सत्येंद्र कुमार वर्मा को सौंपी है। शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की जा रही है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा करने का दावा किया जा रहा है।

क्षेत्र में दहशत, पुलिस गश्त की मांग

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रीय लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त न के बराबर है, जिससे चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

आंगनबाड़ी केंद्र से एलसीडी व रिमोट चोरी

खमरिया, अमृत विचार : ग्राम पंचायत मूड़ी निवासी विलकिस खातून ने बताया कि वह खमरिया कला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री हैं। उन्होंने बताया कि जब वह अपने केंद्र पर पहुंचीं तो केंद्र का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो वहां लगा एलसीडी टीवी और रिमोट गायब था। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री की तहरीर पर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच संतराम को सौंपी है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

आईआईटी रुड़की ने अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

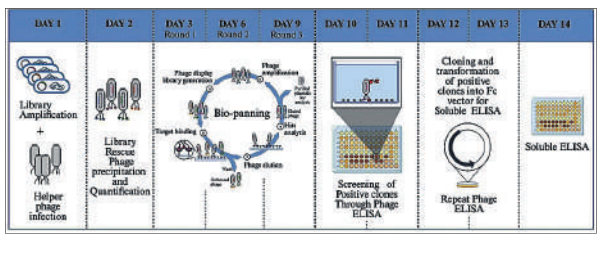

- **अनुसंधान में राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के निदान को रूपांतरित करने की क्षमता**
- **अति-विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित अनुसंधान**

अमृत विचारः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा, महामारी की तैयारी और स्वदेशी जैवप्रौद्योगिकी नवाचार की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है जिसके अंतर्गत एक अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया है, जहां राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता है।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया यह महत्वपूर्ण अनुसंधान एक अति विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित है। यह मंच संक्रामक रोगों, कैंसर, स्वप्रतिरक्षी विकारों और उभरते रोगजनकों सहित व्यापक लक्ष्यों के विरुद्ध अत्यधिक स्थिर और उच्च आसक्ति एंटीबॉडी की तीव्र पहचान को सक्षम बनाता है। खोज समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से कम करके यह नवाचार स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान एक महत्वपूर्ण अंतर को संबोधित करता है।

आईआईटी रुड़की के जैवविज्ञान और जैवअभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार ने बताया कि, यह कार्य उस विज्ञान के प्रति आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो प्रत्यक्ष रूप से समाज की सेवा करता है।

> यह विकास दर्शाता है कि कैसे मौलिक अनुसंधान, अनुवादात्मक उद्देश्य और उद्योग सहयोग के साथ मिलकर तात्कालिक सामाजिक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। आईआईटी रुड़की ज़िम्मेदार और प्रभावशाली स्वास्थ्य नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने वाले समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। – **प्रो . केके पंत**, निदेशक, आईआईटी रुड़की

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 06/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से **''खुली''** निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : (1) इज्जतनगर मंडल में वमंइं/II के अधिकार क्षेत्र में एन.एस.जी.-3 से एन.एस.जी.-6 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान। (2) इज्जतनगर मंडल में वमंइं/II के अधिकार क्षेत्र में समपारों पर ओवरहेड टैंक के साथ टैप वॉटर की आपूर्ति का प्रावधान (20% सौर पैनल सहित), **अनुमानित लागत** : रु. 6,82,90,538.88, **बयाना राशि** : रु. 4,91,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 माह। **क्र. सं. : 2, कार्य का विवरण :** कानपुर-अनवरगंज-मथुरा अनुभाग में स्वीकृत ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के अंतर्गत इन-सीटू ग्लूड जॉइंट्स का प्रावधान, **अनुमानित लागत** : रु. 1,26,55,484.58, **बयाना राशि** : रु. 2,13,300/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह।

1. ई-निविदा दिनांक 13.02.2026 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) इज्जतनगर
मुजाधि/डब्ल्यू-421

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

वकील ने चौकी इंचार्ज पर लगाए आरोप

बरेली, अमृत विचार : अधिवक्ता ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत करते हुए चौकी इंचार्ज की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के अंगूरी गांव निवासी अधिवक्ता विशाल गोस्वामी ने बताया का आरोप है कि उन्होंने सुभाषनगर थाने के एक चौकी इंचार्ज पर आरोप लगाते हुए एसएसपी कार्यालय में शिकायत की है।

मरौरी क्षेत्र पंचायत बैठक में 83 प्रस्ताव पारित

क्षेत्र पंचायत बैठक को संबोधित करतीं ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः मरौरी ब्लॉक सभागार में ब्लाक प्रमुख की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने विकास संबंधी प्रस्ताव रखे। बैठक में विकास से जुड़े 83 कार्यों के प्रस्ताव पारित किए गए।

मरौरी ब्लॉक सभागार में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने की। सर्वप्रथम पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई। इसके बाद संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में शासकीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में 64 ग्राम प्रधान और 77 क्षेत्र पंचायत सदस्य शामिल हुए। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने संबंधित क्षेत्रों के विकास संबंधी प्रस्ताव रखे। बैठक में कुल 83 कार्यों के प्रस्ताव पारित किए गए।

गणित मॉडल में प्रत्युष, पोस्टर में राजकुमार प्रथम

संवाददाता, औरंगाबाद

मॉडलों का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि बलवीर सिंह आदि। ● अमृत विचार

- **हर्ष को दूसरा स्थान, प्रतियोगिता में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग**

अमृत विचारः जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में मंगलवार को कस्बे के जिला पंचायत इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित मॉडल एवं पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमें तहसील मितौली सहित विभिन्न विद्यालयों के 200 से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया। गणित मॉडल में प्रत्युष और पोस्टर प्रदर्शनी में राजकुमार को पहला स्थान मिला। गणित विशेषज्ञ अतुल अवस्थी ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जानकारी दी। उन्होंने गणित को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए इसके प्रयोगात्मक पक्ष को समझाया।

मुख्य अतिथि बलवीर सिंह प्रबंधक राजा लोने सिंह इंटर कॉलेज मितौली ने मॉडल व पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि गणित को यदि प्रयोगों और मॉडलों के माध्यम से पढ़ाया जाए तो यह सबसे सरल और रोचक विषय बन जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने मॉडलों में और सुधार करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य मयंक मिश्र ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक और वैज्ञानिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के भीतर नवाचार, तार्किक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। बाल वैज्ञानिकों ने अपने नवोन्मेषी गणित एवं विज्ञान मॉडल तथा पोस्टर प्रस्तुत किए। जिसमें श्रीपाल सिंह विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मैगलगंज प्रत्युष को प्रथम, सेक्रेट हार्ट इंटर कॉलेज मैगलगंज के हर्ष वर्मा को द्वितीय और राजकीय इंटर कॉलेज ढखिया के आदर्श को तृतीय स्थान मिला। संत्वाना पुरस्कार जिला पंचायत इंटर कॉलेज कस्ता अमरजीत, जिला पंचायत इंटर कॉलेज औरंगाबाद की सविता सिंह को मिला। पोस्टर प्रदर्शनी में राजा लोने सिंह इंटर कॉलेज के छात्र राजकुमार पहले, कार्तिक बाजपेई दूसरे और कृष्णा पब्लिक स्कूल के ट्विंकल तीसरे स्थान पर रहे।

सांत्वना पुरस्कारःस्वामी महेश इंटर कॉलेज के सुमित और राधे रमन सोना देवी सरस्वती विद्या मंदिर कस्ता के सुमित अनमोल को मिला। मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र, मेडल एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन मुनेंद्र कुमार एवं अंकित अवस्थी ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य उत्तम मिश्र , डॉ. दिग्विजय सिंह , लोकेश कुमार, आदेश कुमार सागर, राजीव पांडेय, सुरेंद्र पाल, रमन गुप्ता, अरविंद राठौर सहित आदि मौजूद रहे।

उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
CIN: U65922HR2016PTC057984
पंजीकृत कार्यालय: यूनिट नंबर 2009-14, 20वीं मंजिल, टॉवर-2, मैग्रम ग्लोबल पार्क, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर 58, गुरुग्राम-122011

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु अनुवर्ती बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत नियम 8(5) के साथ पठित नियम 8(6) के अधीन अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना।
एतद्वारा आम जन को तथा विशेष रूप से नीचे उल्लिखित तालिका में दर्शाए गए उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पक्ष में बंधक/आवेशित है तथा जिसका **भौतिक कब्जा मेसर्स उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड**, सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा दिनांक **16.01.2026** को ऋण के असाइनमेंट के परिणामस्वरूप लिया जा चुका है, कंपनी की देयताओं की वसूली हेतु दिनांक **26.02.2026 को "जैसी है जहाँ है", "जैसी है जो है" तथा "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेची जाएगी।

ज्ञात दायित्वों (यदि कोई हों) सहित अचल संपत्ति का विवरण:
समस्त वह भूमि एवं भवन का भाग, जो भूमि के भाग पर निर्मित एक आवासीय मकान है, प्लॉट संख्या 30 एवं 31 पर स्थित, जिसका क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर है, खसरा संख्या 63, ग्राम परतापुर चौधरी, तहसील एवं जिला बरेली, उत्तर प्रदेश में अवस्थित। **जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं— पूर्वः** प्लॉट संख्या 38 एवं 39, राम प्रसाद का हॉल/मकान, **पश्चिमः** आराजी गुरदयाल सिंह, चमन लाल का प्लॉट, **उत्तरः** चमन लाल का मकान, जो गुरदयाल सिंह की आराजी पर निर्मित है, **दक्षिणः** 16 फीट चौड़ी सड़क, टकेचंद एवं लडैती देवी का मकान

उधारकर्ता और गारंटर का नाम और पता	1. नीलामी की तिथि और समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. संपत्ति निरीक्षण की तिथि और समय	1. आरक्षित मूल्य 2. संपत्ति का ईएमडी 3. बोली वृद्धि
1. सतीश कुमार, पुत्र राधेश्याम लाल (उधारकर्ता), 2. लता, पत्नी सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता), 3. सौरभ कश्यप, पुत्र सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता) उपरोक्त सभी का निवास पता: मकान संख्या 75/सी, रोड संख्या–07, गुड शेफर्ड स्कूल के निकट, कृष्णा नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश–243122, साथ ही पता: इज्जतनगर रेलवे वर्कशॉप, रोड संख्या–7, इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश–243122 ऋण खाता संख्या: LXBAR02923- 240025154, ऋण अनुबंध की तिथि: 28 मई 2023, ऋण राशि: ₹ 24,00,000/-, दिनांक 19-01-2026 तक कुल देय राशि: ₹ 25,20,591/- तथा 20-01-2026 से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार अतिरिक्त देय।	1) नीलामी की तिथि: 26.02.2026, समय: अपराह्न 12:00 बजे से 1:00 बजे तक (प्रत्येक बार 5 मिनट का असीमित विस्तार) 2) केवाईसी सहित ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि: 24.02.2026 को सायं 7:00 बजे तक (भा. मा. स.) 3) निरीक्षण की तिथि: 21.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक (भा. मा. स.)	1. आरक्षित मूल्य: ₹ 21,00,000/- 2. बयाना राशि: ₹ 2,10,000/- 3. बोली वृद्धि राशि: ₹ 15,000/- एवं इसके गुणकों में

स्थान : गुड़गांव,
दिनांक : 21.01.2026

प्राधिकृत अधिकारी, गौरव त्रिपाठी मोबाइल- 9650055701
उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड शाहजहाँपुर

ई–निविदा सूचना संख्या–04/अधि0अभि0/2025–26
(ई–टेंडरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की निविदा)

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निविदा, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 10:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 11:30 बजे गठित समिति के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर में ऑनलाइन खोली जायेगी। निविदा दिनांकः 24.01.2026 को अपरान्ह02:00 बजे से दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 10:30 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी, अथवा अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (जी0एस0टी0+स्टेशनरी सहित)(रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	1	बमरौली ड्रेन के किमी0 0.000 से 12.000 तक सफाई का कार्य।	4.13	0.09	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
2	2	जमुनिया ड्रेन के किमी0 0.000 से 23.940 तक सफाई काकार्य।	8.02	0.17	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
3	3	बरेन्डा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
4	4	जलालाबाद ड्रेन के किमी0 0.000 से 10.810 तकसफाई का कार्य।	3.63	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
5	5	नरायनपुर ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.740 तक सफाई का कार्य।	2.59	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
6	6	गुमटा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
7	7	बरखेड़ा ड्रेन के किमी0 0.000 से 9.450 तक सफाई का कार्य।	3.17	0.07	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
8	8	जौरा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
9	9	भख्शी ड्रेन के किमी0 0.000 से 29.200 तक सफाई का कार्य।	29.50	0.60	02 सप्ताह	(300+54+500)= 854.00	बी एवं उच्च
10	10	डूंडा ड्रेन के किमी0 0.000 से 20.110 तक सफाई का कार्य।	6.74	0.14	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
11	11	देवतारा ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.640 तक सफाई का कार्य।	2.56	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
12	12	निगोही ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.440 तक सफाई का कार्य।	2.56	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
13	13	मरेना ड्रेन के किमी0 0.000 से 20.110 तक सफाई का कार्य।	6.81	0.14	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
14	14	खजुआ ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.100 तक सफाई का कार्य।	3.72	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
15	15	भख्शी ड्रेन के किमी0 29.250 से 52.000 तक सफाई का कार्य।	20.51	0.42	02 सप्ताह	(300+54+500)= 854.00	सी एवं उच्च
16	16	गरई ड्रेन के किमी0 18.500 से 31.000 तक सफाई का कार्य।	12.04	0.25	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च

यह निविदा/बिड सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http//etender.up.nic.in व सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://irrigation.up.in पर उपलब्ध है, तथा निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्ते वेबसाइट पर व कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड शाहजहाँपुर के नोटिस पर चस्पा है।

UP – 244168 **दिनांक:** 19/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधिशासी अभियन्ता
शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर

खनन माफियाओं ने बर्बाद की सड़क

संवाददाता, मझगईं

- **गड्ढों में तब्दील सड़क से वाहन चालकों को हो रही परेशानी**

खनन में लगे वाहनों से गड्ढों में बदला निर्माणाधीन मार्ग।

अमृत विचारः बेला खुर्द से बड़े बेला कलां को जोड़ने वाली निर्माणाधीन डामर सड़क खनन माफियाओं की मनमानी के चलते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो जाने से आवागमन बाधित हो गया है और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों के अनुसार बेला खुर्द गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के पास एक खेत से खनन माफिया ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से मिट्टी भरकर खुलेआम बिक्री कर रहे हैं। खेत सड़क से काफी नीचे हो जाने के कारण जब भारी वाहन सड़क पर चढ़ते-उतरते हैं तो सड़क टूटकर गड्ढों में तब्दील हो जाती है। बताया गया कि गांव से बड़े बेला कलां तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा था और मौरंग-पत्थर डालने के बाद आवागमन सुगम हो गया था, लेकिन खनन माफियाओं ने तीन स्थानों पर सड़क को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि अब हालात ऐसे हैं कि दोपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। आए दिन बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का आरोप है कि त्रिलोकपुर, बेला खुर्द और बड़े बेला गांव में दिन-रात बड़े पैमाने पर मिट्टी व बालू का अवैध खनन किया जा रहा है। खनन माफिया बाजारों और गांव की गलियों में तेज रफ्तार से मिट्टी व बालू से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दौड़ा रहे हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। वहीं क्षेत्रीय लेखपालों का कहना है कि उनके क्षेत्र में कहीं भी अवैध खनन नहीं हो रहा है, और यदि कहीं खनन पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गिरवी रखा नौ तोला से अधिक सोना लौटाने से इनकार

संवाददाता, मझगईं

- **जातिसूचक गालियां व धमकी का आरोप, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार**

अमृत विचारः मझगई थाना क्षेत्र के गांव बघैया निवासी श्याम किशोर ने सिंगाही निवासी एक सोने-चांदी के व्यापारी पर गिरवी रखे गए नौ तोला से अधिक सोने के जेवर वापस न करने का आरोप लगाया है। सिंगाही पुलिस के कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

श्याम किशोर ने बताया कि मार्च 2022 में उसकी मां को अचानक हृदयाघात हो गया था, जिनके इलाज के लिए मजबूरी में उसने 8 मार्च 2022 को सिंगाही कस्बे के वार्ड नंबर-12 निवासी एक सोने-चांदी की दुकान पर 17 ग्राम सोने की एक चेन गिरवी रखी। इसके बदले उसे 50 हजार रुपये 3 प्रतिशत मासिक ब्याज पर दिए गए। इस दौरान मझगई निवासी शिशु कान्त और अयोध्यापुरवा निवासी ध्रुव कुमार मौजूद थे। इलाज में और धन की जरूरत पड़ने पर उसने 9 मई 2022 को दोबारा जाकर करीब 7.5 तोला सोने के अन्य आभूषण गिरवी रखे। इनमें दोहार, जोड़ झाला, मर्दानी चेन, मांग टीका, पेंडिल माला, चार चूड़ियां और एक मर्दानी अंगूठी शामिल थीं। इसके बदले उसे 2 लाख 20 हजार रुपये 3 प्रतिशत मासिक ब्याज पर दिए गए। ये सभी आभूषण उसकी मां, पत्नी और बहनों के थे।

पीड़ित का आरोप है कि सरकारी टैक्स से बचने और अपनी कथित ईमानदारी का हवाला देते हुए गिरवी रखे गए आभूषणों की कोई रसीद नहीं दी। उन्हें आश्वासन दिया था कि भुगतान होने पर सारा सामान सुरक्षित वापस कर दिया जाएगा, भले ही रुपये लौटाने में कुछ देरी हो जाए। उसने बताया कि 12 अगस्त 2025 को वह अपने साथियों शिशु कान्त और ध्रुव कुमार के साथ साहूकारों के पास पहुंचा और 60 हजार रुपये ब्याज के रूप में नकद अदा किए। उसने शेष मूलधन व ब्याज चुकाकर गिरवी रखे आभूषण वापस लेने की बात कही।

इसी दौरान उसे संदेह हुआ कि उसके आभूषण या तो गला दिए गए हैं या बेच दिए गए हैं। आरोपियों ने जेवर लौटाने से साफ इनकार कर दिया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकियां दी और जातिसूचक शब्द कहे। तहरीर देने के बाद भी सिंगाही पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित ने एसपी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्याः– 841/न.पा.परि.पू./2025–26 **नोटिस** दिनांकः 19.01.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला पीलीीीीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/ वारिसान/ अन्य के आधार निम्न प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अतः नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावन हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार हैः–

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
838	चौक	सुल्तान एण्ड सन्स, सुल्तान अहमद खान, शफीक अहमद खान पुत्रगण शाह मोहम्मद खान व सईद अहमद पुत्र सुल्तान अहमद खान, इकबाल अहमद खान पुत्र दानिशमंद खान व अफाक अहमद खान पुत्र मसूद अहमद खान व फारूक अहमद खान पुत्र सईद अहमद खान व अकील अहमद खान पुत्र सुल्तान अहमद खान	शबाना सईद, एजाज सईद पत्नी मोहम्मद आसिफ, इलयास बेगम पत्नी अतीकुद्दीन, महर जहां पत्नी फारूख अहमद खां, शाहनवाज खां पुत्र फारूक अहमद खां व अहलम फारूक, अरशम फारूख पुत्रीगण स्व. फारूख अहमद खां व फरहत तबस्सुम पत्नी स्व. अफजाल अहमद खां व उजैर अहमद पुत्र स्व. अफजाल अहमद खां व मुनव्वर जमाल पत्नी स्व. आफाक अहमद खां व अरबाब अहमद खां पुत्र स्व. आफाक व असना आफाक व अनिका आफाक पुत्रीगण स्व. आफाक अहमद खां व मीना पत्नी स्व. मोहसिन अली व असमा पत्नी डॉ. नईम खां व जेबा पत्नी सबीहउद्दीन पुत्रीगण स्व. अकील अहमद खां व महजबीन पत्नी स्व. जावेद खां, जफर पुत्र स्व. अकील अहमद खां व फिरोज अहमद खां व अफरोज अहमद खां व इमरोज अहमद खां पुत्रगण स्व. शफीक अहमद खां व नासरा पत्नी शब्बन मियां व यासमीन खानम पत्नी तसलीम उल्ला खान पुत्रीगण स्व. शफीक अहमद खां व इजहार अहमद खां पुत्र स्व. इकबाल अहमद खान व राना इकबाल पत्नी अब्बुल हसन खां व नसरीन इकबाल पत्नी अब्दुल रब खां पुत्रीगण स्व. इकबाल अहमद खान, फरहीन फैज पत्नी मो. यासीन खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल व इकरा फैज पत्नी तनवीर अहमद खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल व सिदरा फैज पत्नी मो. आमिल खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल पुत्रीगण स्व. इकबाल अहमद खान	मृत्यु प्रमाण/पत्र/वारिसान प्रमाण पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, पूरनपुर (पीलीभीत)

संजय बने निर्विरोध अध्यक्ष

भाजपा नेता संजय कुमार गुप्ता को प्रमाण पत्र देते चुनाव अधिकारी। ● अमृत विचार

अमरिया, अमृत विचारः भाजपा नेता संजय कुमार गुप्ता मंगलवार को भूमि विकास बैंक लिमिटेड की अमरिया शाखा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने दोपहर में पर्चा भरा और शाम तक विरोध में किसी के पर्चा दाखिल न होने पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, भाजपा जिला महामंत्री लेखराज भारती, चेयरमैन गन्ना विकास समिति भुड़िया अमरिया महेन्द्र गंगवार , प्रधान केवल सिंह ,मानसिंह राठौर, विकास गुप्ता, सुशील गुप्ता, डॉ. मेजर सिंह, कुन्दन लाल, सत्य पाल गंगवार, हरगोविंद सिंह, ललित गुप्ता,सुमित गुप्ता अन्ना, मनोज गंगवार आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बदायूं में रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: एंटी करप्शन टीम ने बदायूं के तहसील बिसौली में तैनात लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी लेखपाल बदायूं जिले के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के निवासी ओमप्रकाश से वर्ष 2015 में आवंटित आबादी के प्लॉट पर कब्जा दिलाने के एवज में अवैध धनराशि की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बरेली इकाई ने निरीक्षक इस्तियाक वारसी के नेतृत्व में ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को टीम ने फैजगंज बेहटा क्षेत्र के बाहर नव-निर्मित गौशाला के पास से लेखपाल को रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और रिश्वतखोरी में संलिप्त किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध: नरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और बाधारहित जीवन देने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने योजना भवन, लखनऊ में आयोजित दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में कही। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विधायकों और बोर्ड सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए, जिन पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नीतिगत निर्णय लिए गए। मंत्री कश्यप ने कहा कि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक समयबद्ध, निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि पेंशन भुगतान या अन्य लाभों में किसी भी प्रकार की देरी और लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रुपये प्रतिमाह (12,000 रुपये वार्षिक) भरण-पोषण पेंशन दी जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पहले यह राशि मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी।

प्रोजेक्ट टाइगर-एलीफेंट को 23.19 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ: वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र प्रायोजित "प्रोजेक्ट टाइगर एंड प्रोजेक्ट एलीफेंट" योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केंद्रीय सहायता की प्रथम किस्त के उपयोग हेतु कुल 23 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह धनराशि राजस्व एवं पूंजीगत मदों में पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय की जाएगी। शासन के उप सचिव विनय कुमार पाठक की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह स्वीकृति वित्त विभाग की अनुमति के क्रम में दी गई है। धनराशि प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के निवर्तन पर रखी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस वित्तीय स्वीकृति से प्रदेश में बाघ और हाथी संरक्षण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा और रोजगार प्रशिक्षण के लिए 102.33 स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल कल्याण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इन आदेशों से जहां आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास सेवा) के तहत पोषण एवं सेवाओं को गति मिलेगी, वहीं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-83 के तहत 82.04 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। यह धनराशि केन्द्र प्रायोजित आईसीडीएस योजना के लिए एसएनए (सिंगल नोडल एजेंसी) खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसमें केन्द्रांश 49.22 करोड़ और राज्यांश 32.81 करोड़ रुपये शामिल है। दूसरे शासनादेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना के लिए 20.29 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। यह राशि 100% केंद्रांश पर आधारित है और अनुदान संख्या-13 के तहत एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से जारी की जाएगी।

अप्रैल से जुलाई तक कराए जाएंगे टीईटी, टीजीटी और पीजीटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ प्रयागराज

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने लंबे इंतजार के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टीईटी, टीजीटी, पीजीटी और सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा की गई। जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच परीक्षाएं होंगी।

आयोग के अनुसार, लंबे समय से अटकी भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए परीक्षाएं चरणबद्ध ढंग से कराई जाएंगी। सभी परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएंगी। परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को समय से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर कराई जाएंगी और किसी भी तरह की अफवाहों से बचने के लिए अभ्यर्थी केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने जारी किया कैलेंडर

परीक्षा की संभावित तिथियां

- सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) : 18-19 अप्रैल 2026
- प्रवक्ता पीजीटी (विज्ञापन संख्या-02/2022) : 9-10 मई 2026
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी (विज्ञापन संख्या-01/2022) : 3-4 जून 2026
- यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी 2026) : 2, 3 और 4 जुलाई 2026

तीन साल बाद यूपी में टीईटी

- यूपी में आखिरी बार टीईटी परीक्षा 21 जनवरी 2022 को हुई थी। इससे पहले 28 नवंबर 2021 को प्रस्तावित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद प्रशासनिक कारणों से परीक्षा लगातार टलती रही, जिससे लाखों अभ्यर्थी असमंजस में थे। अब परीक्षा कैलेंडर जारी होने से अभ्यर्थियों में तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

बिना टीईटी पास शिक्षक योग्य नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर स्पष्ट किया है कि बिना टीईटी उत्तीर्ण किए कोई भी शिक्षक योग्य नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर उन्हें इस्तीफा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें इस शर्त से राहत दी गई है। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर यह आदेश लागू होगा या नहीं, इस पर निर्णय बड़ी पीठ करेगी। इस फैसले का असर देशभर में करीब 10 लाख और अकेले यूपी में लगभग 2 लाख शिक्षकों पर पड़ने का अनुमान है।

लविवि में समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सार्वजनिक स्थलों की खराब स्थिति पर एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने डीन छात्र कल्याण अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान गेट संख्या 1 से कैशियर कार्यालय तक सड़क के किनारे लगे वृक्षों के चबूतरे पर आकृष्ट किया जिनमें टूटफूट हो रही है। छात्रों ने अपने ज्ञापन में कहा कि टैगोर लॉन की अधिकांश सीटें पूरी तरह उखड़ी हुई हैं और जगह-जगह मिट्टी और गंदगी फैली हुई है।

विधायी संस्थाओं में पारदर्शिता अपरिहार्य

लोकसभा अध्यक्ष ने दिया जनता के प्रति जवाबदेही तय करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के स्पष्ट मानक, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बदलते समय के साथ विधायिका को नवाचार, प्रौद्योगिकी और दक्ष मानव संसाधन के माध्यम से स्वयं को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देशभर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक-दूसरे से साझा किया जाना चाहिए, ताकि विधायी कार्य अधिक प्रभावी, नागरिक-केंद्रित और परिणामोन्मुख हो सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा द्वारा विभिन्न राज्यों की अच्छी विधायी परंपराओं और प्रक्रियाओं को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करने के प्रयासों की सराहना की। बिरला ने कहा कि विधायकों की शैक्षणिक योग्यता, पेशेवर अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि को पहचानकर यदि उनका रचनात्मक उपयोग किया जाए, तो विधायी चर्चाओं की गुणवत्ता और निर्णयों की प्रभावशीलता कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शी और कुशल विधायी प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक और आधुनिक आईटी टूल्स का उपयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। ई-विधान, डिजिटल रिकॉर्ड, लाइव प्रसारण और नागरिक सहभागिता जैसे उपाय विधायिकाओं को जनता के और करीब लाते हैं। इससे जनता का विश्वास भी मजबूत होता है।

तीन प्रमुख विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

- सम्मेलन के दूसरे दिन तीन अहम विषयों पर पूर्ण सत्रीय चर्चा की गई। पहला विषय था-पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग। दूसरा-विधायकों की क्षमता-वृद्धि के माध्यम से कार्यकुशलता में सुधार और लोकतांत्रिक शासन को और सुदृढ़ करना। तीसरा-जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही। इन सत्रों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श हुआ, जबकि चर्चा का संचालन राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया।

संसद-विधानसभाओं में समन्वय की जरूरत

- राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधायी संस्थाओं की कार्यकुशलता बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के प्रभावी और विश्वसनीय उपयोग के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही संसद और राज्य विधायिका के बीच अधिक समन्वय पर बल देते हुए कहा कि इससे संस्थागत ज्ञान और अनुभव का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा।

सचान की पुत्री-दामाद को दिया आशीर्वाद

- लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान के राजकीय आवास (माल एवेन्यू) पहुंचकर उनकी पुत्री राशि सचान एवं दामाद सौरभ सचान को नवविवाहित जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुख, समृद्धि और सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए परिवार से आत्मीय संवाद किया, जबकि मंत्री राकेश सचान ने उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भोज के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री और अन्य पदाधिकारी।

प्रदेश में बनेगा एक गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर

एएम ग्रीन ग्रुप और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश को वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। एएम ग्रीन ग्रुप ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एक ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 1 गीगावॉट क्षमता का अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो वैश्विक स्तर की एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) जरूरतों को पूरा करेगा।

यह एमओयू विश्व आर्थिक मंच, दावोस में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और एएम ग्रीन ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में हुआ। इस परियोजना में लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 2 लाख करोड़ रुपये) का निवेश प्रस्तावित है, जो अब तक देश के सबसे बड़े डेटा सेंटर निवेशों में से एक माना जा रहा है। परियोजना का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसकी पहली क्षमता वर्ष 2028 तक शुरू होने की संभावना है, जबकि 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एएम ग्रीन ग्रुप के चेयरमैन अनिल चलमालसेट्टी ने कहा कि एआई आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह एक निर्णायक तकनीक होगी। वहीं, एएम ग्रीन के प्रेसिडेंट महेश कोल्ली ने कहा कि ए गीगावॉट कंप्यूट क्षमता को 24×7 ग्रीन पावर के साथ जोड़कर कंपनी वैश्विक एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक नया और टिकाऊ मॉडल तैयार कर रही है।

- 25 अरब डॉलर का निवेश, ग्रेटर नोएडा बनेगा ग्लोबल एआई हब
- वैश्विक स्तर की एआई और एसपीसी जरूरतें होंगी पूरी

एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग को मिलेगी गति

- इस डेटा सेंटर में लगभग पांच लाख अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे। यह केंद्र वैश्विक हाइपरस्केलर्स, फ्रंटियर एआई लैब्स, बड़े उद्यमों और भारत की सॉवरेन एआई पहलों को बड़े पैमाने पर और तेज गति से कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराएगा। एएम ग्रीन का यह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर हब ऊर्जा, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, मीडिया, गेमिंग और सरकारी क्लाउड सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई आधारित समाधानों के विकास में मदद करेगा।

निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगा यूपी

- इस परियोजना से प्रदेश में हजारों उच्च-कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, कूलिंग टेक्नोलॉजी और एआई एप्लिकेशन डेवलपमेंट का एक मजबूत स्थानीय इकोसिस्टम विकसित होगा। साथ ही, यह परियोजना राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नई गति देगी।

कार्बन-फ्री ऊर्जा से संचालित होगा डेटा सेंटर

- परियोजना की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसे 24×7 कार्बन-फ्री ग्रीन एनर्जी से संचालित किया जाएगा। एएम ग्रीन ग्रुप अपनी अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञता से पवन, सौर और पम्पड स्टोरेज समाधानों का उपयोग करेगा। इससे यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगा, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ डिजिटल अर्थव्यवस्था का भी उदाहरण बनेगा।

यमुना को बचाने के लिए 500 किलोमीटर पदयात्रा करेंगी जल सहेलियां

अमृत विचार, लखनऊ: बुन्देलखंड क्षेत्र में पिछले एक दशक से जल संरक्षण के लिए काम कर रहीं जल सहेलियां 29 जनवरी को पंचनद, जालौन- इटावा से यमुना यात्रा शुरू करेंगी। लखनऊ के प्रेस क्लब में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि क्षेत्र की 6 सूखी नदियों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ हजारों तालाबों को बचाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कार्यों की सराहना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी की जा चुकी है। जल सहेलियां लगभग 500 किलोमीटर से अधिक की यमुना यात्रा पर निकल रही हैं। यह यात्रा 29 जनवरी को पचनद से शुरू होकर दिल्ली तक जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को यमुना नदी के प्रति जागरूक करना, उसके संरक्षण, अविरलता और निर्मलता के महत्व को समझाना तथा समाज को इस अभियान से जोड़ना है।

25 जिलों में एक साथ बैठी सीएम युवा हेल्प डेस्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के 25 जिलों में मंगलवार को एक साथ 'सीएम युवा हेल्प डेस्क' का आयोजन किया गया, जिसने युवाओं में उद्यम स्थापित करने को लेकर उत्साह और भरोसा पैदा किया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यूपीकॉन के माध्यम से संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस व्यापक आयोजन के दौरान युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना (सीएम युवा योजना) के तहत उपलब्ध सुविधाओं, ऋण व्यवस्था और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। महज कुछ ही घंटों में 1072 इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों ने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जो यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर युवा अब स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

सीएम युवा हेल्प डेस्क में जानकारी लेते युवक और युवतियां। अमृत विचार

45 पॉलीटेक्निक में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वीकृत हुई 159.01 करोड़ की पहली किस्त, 318.03 करोड़ का प्रावधान
- टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग तकनीकी शिक्षा को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

अमृत विचार: प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को उद्योगोन्मुख और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड (टीटीएल) के सहयोग से प्रथम चरण में चयनित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापना के निर्माण कार्यों को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके लिए पहली किस्त के 159.01 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए गए हैं।

संयुक्त सचिव प्रभाकर चंद्र मिश्र की ओर निदेशक प्राविधिक शिक्षा को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, ये परियोजना तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इससे पहले सरकार द्वारा 14 नवंबर 2025 को मानकीकृत लागत 706.75 लाख रुपये प्रति संस्थान तय की जा चुकी है। कुल मिलाकर इस योजना के लिए 318.03 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके सापेक्ष पहली किस्त के रूप में यह धनराशि अवमुक्त की गई है।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां, वैधानिक अनापत्तियां और पर्यावरणीय क्लियरेंस प्राप्त किए जाएंगे। परियोजना की गुणवत्ता, मानकों और समयबद्धता की जिम्मेदारी निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश की होगी। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जवाबदेही भी विभागीय स्तर पर तय की गई है।

इन जिलों में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

- पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, जालौन (उरई), महोबा, बांदा, हमीरपुर, औरैया, हरदोई, गोंडा, मैनपुरी, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, शामली, बुलंदशहर, हाथरस, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, बलिया, संत कबीरनगर, सोनभद्र, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, बदायूं, शाहजहांपुर, लखीमपुर-खीरी, अयोध्या, अमेठी, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, गोरखपुर, देवरिया और मिर्जापुर सहित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को शामिल किया गया है। प्रत्येक संस्थान के लिए लगभग 3.53 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है।

उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण

- इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से छात्रों को नई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सीधे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से तैयार पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक लैब, मशीनरी और प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

यूपी दिवस विशेष | योगी सरकार के श्रम, रोजगार, निवेश और सामाजिक सुरक्षा मॉडल से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में अब पलायन नहीं, आत्मनिर्भरता का दौर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी को कभी रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले राज्यों में गिना जाता था, आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशी समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। बीते पौने नौ वर्षों में लागू नीतियों का असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है। युवाओं और श्रमिकों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की मजबूरी नहीं रही। उलटे, पहले बाहर गए अनेक लोग अब अवसरों की तलाश में वापस लौट रहे हैं। पलायन का स्थान आत्मनिर्भरता ने ले लिया है।

औद्योगिक निवेश, एमएसएमई विस्तार, सेवायोजन मेलों और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार बने हैं। बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक गिरावट आई है और लाखों युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्र में काम मिला है। सेवायोजन विभाग के सेवामित्र पोर्टल पर 53 हजार से अधिक कुशल कामगार पंजीकृत होकर सीधे रोजगार से जुड़ रहे हैं। घर के पास अवसर मिलने से कामकाजी पलायन में निर्णायक कमी आई है।

इन्वेस्ट यूपी के सिंगल-विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाओं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक व डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और लॉजिस्टिक्स हब्स ने उद्योगों को जिलों तक पहुंचाया।

- रोजगार सृजन से लगा पलायन पर ब्रेक, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर बने विकास की रीढ़

दुर्घटना, मृत्यु और दिव्यांगता पर आर्थिक संबल

- सरकार ने मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया है। कार्यस्थल पर मृत्यु पर 5 लाख रुपये, स्थायी दिव्यांगता पर 3 लाख रुपये, आंशिक दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये, पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना से मृत्यु पर 5 लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये और 25,000 रुपये अंत्येष्टि सहायता समेत असंगठित श्रमिक की दुर्घटना/मृत्यु पर 1.25 लाख रुपये की मदद के प्रावधानों ने असुरक्षा की भावना को काफी हद तक समाप्त किया है।

पेंशन, बैंकिंग और परिवार सुरक्षा

- प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन, मातृत्व-शिशु-बालिका मदद, निर्माण कामगार सहायता योजनाओं से लाखों लाभान्वित हैं। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत दो बालिकाओं के विवाह पर 55,000-61,000 रुपये तक सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 9.52 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। गंभीर बीमारी में सरकारी अस्पतालों में 100% व्यय प्रतिपूर्ति से श्रमिक परिवारों पर आर्थिक बोझ घटा है।

आज प्रदेश में 30 हजार से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, 2017 से पहले यह संख्या इसकी आधी भी नहीं थी। नतीजतन, स्थानीय स्तर पर स्थायी नौकरियां बनीं और युवाओं को अपने गृह जनपदों में अवसर मिले। योगी सरकार ने रोजगार के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी। पंजीकृत श्रमिकों और कोविड काल में निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां 100-100 बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे श्रमिक परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

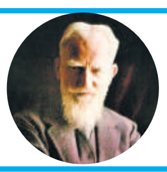

सफलता कभी गलती न करने में निहित नहीं होती, बल्कि एक ही गलती दोबारा न करने में निहित होती है।

–जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, विचारक

चांदी की चकाचौंध

अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष चांदी के भाव 4 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचेंगे। चांदी के दाम में अभूतपूर्व तेजी अब केवल निवेश या कमोडिटी बाजार का विषय नहीं, यह देश में मध्यम वर्ग के घरेलू बजट और सामाजिक जीवन पर सीधा असर डालने वाला मुद्दा बन चुका है। जब महंगाई पहले से ही आम परिवार की क्रय-शक्ति को दबाव में रखे हुए है। ऐसे में चांदी की बढ़ती कीमतें हमारे लिए एक गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। चांदी के बर्तन, दीवाली और विवाह जैसे अवसरों पर उपहार, पूजा-पाठ, देवमूर्ति, अनुष्ठान और आभूषण भारतीय जीवनशैली के अभिन्न हिस्से हैं। इसलिए हमारे यहां चांदी का महत्व सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। ऐसे में चांदी का महंगा होना परंपराओं और रीति-रिवाजों को भी अतिशय महंगा बना देता है। मध्यम वर्ग, जो इन परंपराओं को निभाने के लिए सीमित बचत पर निर्भर रहता है, सबसे अधिक प्रभावित है। चांदी की कीमतों में इस भारी उछाल के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं, उन पर हमारा हस्तक्षेप नहीं के बराबर है। वह चाहे लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी खदानों का पुराना पड़ना और इसका उत्पादन घटना हो अथवा भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक विवादों का बढ़ना। अनिश्चितता और महंगाई के माहौल में देशों व निवेशकों का चांदी का संग्रह हो या फिर चांदी की औद्योगिक मांग का वैश्विक स्तर आसमान छूना। पर्यावरण बचाने की मांग पर प्लांड माइनिंग हो अथवा ज्यादातर देशों का ग्रीन एनर्जी पर ज्यादा केंद्रित होना। यह मांग संरचनात्मक है और निकट भविष्य में घटने वाली नहीं। चूंकि चांदी अक्सर तांबे और जिंक की खुदाई के साथ सह-उत्पाद के रूप में निकलती है, इसलिए जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भी तेजी आना मुश्किल है।

भारत की स्थिति इस संदर्भ में कुछ ज्यादा संवेदनशील है। देश में सालाना चांदी का उत्पादन करीब 800 टन है, जबकि खपत 7,000 टन से अधिक। यानी भारत दुनिया की कुल चांदी मांग का 20-25 प्रतिशत अकेले खींच लेता है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह आयात निर्भरता न केवल कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि चालू खाते के घाटे पर भी दबाव डालती है। बेशक हमें इसका समाधान घर में ही तलाशना होगा। सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने की बात कर रही है, लेकिन अब तक इसका असर सीमित दिखता है। पुरानी चांदी की रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट से रिकवरी और खनन में निजी निवेश बढ़ाने जैसे कदम अब और तेज करने होंगे। कीमतें अंतर्राष्ट्रीय भाव, डॉलर रेट, आयात शुल्क, जीएसटी और स्थानीय लागत से तय होती हैं। सरकार के पास सीमित गुंजाइश है, लेकिन आयात शुल्क या कर ढांचे में अस्थायी छूट देकर घरेलू बाजार को कुछ हद तक राहत दी जा सकती है। हालांकि दीर्घकालिक समाधान आयात निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन और रीसाइक्लिंग बढ़ाने तथा उद्योगों में वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में ही निहित है। तभी आम आदमी के लिए चांदी की चमक बरकरार रह सकेगी अन्यथा उसकी चौंध कष्ट का कारक बनी रहेगी।

प्रसंगवश

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज

निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिश्चित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपनाकर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई क्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं?

खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वर्षीय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एंबेसडर' कहा जाता है, लेकिन वे उस पारंपरिक ज्ञान की प्रतिनिधि हैं, जिसे आधुनिक खेती ने हाशिए पर डाल दिया है। ऐसा ही एक उदाहरण पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव के किसान अमृत चहल का है। वे देसी बीजों और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से भी टिकाऊ है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह दिखाया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला नहीं, बल्कि अपने बीज और बाजार का मालिक भी हो सकता है। 2023 में उन्होंने देसी बीज बैंक की स्थापना की, जहां अनाज, सब्जियों और चारे सहित 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्में संरक्षित हैं। यह फसल विविधता उस खेती की याद दिलाती है, जो कभी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप थी।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिह्नित करती हैं। कभी उन पर राखी बांध दी जाती है, कभी उन्हें अलग कपड़े में सुरक्षित रखा जाता है, ताकि कटाई के समय उनकी अलग से पहचान संभव हो सके। सहेज कर रखे गए यही दाने अगले मौसम के बीज बनते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं। यह सच है कि पारंपरिक बीज कोई चमत्कारी समाधान नहीं हैं, लेकिन वे खेती को कम जोखिम वाला और अधिक आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये बीज स्थानीय जलवायु के अनुरूप होते हैं, कम पानी में टिकते हैं और किसान इन्हें खुद सहेज सकता है। इससे बीज, खाद और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च घटता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार मोटे अनाज कम पानी में उगते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। जब देश की 60 प्रतिशत खेती बारिश पर निर्भर है, तब यह पहलू और महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक देसी बीज केवल खेती या पर्यावरण का विषय नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा से भी जुड़े हैं। देसी बीजों को सहेज रहे किसान केवल अतीत नहीं बचा रहे, बल्कि आने वाले समय की राह तैयार कर रहे हैं। जरूरत है कि सरकार, वैज्ञानिक, किसान संगठन और समाज मिलकर पारंपरिक बीजों को भविष्य की आवश्यकता के रूप में स्वीकार करें, क्योंकि अगर बीज बचेंगे, तभी जीवन बचेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या भाजपा को मिलेगा बहुमत?

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौंकाया है। बीजेपी के प्रति इतना जबरदस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि भगवा पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन अब इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है बीजेपी में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है, तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं गृह मंत्री के हाथों में बीजेपी ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब लोगों में यह उम्मीद बंध गई है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस बार बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी।

बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि टीएमसी बाहर होती है, तो इसके पीछे बीजेपी के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी एक बड़ा कारण होगा। क्योंकि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की स्थानीय लोगों और बीजेपी कार्यकर्त्ताओं में इसी तरह का जज्बात साफ दिखाई दिया था। यह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरुआत थी।

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

अमित शाह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कीं, पार्टी कार्यकर्त्ताओं के साथ-साथ आरएसएस के पदाधिकारियों को भी जाग्रत कर दिया और लगे हाथ, उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी। अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिह्नित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। सबसे ऊपर बीजेपी जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जितने के प्रति आश्वस्त है, वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया?

बीजेपी ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी जिंदगी के लालच में आए थे, लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बीजेपी के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं। देखा जाए तो बीजेपी की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को केवल में 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुईं थी, लेकिन 2021 में 77 सीटों को जीतने में बीजेपी सफल रही। उसी तरह से 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी को 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। बीजेपी अमित शाह के नेतृत्व में बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान बूथों में से बीजेपी ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली हैं और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं।

दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासन काल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। पीएम मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी बीजेपी नेतृत्व इसकी मांग से बच रहा है।

बीजेपी संभवतः यह मान रही है कि 2026 में बंगाल की सीएम ममता नहीं होंगी और टीएमसी के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

आमने सामने

पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों को अपनी प्रशासनिक समस्याओं के लिए बार-बार जम्मू और श्रीनगर नहीं जाना चाहिए। इस इलाके को डिविजन का दर्जा और डिविजनल कमिश्नर स्तर का अधिकारी मिलने से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

–महबूबा मुफ्ती, पीडीपी चीफ

ऐसे सुझाव जम्मू-कश्मीर को कमजोर करने वाले हैं न कि मजबूत करने वाले। लद्दाख के लोगों को आज तक कोई ठोस फायदा नहीं मिला। इस तरह के फैसलों में भावनाओं या राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है।

–फारूक अबदुल्ला, नेता, नेशनल कॉन्फ्रेंस

संकीर्ण सोच और गोद लेने की सामाजिक विडंबना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक

यह हमारे समाज की एक गहरी और पीड़ादायक विडंबना है कि एक ओर अनेक दंपती संतान सुख के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं, मंदिरों-अस्पतालों के चक्कर लगाते हैं, तरह-तरह के उपचार कराते हैं, तो दूसरी ओर हमारे ही समाज में असंख्य ऐसे बच्चे हैं, जो माता-पिता के स्नेह से वंचित, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में बड़े हो रहे हैं। यह विरोधाभास केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उस संकीर्ण सोच का परिणाम भी है, जो आज भी गोद लेने जैसी मानवीय प्रक्रिया को संदेह, शर्तों और पूर्वाग्रहों से घेर देती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े इस सच्चाई को उजागर करते हैं कि गोद लेने की प्रक्रिया में प्रतीक्षा सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इसके बावजूद अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और वे अब भी किसी परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुखद तथ्य यह है कि अधिकांश दंपती नवजात शिशु या अधिकतम चार-पांच वर्ष तक के बच्चों को ही गोद लेना चाहते हैं। जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके लिए परिवार मिलने की संभावनाएं क्षीण होती जाती हैं। यह चयन केवल उम्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रंग-रूप, स्वास्थ्य और कभी-कभी जातीय पृष्ठभूमि तक फैल जाता है।

इस सोच के पीछे भय और असुरक्षा की भावना गहराई से जमी हुई है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा बच्चा आसानी से परिवार में घुल-मिल नहीं पाएगा, उसके स्वभाव में जिद या मानसिक जटिलताएं होंगी या वह माता-पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएगा। जबकि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन बताते हैं कि स्नेह, धैर्य और अपनत्व मिलने पर बड़े बच्चे भी उतनी ही सहजता से नए परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे पहले से समझदार होते हैं, भावनाओं को पहचानते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना लेते हैं। गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, शिक्षा और सुरक्षा तो मिल जाती है, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता, जो किसी परिवार का हिस्सा होने से मिलता है। समय के साथ जब वे देखते हैं कि छोटे बच्चों को गोद ले लिया जाता है और वे स्वयं पीछे छूट जाते हैं, तो उनके मन में हीनता, उपेक्षा और अस्वीकृति की भावना घर कर जाती है।

गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं।

यह प्रश्न गंभीर है कि क्या संतान सुख पाने के लिए केवल अपनी सुविधा और सामाजिक छवि को ही प्राथमिकता देना सही है। क्या उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करना स्वस्थ सामाजिक सोच का प्रमाण है। सच तो यह है कि बच्चा किसी भी उम्र का हो, उसकी सबसे बड़ी आवश्यकता प्रेम, सुरक्षा और पहचान होती है। जब उसे यह एहसास होता है कि कोई उसे अपनाना चाहता है, उसकी जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसका जीवन नई दिशा पा लेता है। यदि निःसंतान दंपती अपनी सोच में थोड़ा-सा बदलाव लाएं और बड़े उम्र के बच्चों को अपनाने का साहस करें, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य संवर सकता है, बल्कि स्वयं दंपती का जीवन भी अर्थपूर्ण बन सकता है।

बड़े बच्चे अक्सर अपनी स्थिति को समझते हैं और माता-पिता के प्रयासों की कद्र करते हैं। वे पढ़ाई, व्यवहार और जिम्मेदारियों को लेकर अधिक सजग होते हैं। सही मार्गदर्शन और प्रेम मिलने पर वे परिवार की मजबूती का आधार बन सकते हैं। समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी गोद लेने को लेकर तरह-तरह की फुसफुसाहटें, सवाल और शंकाएं उठती हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि परिवार खून के रिश्तों से नहीं, भावनात्मक जुड़ाव से बनता है, जब समाज इस सच्चाई को स्वीकार करेगा, तभी गोद लिए गए बच्चों को भी वही सम्मान और समानता मिलेगी, जो जैविक संतान को मिलती है।

अनाथ बच्चों के लिए परिवार मिलना केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। परिवार में शामिल होने पर ये बच्चे स्वयं को मूल्यवान महसूस करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इससे सामाजिक असमानता, अपराध और उपेक्षा की प्रवृत्तियों में भी कमी आ सकती है। इस दिशा में सरकार, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए, ताकि दंपतियों का भय कम हो और वे आगे आने के लिए प्रेरित हों। साथ ही समाज में ऐसे उदाहरणों को सामने लाना आवश्यक है, जहां बड़े उम्र के बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रेम, शिक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन दिया गया हो।

विद्यालयों और सामाजिक मंचों पर गोद लेने को लेकर सकारात्मक संवाद होना चाहिए, जिससे यह भावना विकसित हो कि हर बच्चा अपनाए जाने योग्य है, जब संवेदना, जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टि हमारी सोच का हिस्सा बनेंगी, तभी गोद लेने की प्रक्रिया एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकेगी और असंख्य बच्चों का सूना जीवन आशा से भर उठेगा। अनाथ बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जीवन देने के लिए सोच में परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति उसके व्यवहार से होती है।

सोशल फोरम

एक साथ नहीं मिल सकते सुखभोग और आत्मगौरव

आज समाज में भोगी और कामी (स्त्री और पुरुष दोनों) का इतना महिमामंडन क्यों किया जाने लगा है? महिमामंडन तो त्यागी और संयमी का होना चाहिए न? भोगी और कामी ने वैसी कौन-सी उपलब्धि पाई है, जिसके लिए वह गौरव से भरना चाहता है, समाज से मान्यता चाहता है? जैसे जल नीचे की ओर रिस जाता है, वैसे ही मनुष्य की चेतना मूलाधार के सुखों में अटकी रहती है। कोई मनुज इससे मुक्त नहीं। यश तो उसका है, जिसने अपनी चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाया, जो जितेन्द्रिय हुआ या जिसने इसके लिए यत्न किए। कामनाओं के सम्मुख घुटने टेक देने वालों को किस बात के आत्मगौरव की चाह है? कामना मनुष्य की प्राथमिक, मूलभूत और आदिम वृत्ति है। मनुष्य सुख का लोभी है। प्रायः पूरा जीवन ही सुख की टोह में रहता है। इसमें भी बहुधा यह सुख भौतिक ही रहता है- जिह्वा और जननेन्द्रिय की क्षणचपल उत्फुल्लता। सुख के इस अनवरत शोध से मनुष्य क्या अर्जित करना चाहता है, ये उसे स्वयं ही नहीं पता। किंतु यदि कोई व्यक्ति आजीवन अपनी कामनाओं की ही पूर्ति करता रहे, तो वह खंख होकर रह जाएगा, निरा भौतिकवादी भोग-पुतुल बनकर रह जाएगा, उसके भीतर सरणियां नहीं होंगी, कोई आत्मसंघर्ष न होगा।

सुशोभित

लेखक

व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण आत्मसंघर्ष से होता है। इन्द्रिय-दमन की बात नहीं कर रहा हूं, कामनाओं के शमन की ओर भी संकेत नहीं है। संकेत उस विषाद की ओर है, रिक्तता और क्षोभ की ओर है, जो हर निरे इन्द्रिय-सुख की पूर्ति के बाद मनुष्य के भीतर उठता है, उठना ही चाहिए। अपने सुखों के प्रति एक मूक-विद्रोह मनुष्य होने की बुनियादी पहचानों में से है। फिर यह युग तो यों भी भोग का ही है। भोग की कीच में सभी सूरमा अपनी तलवारों की टूटी मूंठों के साथ निरुपाय पड़े हैं। कोई इसे अपनी विजय बताता हो, तो यह उसकी मूढ़ता ही कहलाएगी। स्मरण रहे, वर्तमान कालखंड में क्रांतिकारी वह है, जो कहता है मैंने त्यागा, वह नहीं, जो कहता है मैंने भोगा। आज की तारीख में विद्रोही वह है, जो पूछता है मैं कब तक अपनी इन्द्रियों का अनुचर बना रहूंगा, कब तक इसकी तृष्णा पूरी करने के लिए खटता रहूंगा? आज की तारीख में वह विद्रोही नहीं है, जो कहता है मैंने छककर खाया और फिर अघाया और कल फिर उठा और फिर से सुखों की टोह में निकल पड़ा- निष्प्रयोज्य, दिशाहारा। जो वैसा करते हैं, उनसे विरोध नहीं है, उनकी निंदा भी नहीं है, किंतु उसमें आत्मगौरव नहीं है। उन्मुक्त सुखभोग और आत्मगौरव दोनों एक साथ नहीं मिल सकते, मित्र। कोई एक चुन लो।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

हाइड्रोजन ट्रेनः भारत की हरित परिवहन क्रांति

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने विश्व की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल परीक्षण कर यह सिद्ध कर दिया है कि देश अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनता जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारत के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखा गया है। हाइड्रोजन आधारित यह ट्रेन आने वाले समय में भारतीय परिवहन व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखती है। उत्तर रेलवे के अनुसार हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। इसके लिए जींद में विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा एक प्लांट स्थापित किया गया है, जिसे निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति से जोड़ा गया है।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यह व्यवस्था दर्शाती है कि हाइड्रोजन आधारित परिवहन केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे व्यावहारिक स्तर पर लागू करने की ठोस तैयारी की जा चुकी है। परीक्षण के दौरान रेलवे विशेषज्ञों ने पावर कार, सुरक्षा प्रणालियों, स्पीड सेंसर, ब्रेकिंग सिस्टम और नियंत्रण तंत्र की गहन जांच की, ताकि किसी भी स्थिति में ट्रेन का सुरक्षित और स्थिर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है, जिसे 'जीरो आवाज, जीरो पॉल्यूशन' के सिद्धांत पर विकसित किया गया है। इसकी अनुमानित गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ आधुनिक डीजल ट्रेनों के बराबर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान ट्रेन को धीमी और मध्यम गति पर चलाकर कोचों की ऊंचाई, पायदान और संरचनात्मक मजबूती की भी बारीकी से जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यह ट्रेन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श मॉडल बन सकती है।

हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में अपनाने की दिशा में भारत पहले से ही व्यापक प्रयास कर रहा है। 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को स्वदेशी और स्वच्छ संसाधनों से पूरा करना तथा भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है, जिसमें उत्सर्जन के नाम पर केवल पानी निकलता है। परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर भारत में कई स्तरों पर प्रयोग हो रहे हैं। दिल्ली में इंडियन ऑयल द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों का परीक्षण किया जा रहा है। हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा देने के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, ऊर्जा आयात घटाना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन की पटरी पर दौड़ती यह ट्रेन केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने की भारतीय सोच का प्रतीक है। यदि यह प्रयोग सफलतापूर्वक विस्तारित होता है, तो भारत स्वच्छ परिवहन के साथ-साथ वैश्विक हरित ऊर्जा नेतृत्व की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हस्तशिल्प और कला इन दोनों के बीच बहुत महीन विभाजन रेखा है और यह दोनों ही एक-दूसरे में रूपांतरित हो सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पानी और भाप। एक निश्चित तापमान के बाद पानी स्वतः ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उस निश्चित तापमान से नीचे आते ही भाप पुनः पानी में बदल जाती है। अनेक हस्तशिल्पी अपने हस्तशिल्प कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और शिल्प कौशल के संतुलित संयोजन से, उसे कलात्मकता के स्तर तक ले जाते हैं। तब उनका बनाया वह हस्तशिल्प एक कलाकृति के रूप में स्वीकार्य हो जाता है। फिर वह मात्र हस्तशिल्प न रहकर एक कलात्मक कलाकृति कहलाता है, परंतु यह अपवाद स्वरूप ही देखने में आता है, सामान्य हस्तशिल्प इस श्रेणी तक कभी नहीं पहुंच पाते।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

समझना होगा कला और हस्तशिल्प के अंतर को

अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण का महत्व

हस्तशिल्प के कई कलाकार भी अपनी कलाकृति को इतना भावहीन एवं यांत्रिक बना देते हैं कि उन्हें कला की श्रेणी में रखना कठिन हो जाता है। हस्तशिल्प की मान्यता प्राप्त परिभाषा के अनुसार, पावर द्वारा चालित मशीनों के कम से कम उपयोग से मुख्यत: हाथों द्वारा बनाई गई कोई भी सुंदर, उपयोगी एवं टिकाऊ वास्तु हस्तशिल्प कहलाती है। इस परिभाषा के अनुसार हस्तशिल्प में उपयोग एवं टिकाऊ पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि हस्तशिल्प का सुदर्शन होना। हस्त शिल्प का यही पक्ष उसे कला के क्षेत्र से बाहर करता है, क्योंकि कला में उपयोग एवं टिकाऊ होने की कोई शर्त नहीं है। कला की अनेक परिभाषाओं में उसे आत्म अभिव्यक्ति से जोड़ा गया है, वहां दृष्टि, संप्रेषण और सृजन की बात की गई है। हस्तशिल्प और कला की परिभाषाओं में यह अंतर ही उनके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है। हस्तशिल्प में सौंदर्य के साथ उपयोगिता पक्ष का बाहुल्य है, जबकि कला में सौंदर्य सृजन के साथ अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण महत्व रखता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन और दक्षता

कला के सृजन का कोई निश्चित नियम या पूर्वनिर्धारित फार्मूला नहीं होता। कला को जबरन गढ़ा नहीं जा सकता, वह तो स्वयं अपनी अभिव्यक्ति का मार्ग खोज लेती है। कलाकार केवल माध्यम होता है, सृजन की प्रक्रिया उसके भीतर स्वतः घटित होती है। इसके विपरीत हस्तशिल्प एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित होता है, जहां निर्माण के स्पष्ट नियम, तकनीक और तयशुदा ढांचे मौजूद होते हैं। हस्तशिल्प में यह लगभग निश्चित रहता है कि अंत में उत्पाद कैसा होगा, जबकि कला में अंतिम परिणाम सृजन की यात्रा पूरी होने के बाद ही सामने आता है। कला की यही अनिश्चितता उसे रोमांचक और जीवंत बनाती है। यह अनपेक्षित मोड़, आकस्मिक अनुभूतियां और भावनात्मक गहराई ही कला को विशिष्ट बनाती हैं। कला-सृजन के लिए उन्मुक्त चिंतन, कल्पनाशीलता और आत्म-विस्मृति अत्यंत आवश्यक होती है। जब कलाकार अपने अहं और चेतन नियंत्रण से मुक्त होकर सृजन में डूब जाता है, तभी कला का वास्तविक रूप प्रकट होता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन, हस्तकौशल और दक्षता का विशेष महत्व होता है। वहां अभ्यास, परंपरा और तकनीकी निपुणता ही प्रमुख आधार हैं। किंतु हस्तशिल्प में भावनाओं का गहन संप्रेषण, अंतर्मन की अभिव्यक्ति या किसी अनदेखे, अमूर्त संसार की रचना का उद्देश्य नहीं होता। यही तत्व कला को हस्तशिल्प से अलग और उच्चतर आयाम प्रदान करते हैं। कला केवल रूप या संरचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह संवेदना, अनुभूति और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। उसमें भाव, कल्पना और स्वतंत्रता का समन्वय होता है, जो दर्शक या श्रोता के भीतर भी एक नई चेतना का संचार करता है। इस प्रकार कला और हस्तशिल्प के बीच मूल अंतर तकनीक का नहीं, बल्कि भाव, स्वतंत्रता और सृजनात्मक अनिश्चितता का है और यही कला की आत्मा है।

अनोखी परंपरा

कोरबा : जहां बेटी को दहेज में दिए जाते हैं जहरीले सांप

शादी-विवाह में दहेज की प्रथा भारतीय समाज की एक कड़वी सच्चाई रही है। आमतौर पर दुल्हन के पिता अपनी बेटी को दहेज के रूप में महंगे तोहफे, कीमती सामान, सोने-चांदी के गहने और नकदी देते हैं। कई परिवार तो इस सामाजिक दबाव के कारण कर्ज तक ले लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी शादी में पिता अपनी बेटी को दहेज में गहने या नकदी नहीं, बल्कि जहरीले सांप देता हो? यह बात सुनकर भले ही अचरज हो, लेकिन यह परंपरा वास्तव में भारत के एक हिस्से में आज भी जीवित है।

दहेज की यह अनोखी परंपरा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पाई जाती है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित मुकुंदपुर गांव में रहने वाला संवरा जनजाति समुदाय इस परंपरा का पालन करता है। इस समुदाय में बेटी की शादी के समय दूल्हे को दहेज के रूप में 21 जहरीले सांप दिए जाते हैं। यदि यह शर्त पूरी नहीं होती, तो विवाह संपन्न नहीं माना जाता।

यह परंपरा कोई हाल की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही है। दरअसल संवरा जनजाति के लोगों का पारंपरिक और पुश्तैनी पेशा जहरीले सांप पकड़ना है। ये लोग सांपों को पकड़कर उन्हें दिखाने का काम करते हैं और इसके बदले लोगों से पैसे लेते हैं। इसी से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। समुदाय की मान्यता है कि बेटी के पिता द्वारा दामाद को सांप देना, दरअसल उसकी आजीविका सुनिश्चित करना है। यह दहेज लालच या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि बेटी के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इन सांपों के माध्यम से दामाद कमाई कर सकेगा, जिससे उसकी पत्नी यानी बेटी को जीवनभर खाने-पीने या गुजर-बसर की कोई कमी न हो। आज भले ही आधुनिक समाज दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई मानता हो, लेकिन संवरा जनजाति की यह परंपरा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर परंपरा का अर्थ एक जैसा नहीं होता। यह प्रथा दिखाती है कि कुछ समुदायों में दहेज भी सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है।

आर्ट गैलरी

समकालीन कला के विशिष्ट चित्रकार

जोगेन चौधरी के चित्रों में ग्रामीण जीवन और कोलकाता के विभिन्न पक्षों का चित्र दिखाई देता है। उनकी निजी चित्र शैली में क्रमशः परिवर्तन होता हुआ दिखाई देता है। बाद में उनकी चित्र शैली में मछली, तितली, सांप आदि को व्यंजक रूप में प्रस्तुत किया गया। वनस्पतियों के चित्रण में कहीं-कहीं खिला हुआ दिखाया गया, तो कहीं वनस्पतियों को तरोताजा दिखाया गया और कहीं उन्हें मुरझाया हुआ भी दिखाया गया है। जोगेन चौधरी ने गणेश जी के अनेक चित्र बनाए हैं। इन्होंने गणेश जी को दुबला-पतला और व्यंग्यात्मक पद्धति में दिखाया गया है। जहां तक नारी आकृतियों की बात है, तो जोगेन चौधरी ने नारी को सुंदर मांसल दिखाने के साथ-साथ नारी आकृति को दुखी रूप में भी चित्रित किया है। क्योंकि जोगेन चौधरी का जीवन प्रकृति के साथ घुला-मिला था, इसलिए इन्होंने अपने चित्रों में पुरुषों के चित्रों को कहीं-कहीं पत्तों की तरह, लता की भांति दिखाया और अंगों के उभार को फूलों की तरह दर्शाया। इनके चित्रों में चित्रित आकृतियों की अंकन शैली से व्यंग्य-विनोद के भाव उभरते हैं। स्थूल-स्थूल आकारों और तुनक मिजाज भंगिमाओं को भोले लगते चेहरे, नेताओं, व्यापारियों को देखकर आज के परिवेश और आज की यथार्थता दिखाई देती है। जोगेन चौधरी उन महत्वपूर्ण चित्रकारों में हैं, जिन्होंने समकालीन भारतीय कला में अपनी सशक्त अभिव्यक्ति से कला और समाज के रिश्ते को अच्छी तरह परिभाषित किया है।

जोगेन चौधरी के बारे में

जोगेन चौधरी का जन्म 19 फरवरी 1939 को पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के फरीदपुर कस्बे में हुआ था। इनके पिता प्रमथ नाथ चौधरी ब्राह्मण जमींदार थे। इनके पिता ने गांव में होने वाले नाटकों में कई पौराणिक आख्यानों को दीवारों में पेंट किया था और बहुत से हिंदू आइकॉन के चित्र भी बनाए थे। जोगेन चौधरी की माता अल्पना ड्राइंग में दक्ष थीं। 1947 तक जोगेन चौधरी गांव के परिवेश में ही रहे। 1947 में भारत विभाजन के ठीक पहले जोगेन और उनके पिता कोलकाता शिफ्ट हो गए और 1948 के बाद पूरा परिवार कोलकाता में आकर बस गया। 1951 तक उनका पूरा परिवार अपने चाचा के पुलिस डिपार्टमेंट के क्वार्टर में ही रहता रहा। इसी मकान में जोगेन ने दीवारों पर अपनी पहली पेंटिंग बनाई। 1951 में जोगेन चौधरी का परिवार शहीद नगर कॉलोनी, ढाकुरिया, कोलकाता के दूसरे घर में शिफ्ट हो गया।

लोकायन

लावणी: महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला

लावणी अपने जोरदार लयबद्ध अंदाज के कारण भारत के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है और इसमें संगीत, गीत और नृत्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। लावणी की पहचान इसकी तेज-तर्रार ढोलक की ताल और नर्तकियों के नटखट, आकर्षक हाव-भाव से होती है। यह नृत्य दक्षिणी मध्य प्रदेश में भी प्रचलित है और मराठी लोक रंगमंच के विकास में इसका बड़ा योगदान माना जाता है। लावणी को एक रोमांटिक गीत के रूप में भी देखा जाता है, जिसमें एक महिला प्रेमी के आने का इंतजार करती है और अपनी भावनाओं को गीत के माध्यम से व्यक्त करती है।

नृत्य का इतिहास

लावणी शब्द का मूल "लावण्य" शब्द से माना जाता है, जिसका अर्थ है सौंदर्य। इसमें नारी की सुंदरता, शक्ति और भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर मेल दिखाई देता है। हालांकि लावणी की उत्पत्ति की सटीक तिथि स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एक मनोरंजक कला के रूप में विकसित हुई थी और युद्धग्रस्त समय में सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता था। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र युद्धों से जूझ रहा था और उस समय लावणी का महत्व बढ़ गया। यह नृत्य थके हुए सैनिकों के मनोरंजन का प्रमुख स्रोत बन गया। पेशवा शासन के दौरान लावणी को शाही संरक्षण मिला और यह और भी अधिक लोकप्रिय हुई। मराठी कवि जैसे माननीय बाला, रामजोशी, प्रभाकर आदि ने इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इस कला को साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया।

प्रदर्शन

लावणी का प्रदर्शन एक संगीत-संवाद जैसा होता है, जिसमें गीत, नृत्य, ताल और परंपरा का संयोजन होता है। ढोलक की तेज धुनों के साथ नर्तकियां अपने लयबद्ध कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। लावणी के गीतों में समाज, धर्म, राजनीति और रोमांस जैसे विषयों को सहजता से प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की कई जातियां, जैसे महार, कोल्हाती, कुंभार और मतंग, लावणी के प्रमुख कलाकार माने जाते हैं। लावणी मुख्यत: दो प्रकार की होती है- फडाची लावणी और बैठकी लावणी। फडाची लावणी बड़े मंच पर नाटकीय रूप में प्रस्तुत की जाती है, जबकि बैठकी लावणी निजी समारोहों में, अधिक शास्त्रीय शैली में गाई जाती है।

नर्तकियों की वेशभूषा

लावणी की नर्तकियां 9 गज की नौवारी साड़ी पहनती हैं और अपने बालों को सख्ती से बांधकर रखती हैं। वे भारी गहनों जैसे हार, झुमके, पायल, कमरपट्टा, चूड़ियां आदि से सजती हैं। लावणी में बिंदी का भी विशेष महत्व है, जो नृत्य की सौंदर्यात्मकता को और बढ़ाती है।

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन: चुनौतियां और संभावनाएं

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन आज भी एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं बन पाया है। जबकि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है, फिर भी कला विमर्श के क्षेत्र में उसका स्थान अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, संस्थागत, सामाजिक और बाजार से जुड़ी अनेक जटिल वजहें हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

इस मामले में एक बड़ी चुनौती भाषा और शब्दावली से जुड़ी है। आधुनिक कला विमर्श में जिन अवधारणाओं-जैसे मॉडर्निज्म, कन्सेप्चुअल आर्ट, इंस्टीच्युशनल क्रिटिक, एस्थेटिक, क्युरोटोरियल प्रैक्टिस का व्यापक उपयोग होता है, उनके लिए हिंदी में या तो सर्वमान्य शब्द नहीं हैं या जो अनुवाद उपलब्ध हैं, वे प्रचलन में नहीं आ सके। परिणामस्वरूप हिंदी में कला लेखन करने वाला लेखक या तो अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेने को विवश होता है या फिर अत्यधिक व्याख्यात्मक भाषा अपनाता है, जिससे लेखन का प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में एक सुझाव तो यही है कि इन शब्दों को ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाए। क्योंकि इस तरह के शब्द अब सहजग्राह्य हो चुके हैं और इसका धड़ल्ले से प्रयोग कला जगत में आम बातचीत में होता है। दूसरी बड़ी चुनौती कला संस्थानों और अकादमिक ढांचे से जुड़ी है। भारत में कला शिक्षा, कला इतिहास और कला आलोचना से संबंधित अधिकांश पाठ्यक्रम, शोध और प्रकाशन अंग्रेजी में केंद्रित रहे हैं। ललित कला अकादमियां, विश्वविद्यालय, संग्रहालय और गैलरियां भी लंबे समय तक अंग्रेजी को ही 'गंभीर विमर्श' की भाषा मानती रही हैं। इस संस्थागत झुकाव का सीधा प्रभाव हिंदी लेखन की संख्या, गुणवत्ता और दृश्यता पर पड़ा।

तीसरा पहलू कला बाजार से जुड़ा है। यह सच है कि भारतीय कला बाजार पर आज भी एक अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व है, जो अंग्रेजी को अपनी बौद्धिक और सामाजिक पहचान से जोड़कर देखता है। चूंकि अधिकांश कला संग्राहक, क्यूरेटर और गैलरी संचालक इसी वर्ग से आते हैं, इसलिए प्रदर्शनी कैटलॉग, प्रेस रिलीज और आलोचनात्मक लेखन में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हिंदी पट्टी के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति में अंग्रेजी को अनिवार्य मान लेते हैं, चाहे उनका सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव हिंदी का ही क्यों न हो। हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ सकारात्मक बदलाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक-दो दशकों में हिंदी में कला विषयक पुस्तकों की संख्या बढ़ी है, चाहे वे कला इतिहास, लोक एवं आदिवासी कला, आधुनिक भारतीय कला या समकालीन विमर्श पर आधारित हों। इसके साथ ही आलेखन डॉट इन जैसी वेबसाइटों और अन्य डिजिटल मंचों ने हिंदी कला लेखन को एक नया विस्तार दिया है। ये मंच न केवल लेखकों को अभिव्यक्ति का अवसर दे रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पाठक वर्ग का निर्माण भी कर रहे हैं, जो कला को अपनी भाषा में समझना चाहता है। डिजिटल माध्यमों की भूमिका यहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन पत्रिकाएं और ब्लॉग्स ने उस दूरी को कुछ हद तक पाटा है, जो पहले कला और आम हिंदी पाठक के बीच थी।

आज युवा लेखक, कलाकार और समीक्षक बिना किसी बड़े संस्थागत समर्थन के भी हिंदी में सार्थक कला विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, किंतु इन सबके बावजूद आवश्यकता इस बात की भी है कि हिंदी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से कला विषयक लेख, समीक्षा, परिचर्चा और साक्षात्कार का प्रकाशन होता रहे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि हिंदी में कला विषयक लेखन की चुनौती केवल भाषा की नहीं, बल्कि दृष्टि और संरचना की भी है। जब तक कला विमर्श को अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर व्यापक सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक हिंदी को उसका वाजिब स्थान नहीं मिल पाएगा। हाल के प्रयास यह संकेत देते हैं कि हिंदी कला लेखन धीरे-धीरे अपनी जमीन तलाश रहा है और यही भविष्य के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,180.47	25,232.50
गिरावट	1,065.71	353
प्रतिशत में	1.28	1.38

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,23,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 21 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000–17800, धनिया 9400–12000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800–8500, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8200, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000–10300, अरहर कोरी छोटी 11400

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3100, मसूरी– 760, बासमती– 5400, परमल– 1100

दाल दलहन : काला चना– 2400, साबुत चना दाल– 1300, मूंग साबुत– 4000, राजमा– 8100–11400, दाल उड़द– 5200, साबुत मसूर दाल– 2000, मसूर दाल– 1900, उड़द साबुत– 3800, काबुली चना– 7600, अरहर दाल– 10300, लोबिया/करमानी– 1200

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4 माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर

उर्वरक-सीमेंट में आया उछाल, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में उछाल से बीते महीने देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही। यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2024 में यह दर 5.1 प्रतिशत थी। इस तरह बीते महीने के आंकड़े में सालाना आधार पर गिरावट है। पिछले साल नवंबर में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार घट गई। इस दौरान उर्वरक के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन 3.6 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। बिजली उत्पादन में नवंबर 2025 के मुकाबले बढ़ोत्तरी हुई, क्योंकि नवंबर में इसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान इन आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख उद्योगों की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि आईआईपी वृद्धि दर नवंबर 2025 के 6.7 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2025 में लगभग 4.5-5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

फिक्की विनिर्माण सूचकांक तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंचा

- आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का किया आकलन

नई दिल्ली। उत्पादन लागत अधिक रहने के बावजूद फिक्की विनिर्माण सूचकांक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसमें 91% कंपनियों ने स्थिर या उससे अधिक उत्पादन दर्ज किया है जो जुलाई-सितंबर के 87 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के विनिर्माण पर तिमाही सर्वेक्षण (क्यूएसएम) के 68वें संस्करण में तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का आकलन किया गया। इनमें मोटर वाहन कलपुर्जों, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक तथा दवा, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, मशीन उपकरण, धातु व धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान तथा प्रौद्योगिकी वस्त्र तथा विविध वस्तुएं शामिल हैं। लघु एवं मझोले उद्यम दोनों क्षेत्रों की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका वार्षिक कारोबार संयुक्त रूप से तीन लाख करोड़ से अधिक है। 57% उत्तरदाताओं ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत में वृद्धि की जानकारी दी जो पिछली तिमाही के निष्कर्षों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि लागत अब भी अधिक है। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे माल की उच्च लागत, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और लॉजिस्टिक, बिजली एवं यूटिलीटी लागत में वृद्धि के कारण हुई है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में विनिर्माण सूचकांक का प्रदर्शन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि एवं बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

चीनी उत्पादन 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

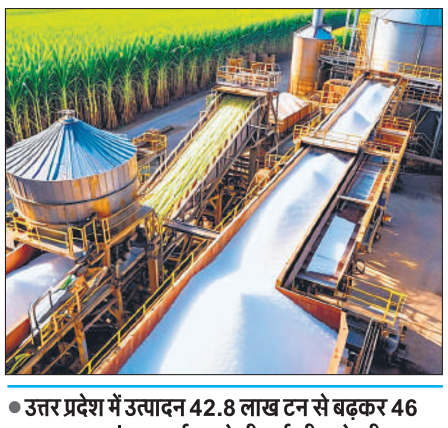

- उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन पहुंचा, कर्नाटक ने भी दर्ज की बढ़ोतरी
- उद्योग निकाय ने कहा- गन्ने की बढ़ती और चीनी के गिरते दाम से मिलों को हानि, किसानों के भुगतान में देरी

गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22% बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51% बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया।

इस्मा ने कहा कि गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है।

इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर 3,550 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

कर राहत, ऋण कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभ बहाल करे केंद्र सरकार : एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी

- निकाय ने की एलटीसीजी पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने सरकार से आगामी बजट 2026-27 में ऋण (बॉण्ड) कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभों को बहाल करने की मांग की। एम्फी ने साथ ही म्यूचुअल फंडों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समान कर लाभों के साथ पेंशन आधारित योजनाएं पेश करने की अनुमति देने का आग्रह भी किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश करेंगी।

इंडेक्सेशन वह तरीका है, जिससे निवेश पर होने वाले मुनाफे में महंगाई को समायोजित किया जाता है, जिससे कर का बोझ कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड निकाय ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए अपनी सिफारिशों में एम्फी ने सरकार से इक्विटी एलटीसीजी (एलटीसीजी) के लिए कर मुक्त छूट की सीमा को 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का आग्रह किया है। उसने कहा कि एमएफ उद्योग में स्थिर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने को पांच वर्ष से अधिक समय तक रखी गई इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से छूट की सिफारिश की है। इससे सुनिश्चित होगा कि निवेशक लंबी अवधि तक निवेशित रहें। एम्फी ने एमएफ की ऋण योजनाओं के लिए दीर्घकालिक इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करने का अनुरोध किया है, जिसे बजट 2024 में वापस ले लिया गया था।

सोना 1.5 लाख के पार, चांदी 20,400 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में रही तेजी

सोना मंगलवार को मजबूत मांग के कारण 5,100 रुपये की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपये के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना 5,100 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर पहुंच गया। साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद धातु 20,400 रुपये यानी 7% बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपये की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी।

विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42% की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

वायदा में भी पीले-सफेद धातु की चमक बढ़ी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोने का वायदा भाव मंगलवार को 1.5 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के पार पहुंचा। चांदी भी 3.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पहुंची। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी में आपूर्ति वाले सोने का भाव 6,861 रुपये यानी 4.7% चढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और रुपये के कमजोर होने से सोने की कीमत में वृद्धि हो रही है। आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 6% चढ़कर 3,27,998 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा।

ईडी रिट दायर कर सकती है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा तय

न्यायालय ने केरल-तमिलनाडु की अपीलों पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- संविधान के अनुच्छेद 226 से संबंधित मुद्दे पर सुनवाई के लिए जताई सहमति

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सुनवाई करने पर सहमति जताई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक न्यायिक इकाई (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अपने अधिकारों के प्रवर्तन के लिए उच्च न्यायालयों में रिट याचिका दायर कर सकती है। ज्यूरिस्टिक पर्सन वह गैर-इंसानी कानूनी इकाई होती है, जिसे कानून द्वारा मान्यता दी जाती है और जिसे मानव की तरह अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अपीलों पर ईडी को नोटिस जारी किया। इन अपीलों में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी को अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करने का अधिकार होने की पुष्टि की गई थी। अनुच्छेद 226 हाईकोर्ट को कुछ रिट जारी करने की शक्ति से संबंधित है। केरल हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 सितंबर को पारित आदेश में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2020 में राजनयिक माध्यम से हुए सोना तस्करी मामले में ईडी की जांच से संबंधित न्यायिक जांच पर रोक लगाई थी। यह न्यायिक जांच आयोग उन आरोपों के बाद गठित हुआ था, जिनमें कहा गया था कि ईडी अधिकारियों ने आरोपियों पर दबाव डालकर मुख्यमंत्री समेत नेताओं को सोना तस्करी मामले में फंसाने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने केरल सरकार की उस अपील को खारिज किया था, जिसमें एकल पीठ के अंतरिम स्थगन आदेश को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा था कि अपील में कोई दम नहीं है और ईडी की याचिका पर सुनवाई कर जांच पर रोक लगाने में एकल पीठ ने कोई त्रुटि नहीं की। यह मामला 7 मई 2021 की राज्य सरकार की अधिसूचना से उत्पन्न हुआ था, जिसमें आयोग जांच अधिनियम, 1952 के तहत ईडी अधिकारियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया गया था। ईडी के उप निदेशक ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ जांच का आदेश देने का अधिकार है। एकल पीठ ने यह माना कि ईडी को अधिकार प्राप्त है और 11 अगस्त 2021 को अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसके खिलाफ अपील दायर की।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : संबंधित याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला से जुड़ीं 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 28 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इन याचिकाओं में आरोपियों की जमानत याचिकाएं भी हैं। उच्चतम न्यायालय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत देने के खिलाफ दायर ईडी की याचिका पर भी अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने पूर्व नौकरशाह सौम्या चौरसिया की अलग याचिका पर राज्य सरकार और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किए। चौरसिया छत्तीसगढ़ कैडर की लोकसेवक थीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) थीं। कोयला घोटाला मामले में शीर्ष अदालत से जमानत मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने शराब घोटाले में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था। चौरसिया के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह प्राथमिकी को निरंतर बनाए रखने का मामला है और उच्चतम न्यायालय की पूरी तरह से अनदेखी है।

रिट अदालतें सभी समस्याओं का समाधान नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूबर की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फिल्म निर्माता के आरोपों को लेकर चेन्नई में सील किये उसके कार्यालय को खोलने और जब्त उपकरण लौटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फिल्म निर्माता ने यूट्यूबर पर मारपीट और वसूली का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली सावुक्कू शंकर की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट का रुख करने को कहा। पीठ ने शंकर के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि यह मत सोचिए कि रिट अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है। याचिका खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के लिये रिट अदालत शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 दिसंबर 2025 को सीलिंग आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और यूट्यूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट का रुख करने का निर्देश दिया था।

एआईबीई में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया।

नितिन ने 12वें अध्यक्ष के रूप में संभाला पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा को मोदी ने किया संबोधित

नितिन नबीन के मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जेपी नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है।

इस अवसर पर भाजपा मुख्यालय की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं। नबीन के नाम की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। नबीन की पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी वहां उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय की सभा में मोदी ने नवीन को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला मिलेनियल बताया, जो पार्टी के लिए मददगार साबित होगा। मिलेनियल शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 से लेकर 1990 के मध्य हुआ हो। नबीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

असम में हिंसा, आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद

कोकराझार/गुवाहाटी, एजेंसी

असम के कोकराझार में हिंसा के बाद तैनात सुरक्षाकर्मी।

- हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदाय आमने-सामने, एक व्यक्ति की मौत
- मुख्यमंत्री सरमा ने की शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील

असम के कोकराझार जिले में मंगलवार को भीड़ की हिंसा के बाद बोडो और आदिवासियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए प्रक्रिया जारी है और कोकराझार में झड़पों और हिंसा के बाद आरएएफ तैनात है। कोकराझार और पड़ोसी चिरांग जिले में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील की। मुख्यमंत्री अभी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में हैं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि वह राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति सामान्य हो जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के नेताओं से जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग की अपील की। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कोकराझार रवाना हो गए हैं। गृह विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोकराझार में तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन से दो आदिवासियों को टक्कर लगी। ग्रामीणों ने तीनों बोडो से मारपीट की और वाहन को आग लगा दी। इसमें एक की मौत हो गई।

एसआईआर सुनवाई के लिए भारतीय गेंदबाज शमी हुए पेश

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अपनी निर्धारित सुनवाई के लिए कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए। अधिकारी ने बताया कि शमी दक्षिण कोलकाता के बिक्रमगढ़ इलाके के स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

सुनवाई पूरी होने के बाद शमी ने कहा कि एसआईआर हर किसी की ज़िम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और चुनाव अधिकारियों ने इसे अच्छे से संभाला। मैं 25 सालों से यहीं रह रहा हूं। वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं आऊंगा। राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि शमी द्वारा भरे गणना प्रपत्र में कुछ स्थानों पर विसंगतियां थीं, जिससे उन्हें सुनवाई के लिए तलब किया गया था।

बंगाल में एसआईआर के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सही दस्तावेज के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस देने का लोगों ने लगाया आरोप

प. बंगाल के विभिन्न जिलों में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं तथा टायर जलाए गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण और उत्तर 24 परगना, झाड़ग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस को इन क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इससे एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को यह निर्देश भी दिया कि तर्कसंगत विसंगतियों वाली सूची में शामिल लोगों के नाम उन ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाएं, जहां दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत की जाएंगी।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सही दस्तावेज होने के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया।

मुर्शिदाबाद में बार-बार हो रही हिंसा से हाईकोर्ट चिंतित

- पुलिस और प्रशासन को शांति बनाए रखने का दिया निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बार-बार हो रही हिंसा और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस और प्रशासन को वहां शांति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बल की मांग कर सकती है।

अदालत ने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया कि वहां हिंसा या अशांति की कोई और घटना न हो। पड़ोसी राज्यों में प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के संबंध में पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए अदालत में दो जनहित याचिकाएं दायर की गईं। झारखंड में बेलडांगा निवासी एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में 16 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को लगभग छह घंटे तक अवरुद्ध रखा।

इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल में चीनी रेस्टोरेंट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी

- चीनी नागरिक समेत सात लोगों की हुई थी मौत, 25 लोग घायल

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है और धमाके के कारणों की जांच अब भी जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विस्फोट में चीन के एक नागरिक समेत सात लोग मारे गए।

आतंकवादी समूह ने सोमवार देर रात समाचार एजेंसी अमाक पर जारी एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर शहर के एक रेस्तरां में घुस और विस्फोट कर दिया। इस रेस्तरां में अक्सर चीनी नागरिक आते-जाते थे। हमले में तालिबान के सुरक्षाकर्मियों समेत 25 लोग हताहत हुए। इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। अफगान प्राधिकारियों ने सोमवार को हुए विस्फोट के कारण की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन क़ानी ने मंगलवार को कहा कि इसकी अब भी जांच की जा रही है। तालिबान ने 2021 में काबुल पर कब्जा कर लिया था और सभी देशों ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थीं, लेकिन चीन ने आर्थिक उपस्थिति बनाए रखी है।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा का आग्रह

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

दावोस में बर्फ की परतें क्या पिघलेंगी

विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक हमेशा से वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतिगत बदलावों का केंद्र रही है। लेकिन साल 2026 की इस बैठक में ग्रीनलैंड का मुद्दा गरमाया हुआ है जो न केवल पर्यावरण से जुड़ा है, बल्कि वैश्विक सत्ता के संतुलन को भी बदल सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। बर्फ पिघलने के साथ इसके नीचे दबे अकूत खनिज भंडार और दुर्लभ पृथ्वी तत्व दुनिया की नजरों में आ गए हैं। दावोस 2026 में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या यह द्वीप भविष्य की ग्रीन इकोनॉमी का इंजन बनेगा या महाशक्तियों के बीच नए शीत युद्ध का अखाड़ा? बहरहाल इस वैश्विक मंच से ग्रीनलैंड की बर्फ की परतों के नीचे दबी भू-राजनीति के पिघलने की उम्मीद ही की जा सकती है।

ग्रीनलैंड पर महासंग्राम

अमेरिका-ईयू के साथ अन्य दावेदार

- अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति के लिए अनिवार्य मानता है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) इसे अपनी ग्रीन डील के लिए कच्चे माल का सबसे भरोसेमंद स्रोत देख रहा है। दूसरी ओर, रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता ने पश्चिमी देशों की नींद उड़ा दी है। रूस जहां आर्कटिक में अपने सैन्य प्रभुत्व को ग्रीनलैंड के करीब तक ले जाना चाहता है, वहीं चीन पोलर सिल्क रोड के जरिए यहां भारी निवेश कर रहा है। दावोस का मंच इन विरोधाभासों को सुलझाने का एक आखिरी कूटनीतिक प्रयास हो सकता है, जहां व्यापारिक हितों और संप्रभुता के बीच एक महीन रेखा खींचने की कोशिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप तो किसी भी की कीमत पर ग्रीनलैंड को हासिल कर लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल किया जाना बहुत जरूरी है और हम इसके लिए सैन्य प्रयास भी कर सकते हैं।

रक्षा बनाम संसाधन

- अमेरिका : अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड का मुद्दा केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक है। आर्कटिक में रूस की बढ़ती मिसाइल क्षमता को देखते हुए ग्रीनलैंड में मौजूद थ्यूल एयर बेस का महत्व बढ़ गया है।
- यूरोपीय संघ : ईयू के लिए ग्रीनलैंड एक रणनीतिक साझेदार है। चूंकि डेनमार्क ईयू का हिस्सा है और ग्रीनलैंड उसका स्वायत्त क्षेत्र है, इसलिए ब्रुसेल्स यहां से लिथियम, कोबाल्ट और जिंक की आपूर्ति चाहता है।

ग्रीनलैंड कीमती क्यों

- दुर्लभ खनिज : यहां दुनिया के 25% दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जो स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कारों के लिए जरूरी हैं।
- नए व्यापारिक मार्ग : बर्फ पिघलने से जहाजों के लिए एशिया से यूरोप का रास्ता 40% छोटा हो जाएगा।
- रणनीतिक स्थिति : उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच होने से महत्वपूर्ण।

रूस और चीन का रुख

- रूस : रूस का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र केवल पश्चिमी देशों की जागीर नहीं है। दावोस में रूसी प्रतिनिधियों का तर्क है कि ग्रीनलैंड के आसपास के जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूस अपनी 'नॉर्दर्न सी रूट' परियोजना को ग्रीनलैंड के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है।
- चीन : चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर चुका है। दावोस में चीन का पक्ष स्पष्ट है कि वे ग्रीनलैंड के बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। चीन का तर्क है कि आर्थिक विकास पर किसी एक देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, जो सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती है।

आगे की राह

दावोस में ग्रीनलैंड मुद्दे का समाधान रातों-रात नहीं निकलेगा, लेकिन यह मंच संवाद की शुरुआत जरूर कर सकता है। 2026 तक ग्रीनलैंड की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी जमीन को भू-राजनीतिक मोहरा नहीं बनने देगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

इस्तीफा देंगे बुल्गारिया के राष्ट्रपति रादेव

सोफिया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे। संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी।

मत्स्य पालन गोलमेज सम्मेलन आज

नई दिल्ली। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग की ओर से द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से 21 जनवरी को यहां समुद्री खाद्य निर्यात संवर्द्धन के विषय में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया कि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

जासूसी में नौ की मौत की सजा बरकरार

सना। हूती समूह द्वारा संचालित राजधानी सना स्थित एक अदालत ने सोमवार को जासूसी के आरोप में दोषी ठहराए गए नौ यमनियों की मौत की सजा को बरकरार रखा। हूती-संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ मूल फैसले को बरकरार रखा है, जिन पर हूती समूह अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब सहित विदेशी देशों के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। चैनल ने यह भी बताया कि इनमें से आठ आरोपी हिरासत में हैं और एक फरार है।

कोलंबिया में झड़पों में 26 लोग मारे गए

बोगोटा। कोलंबिया के गुआवियारे प्रांत में सशस्त्र गुटों के बीच हुई भीषण झड़पों में 26 लोग मारे गए। कोलंबियाई सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना के चौथे प्रभाग के कमांडर रिकार्डो रोके ने स्थानीय मीडिया को बताया कि प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र गुटों के बीच हुई लड़ाई के बाद सैनिकों ने एल रेटोर्नो नगर पालिका से 26 शव बरामद किए।

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शीर्ष ईयू अधिकारी ने बताया ट्रंप की भूल

दावोस, एजेंसी

यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में एक व्यापार समझौता हुआ था। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान दावोस में दिए गए अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के बीच एक भूल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे कदम ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

ट्रंप बोले, अब शांति रखने की जिम्मेदारी मेरी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर पूर्ण और संपूर्ण नियंत्रण की अपनी मांग को लेकर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला है इसलिए अब वह शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य नहीं हैं। स्काई न्यूज द्वारा प्रकाशित पत्र में ट्रंप ने लिखा, प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ से अधिक युद्ध रुकवाने के बावजूद मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का निर्णय लिया, अब मैं केवल शांति के बारे में सोचने के लिए स्वयं को बाध्य नहीं मानता। शांति हमेशा प्रमुख रहेगी, लेकिन अब मैं यह भी सोच सकता हूं कि अमेरिका के लिए क्या उचित है। पत्र में कहा गया, डेनमार्क उस भूमि को रूस या चीन से सुरक्षित नहीं रख सकता, और वैसे भी उनके पास 'स्वामित्व का अधिकार' क्यों है? कोई लिखित दस्तावेज नहीं हैं। सिर्फ यह कहा जाता है कि सैकड़ों साल पहले वहां एक जहाज उतरा था, लेकिन हमारे जहाज भी वहां उतरे थे। मैंने नाटो के गठन के बाद से किसी भी व्यक्ति से अधिक योगदान दिया है। अब नाटो को अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा, दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक हमारे पास ग्रीनलैंड का पूर्ण और सम्पूर्ण नियंत्रण न हो। धन्यवाद! राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे से प्राप्त एक संदेश के जवाब में भेजा गया था। यह संदेश प्रधानमंत्री स्टोएरे ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की ओर से भी भेजा था।

अमेरिका के साथ यूरोप के संबंध अब भी मजबूत : बेसेंट

दावोस। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध अब भी मजबूत बने हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपने व्यापारिक साझेदार देशों से अपील की कि वे ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क (टैरिफ) धमकियों से उत्पन्न तनाव को समय के साथ शांत होने दें और धैर्य रखें। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर कहा, मुझे लगता है कि हमारे संबंध कभी इतने घनिष्ठ नहीं रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। ये वही देश हैं जिन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन लेने की ट्रंप की बढ़ती मांगों के बाद डेनमार्क के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को सुरक्षा कारणों से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, ताकि चीन और रूस से संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके।

ईडी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में की छापेमारी

- शबरिमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने की कार्रवाई

कोच्चि/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला में कथित सोने की चोरी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत तीन राज्यों में मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के अलावा आभूषण विक्रेताओं से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

ईडी ने केरल पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए नौ जनवरी को पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। आरोपों में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोने की चोरी भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सोने से मढ़ी पवित्र कलाकृतियों को आधिकारिक अभिलेखों में जानबूझकर तांबे की प्लेट के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया और 2019 तथा 2025 के बीच मंदिर परिसर से गैरकानूनी रूप से हटा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, चेन्नई और कर्नाटक में निजी प्रतिष्ठानों में रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कथित तौर पर सोना निकाला गया था, जिससे अपराध की आय अर्जित हुई और इस आय को अपने पास रखा गया, हस्तांतरित तथा छिपाया गया।

फर्जी जीएसटी मामले में कई राज्यों में तलाशी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले के संबंध में कई राज्यों में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की तलाशी ली जा रही है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। धन शोधन का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए धोखाधड़ी करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। मामले में सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल बताई गई है।

रूस-भारत में एसजे-100 यात्री विमान की बिक्री पर समझौता

- रूस के उद्योग-व्यापार उपमंत्री गेनाडी ने दी जानकारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस और भारत के बीच रूसी निर्मित यात्री विमान एसजे-100 की खरीद और स्थानीय उत्पादन पर प्रारंभिक समझौते हो चुके हैं और बातचीत जारी है। यह जानकारी रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री गेनाडी अब्रामेनकोव ने मंगलवार को दी।

अब्रामेनकोव ने कहा साझेदारों के साथ खरीद की संभावना पर एक प्रारंभिक समझौता हो चुका है, जिसके बाद भारत में इस प्रकार के विमान का स्थानीय उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल, बातचीत चल रही है। अक्टूबर के अंत में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूएसी के प्रमुख वादिम बदेहा ने बाद में कहा कि भारत ने एसजे-100 विमान की उच्च दक्षता को ध्यान में रखा है। एसजे-100 एक अल्प दूरी का नैरो-बॉडी विमान है जिसे आयातित प्रणालियों को बदलने के कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह विमान वर्तमान में संचालित सुपरजेट प्रकार के विमानों के परिवार में एक और मॉडल बनेगा। एसजे विमान ने रूसी पीडी-8 इंजन के साथ पहली उड़ान 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में भरी।

रूस का यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए आक्रमण के प्रतिरोध को कमजोर करना है।

ट्रंप ने दी फ्रांस की वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी

- गाजा शांति योजना पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर दबाव का प्रयास

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को व्यापक रूप से फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से ट्रंप की प्रस्तावित शांति बोर्ड पहल का समर्थन करें।

ट्रंप ने संकेत दिया कि इन दंडात्मक आयात शुल्क का उपयोग फ्रांस को सहयोग के लिए मजबूर करने हेतु किया जा सकता है। यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि मैक्रों ने इस पहल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई है। प्रस्तावित निकाय शुरू में गाजा युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा और बाद में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों तक विस्तार करेगा। हालांकि यह सवाल भी उठ रहे हैं कि यह निकाय संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा संस्थानों के साथ कैसे तालमेल बिठाएगा। ट्रंप से मैक्रों की कथित अनिच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या उन्होंने ऐसा कहा? वह बहुत जल्द पदच्यूत होने वाले हैं।

झड़पों के बीच आईएस के 120 सदस्य जेल से फरार

रक्का। सीरिया के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकारी बलों और जेल की रखवाली करने वाले कुर्दों के नेतृत्व वाले बल 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के बीच हुई झड़प के बीच उत्तर-पूर्वी सीरिया की एक जेल से इस्लामिक स्टेट के 120 सदस्य फरार हो गए। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने फरार हुए 81 कैदियों को फिर से पकड़ लिया है, जबकि बाकी कैदियों का पता लगाने के लिए गहन सुरक्षा प्रयास जारी हैं। शद्दादेह शहर की एक जेल से कैदियों के भागने की घटना को लेकर एसडीएफ और सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं, जबकि दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौता टूट चुका है। एसडीएफ ने मंगलवार को ही दमिश्क से जुड़े गुटों पर रक्का शहर के पास अल-अक्तान जेल में पानी की आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाया और इसे मानवीय मानकों का घोर उल्लंघन बताया। सीरिया में आईएस से लड़ने वाले अमेरिका समर्थित मुख्य बल एसडीएफ उत्तर-पूर्वी सीरिया में 10 से अधिक जेलों को नियंत्रित करता है, जिनमें लगभग 9,000 आईएस सदस्यों को वर्षों से बिना मुकदमे चलाए रखा गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 22 जनवरी 02.47 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

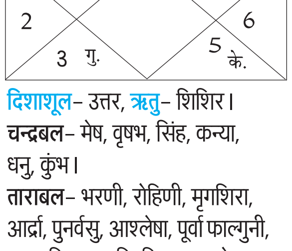

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- धनिष्ठा 13.58 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। आप अपने शौकों को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन — आज यदि नई नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

कर्क — आज आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचने के लिए योग करें। अनावश्यक विचारों में अधिक समय बर्बाद न करें। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे अधिक अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या — आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है।

तुला — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक विशेष रहेगा। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे आप शाम तक सुलझा लेंगे।

वृश्चिक — आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। शुगर के रोगी अपनी सेहत का ध्यान रखें। दूसरों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा है। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

धनु — आज दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर व्यापार करें। बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कुंभ — आज अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रसन्नता और संतुष्टि रहेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लॉटरी आदि से धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मीन — आज यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

सुडोकू -38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	1	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

“मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। द नेक्स्ट सेट मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।
-सानिया मिर्जा

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 21 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी20 श्रृंखला खेलने अप्रैल में वहां पहुंचेगी। ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जाएंगे। पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा। इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी श्रृंखला होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञानानंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा प्रज्ञानानंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा।

सातवीं बार असम में होगी संतोष ट्रॉफी

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी बुधवार से असम में शुरू होगी जो सातवीं बार इसकी मेजबानी कर रहा है। पहली बार असम में 1959 . 60 में संतोष ट्रॉफी खेली गई थी। टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर के लिये सभी राज्यों की टीमों को नौ समूहों में बांटा गया है और हर समूह की शीर्ष टीम फाइनल दौर में खेलेगी। मेजबान और पिछले सत्र की उपविजेता असम, पश्चिम बंगाल और केरल सीधे फाइनल दौर में खेलेंगे। नॉकआउट क्वार्टर फाइनल दो और तीन फरवरी को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 5 फरवरी को और फाइनल 8 फरवरी को खेला जाएगा।

भारतीय महिला टीम की कोच बनीं अमेलिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है। पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रही। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

कप्तान सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

नागपुर, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे श्रृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं।

भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे श्रृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा : सूर्यकुमार

नागपुर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और चोटिल तिलक वर्मा की तरह ही खब्बू बल्लेबाज हैं। तिलक के पेट का आपरेशन हुआ है और वह पहले तीन मैचों से बाहर हैं। इससे श्रेयस को पहले तीन मैचों के लिये वापसी का मौका मिला है। सूर्यकुमार ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा है और उसे टीम में पहले चुना गया तो उसे मौका देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पिछले डेढ साल से वह भारत के लिए खेला नहीं है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ईशान को टी20 विश्व कप के लिये चुना गया है तो उसे श्रेयस से ऊपर भेजा जाना चाहिए।

टी20 विश्व कप विवाद

आईसीसी के दबाव में नहीं आएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी टीम किसी भी हालत में टी20 विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेगी हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भागीदारी पर फैसला लेने के लिये 21 जनवरी तक का समय दिया है। बीसीबी अगर 20 टीमों के टूर्नामेंट के लिये भारत टीम नहीं भेजता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उतारा जा सकता है।

नजरूल ने पत्रकारों से कहा मुझे जानकारी नहीं है कि हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर बेतुकी शर्तें रखकर हम पर दबाव बनाने की कोशिश करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पहले भी ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने कहा कि वे भारत नहीं जाएंगे तो आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया।

अब भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे या नहीं : लिटन दास

बंगलादेश के टी20 के कप्तान लिटन दास ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक पत्रकार को बीच सवाल में ही रोक दिया, जब उसका सवाल टी20 वर्ल्ड कप से पहले चल रहे गतिरोध की ओर जा रहा था। आपको नहीं पता, मुझे नहीं पता, हम एक ही नाव में हैं। वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाएगा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है। मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये, ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं। वर्ष 2025-26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा।

पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे। इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं। केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है।

आईपीएल के एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रूपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया यह करार तीन साल के लिये है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है।

चोटिल कमलिनी की जगह वैष्णवी मुंबई इंडियंस में शामिल

वडोदरा। भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा को मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमलिनी की जगह मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किया गया। सत्रह वर्षीय कमलिनी ने डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में पांच मैचों में से चार में पारी की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 97.40 के स्ट्राइक रेट से केवल 75 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस में शामिल होंगी।

वैष्णवी 2025 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थीं। उन्होंने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जिसे भारत ने 5-0 से जीता था। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाजी से अच्छा प्रभाव डाला और पांच विकेट लिए।

जेमिमा के नाबाद अर्धशतक से दिल्ली जीती

वडोदरा, एजेंसी

- महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

जेमिमा रौड्रिग्स ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए नाबाद अर्धशतक लगाकर दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मंगलवार को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई मुंबई इंडियंस ने नेट स्किवर ब्रंट के 45 गेंद में नाबाद 66 रन की सहायता से पांच विकेट पर 154 रन बनाए।

दिल्ली को लिजेले ली (28 गेंद में 46 रन) और शेफाली वर्मा (24 गेंद में 29 रन) ने अच्छी शुरूआत दी लेकिन बीच के ओवरों में टीम ने विकेट गंवा दिए। इसके बाद जेमिमा ने 37 गेंद में 51 रन की अविजित पारी खेलकर दिल्ली को जीत तक पहुंचाया। अनुभवी मरिजाने काप छह गेंद में 10 रन बनाकर नाबाद रही और छक्के के साथ विजयी रन पूरे किए।

दिल्ली कैपिटल्स की यह पांच मैचों में दूसरी जीत है जबकि मुंबई की छह मैचों में चौथी हार है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हार के बाद स्वीकार किया कि टीम को पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। दिल्ली ने पावरप्ले में शेफाली वर्मा का विकेट गंवाया जो बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का शिकार हुई। वहीं अमनजोत कौर ने 11वें ओवर में लिजेले ली का विकेट लिया। इससे पहले हीली मैथ्यूज के चोट से उबरने के बाद वापसी करने के बावजूद मुंबई इंडियंस पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज की मैथ्यूज और उनकी सलामी जोड़ीदार साजीवन साजना सस्ते में आउट हो गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिये मरिजाने काप ने सटीक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर मैथ्यूज का विकेट लिया। अब रन बनाने की जिम्मेदारी स्किवर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर आ गई थी। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में 41 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रौड्रिग्स। एजेंसी

मालासुक ने अंडर 19 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा

विंडहोक (नामीबिया)। आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के बल्लेबाज विल मालासुक ने आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक सिर्फ 51 गेंदों में लगाया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में मंगलवार को जापान को आठ विकेट से मात दी। विल ने 55 गेंद में 102 रन बनाये और 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई।

मैडिसन कीज।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पिछले दो बार के विजेता हैं इटालवी स्टार, महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने भी दूसरे दौर में बनाई जगह

सिनर के खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की।

विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था। सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

पूनाचा व इसारो की जोड़ी पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, पर पूनाचा व इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है।

सानिया ने ‘द नेक्स्ट सेट’ लॉन्च किया

हैदराबाद। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।